RitRekha
LIFE IN RHYTHM



कुंडली

आपका जीवन, एक व्यापक दृष्टि से।

Arya Sample

तैयार किया गया ३ नवंबर २०२६ | व्यक्तिगत रिपोर्ट

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

आपके जन्म-विवरण

गणना	मान	जन्म पंचांग	मान
पूरा नाम	Arya Sample	तिथि	द्वादशी
जन्म तिथि	१२ मई १९९५	पक्ष	शुक्ल
जन्म समय	०७:१५	नक्षत्र / पाद	हस्त / ३
अक्षांश	२६.९१२४	योग	वज्र
देशांतर	७५.७८७३	करण	बालव
समयक्षेत्र	भारतीय मानक समय	वार	शुक्रवार
लग्न	वृषभ	सप्ताह का नागरिक दिवस	शुक्रवार
चंद्र	कन्या	सूर्योदय	०५:४१
		सूर्यास्त	१९:०५

इस रिपोर्ट को कैसे पढ़ें

वैदिक खंडों में लहिरी अयनांश और पूर्ण-राशि भावों सहित निरयन ग्रह-स्थितियों का उपयोग किया गया है। भाव चलित अलग से दिखाया गया है। पश्चिमी खंड में ट्रॉपिकल ग्रह-स्थितियों और प्लासिडस भावों का उपयोग किया गया है; इसकी राशि के लेबल अलग हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कोई कुंडली त्रुटिपूर्ण है।

व्यक्तिगत व्याख्या की गणना किए गए डेटा के आधार पर AI से रचना की गई। ज्योतिष और अंकशास्त्र चिंतन की परंपराएँ हैं, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित भविष्यवाणियाँ नहीं। इस रिपोर्ट का उपयोग आत्मचिंतन के लिए करें, चिकित्सा, वित्तीय या कानूनी सलाह के विकल्प के रूप में नहीं। जन्म-समय की सटीकता महत्त्वपूर्ण है, विशेषकर सूक्ष्म विभागीय कुंडलियों के लिए।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

विषय-सूची

अपना मार्ग खोजें।

व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और सीखना ४
करियर, व्यवसाय और धन ११
रिश्ते, परिवार और घर १७
सुख-स्वास्थ्य और जीवन का उद्देश्य २६
पारंपरिक कुंडली विवेचन २९
आने वाले समय के संकेत ३६
अंकशास्त्रीय व्यक्तित्व ४८
जन्म आधार ५०
वैदिक ग्रह-स्थितियाँ और संबंध ५२
पारंपरिक जाँच और अवस्थाएँ ६२
ग्रह मैत्री ६८
बल गणनाएँ ७०
अष्टकवर्ग एवं प्रस्थार ७७
विभागीय स्थितियाँ ८२
विंशोत्तरी अवधि-पंचांग ८९
तिथि-युक्त गोचर पंचांग १२७
पश्चिमी और अंकशास्त्र संदर्भ १४५
पठन टिप्पणियाँ और श्रेय १५५

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और सीखना



मूल स्वभाव और पहली छाप

पहली मुलाकात में आप संयत, ध्यान से सुनने वाले और बात को ठीक तरह रखने वाले लग सकते हैं। वृषभ लग्न, रोहिणी और लग्न में मजबूत बुध स्थिरता तथा समझने की इच्छा को जोड़ते हैं। परिचय बढ़ने पर आपकी जिज्ञासा, निजी स्वतंत्रता और छोटी बातों पर सोचते रहने की प्रवृत्ति अधिक दिख सकती है।

पश्चिमी मिथुन लग्न का स्वामी बुध अपने ही चिन्ह में है, लेकिन सूर्य के साथ बारहवें घर में है। इसलिए बातचीत की सहजता के पीछे अकेले विचार बनाने की जरूरत भी हो सकती है। आप किसी उलझी बात का सरल सार पकड़ सकते हैं, पर हर समय उपलब्ध रहने या तुरंत उत्तर देने की अपेक्षा आपकी गति से मेल न खाए। आपकी शुरुआती धारणा और परिचित लोगों के सामने का व्यवहार अलग होना जरूरी नहीं कि विरोधाभास हो।

भावनात्मक जरूरतें और आश्वासन

आपको केवल यह सुनना कि सब ठीक है, उतना सहारा न दे जितना कोई आपकी बात समझकर छोटी, ठोस मदद करे। कन्या के हस्त नक्षत्र में पंचम भाव का चंद्रमा भावनाओं को किसी काम, रचना या समस्या के समाधान में लगाने की प्रवृत्ति दिखा सकता है। बेचैनी के समय आप अपनी ही प्रतिक्रिया में कमी खोजने लग सकते हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी चंद्रमा का बुध से लगभग सटीक सहज संबंध मन की बात कहने में मदद कर सकता है; बृहस्पति से संबंध किसी समझदार श्रोता का महत्व बढ़ाता है। फिर भी घरेलू चौथे भाव पर मंगल और शनि का तनाव बताता है कि समाधान से पहले शांत माहौल जरूरी लग सकता है। कोई आपकी अधूरी बात बिना तुरंत सुधार किए सुन ले, तो आपको अधिक जगह मिल सकती है।

आत्मविश्वास और सामने आना

आपका भरोसा सार्वजनिक ध्यान से अधिक तैयारी और अपने काम की उपयोगिता से बन सकता है। उच्च का सूर्य बारहवें भाव में है, जबकि नवम और दशम के स्वामी शनि अपने दशम भाव में हैं। इससे निजी मेहनत और सार्वजनिक जिम्मेदारी के बीच अंतर रह सकता है: काम मजबूत हो, फिर भी उसे दिखाने में संकोच हो सकता है।

पश्चिमी सूर्य-शनि का सहज संबंध निरंतरता का आधार देता है, लेकिन सूर्य-मंगल का तनाव चुनौती मिलने पर खुद को साबित करने की जल्दी जगा सकता है। जिस विषय पर आपकी समझ मांगी गई हो, वहाँ बोलना अधिक सहज लग सकता है। अस्पष्ट अपेक्षाओं में हर समस्या अपने ऊपर लेने के बजाय योगदान की सीमा स्पष्ट करना एक विकल्प हो सकता है।

सोचने और निर्णय लेने का ढंग

आप किसी विचार को कई कोणों से जाँच सकते हैं और फिर भी उसे अंतिम निर्णय न मानें। दूसरे और पंचम भाव के स्वामी बुध लग्न में हैं और बृहस्पति से परस्पर दृष्टि रखते हैं। यह तर्क, मूल्य और दूर के परिणाम जोड़ सकता है, पर दोनों ग्रहों का संबंध हमेशा सहमति नहीं देता। सही विवरण और बड़ी तस्वीर अलग निष्कर्ष सुझा सकते हैं।

पश्चिमी बुध-बृहस्पति विरोध का अंतर लगभग ०.६६° है, जबकि बुध-चंद्रमा का सहज संबंध लगभग ०.१०° है। इसलिए अपनी बात समझा पाना और उस पर प्रतिबद्ध होना अलग चरण हो सकते हैं। खुला प्रश्न खोजना, प्रमाण से उत्तर जाँचना और पुराने विचार पर नई समझ के लिए लौटना भी अलग प्रक्रियाएँ हो सकती हैं। किसी भरोसेमंद व्यक्ति के सामने विकल्प बोलकर सुनना उपयोगी हो सकता है, बशर्ते निर्णय उससे उधार न लिया जाए।

वाणी और संवाद का अंदाज

आपकी बात तब असरदार हो सकती है जब उसमें साफ अर्थ और कोई ठोस उदाहरण हो। धन तथा वाणी के दूसरे भाव का स्वामी बुध लग्न में सबसे मजबूत ग्रह है; तीसरे का स्वामी चंद्रमा पंचम में है। इससे समझाना, लिखना और अनुभव को कहानी या उपयोगी रूप देना जुड़ सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी तीसरे घर का मंगल बोलने में तेज धार जोड़ सकता है। अनसुना महसूस होने पर आप मूल बात से अधिक जोर उसके बचाव पर लगा सकते हैं। अचानक मिली समझ को सामने वाला तुरंत न पकड़ पाए, तो पहले संदर्भ देना या पूछना कि वह विस्तृत बात सुनना चाहता है या सार, गलतफहमी कम कर सकता है।

पहल, गुस्सा और विवाद के बाद संभलना

निजी जगह, सम्मान या काम करने के तरीके में दखल आपकी पहली प्रतिक्रिया तेज कर सकता है। चौथे भाव के मंगल और दशम के शनि की परस्पर दृष्टि आगे बढ़ने की इच्छा तथा रोककर सही करने की जरूरत को आमने-सामने रखती है। आप कभी तुरंत कदम उठाएँ और कभी तैयारी पूरी होने तक रुके रहें, ऐसा हो सकता है।

पश्चिमी मंगल-सूर्य तनाव और अपेक्षाकृत व्यापक मंगल-प्लूटो तनाव बहस को शक्ति-परीक्षण बना सकते हैं। सुधार की प्रक्रिया पहली प्रतिक्रिया से धीमी हो सकती है: पहले दबाव घटे, फिर यह तय हो कि चोट किस बात से लगी। काम और रिश्तों में मुद्दा, जिम्मेदारी और बोलने के तरीके को अलग करना सहायक हो सकता है।

निजता, एकांत और व्यक्तिगत सीमाएँ

अकेले रहने का समय आपके लिए लोगों से दूरी भर नहीं, विचारों को अपना आकार देने की जगह हो सकता है। लग्नेश शुक्र सूर्य और केतु के साथ बारहवें भाव में है; उसका स्वामी मंगल चौथे में है। घर की निजता और बाहरी मांगों से कुछ समय हटना इसलिए जुड़ सकते हैं। चंद्रमा से यही समूह आठवें भाव में आता है, जिससे कुछ बातें आसानी से साझा न हों।

पश्चिमी बारहवें घर में सूर्य और बुध भी निजी सोच को महत्व देते हैं। फिर भी अचानक चुप हो जाना दूसरों को अस्वीकृति लग सकता है। अपनी अनुपलब्धता का छोटा संकेत देना एक विकल्प हो सकता है। दूसरों की जरूरत महसूस करना और उसे पूरा करने का दायित्व लेना आपके लिए अलग बातें रह सकती हैं।

रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति

आपकी रचनात्मकता में कल्पना के साथ संपादन, क्रम और उपयोगिता का हिस्सा हो सकता है। तीसरे के स्वामी चंद्रमा पंचम में और पंचम के स्वामी बुध लग्न में हैं। लेखन, दृश्य प्रस्तुति, हस्तकौशल या किसी कठिन विचार को समझने योग्य बनाना इस संयोजन की अलग अभिव्यक्तियाँ हो सकती हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी पंचम घर का चंद्रमा और ग्यारहवें घर के शुक्र का मंगल से बहुत निकट सहज संबंध साझा रचना तथा दर्शकों से संपर्क जोड़ते हैं। शुक्र-नेपच्यून तनाव के कारण मन में बनी छवि वास्तविक काम से अधिक सुंदर लग सकती है। शुरुआती रूप को छोटा रखना और प्रतिक्रिया के बाद बदलना पूर्णता की प्रतीक्षा से अधिक अनुकूल पड़ सकता है।

सीखने और याद रखने का तरीका

शुरुआती समझ आपको संबंध और उदाहरण पकड़ने से मिल सकती है; याद तब अधिक टिक सकती है जब आप उसे अपने शब्दों में समझाएँ या आजमाएँ। मजबूत बुध और पंचम का चंद्रमा समझ तथा रुचि को जोड़ते हैं। केवल पढ़ते जाना और सचमुच सीख जाना आपके लिए अलग अनुभव हो सकते हैं।

शिक्षा के चतुर्विंशांश में कन्या के ग्यारहवें भाव में बुध और नवमेश चंद्रमा हैं, जबकि पंचमेश बृहस्पति बारहवें में और चतुर्थेश शनि आठवें में हैं। समूह से प्रतिक्रिया के साथ अकेला गहरा अध्ययन उपयोगी हो सकता है; कुछ विषय बार-बार खोलने पड़ें। यह विभाजन जन्मसमय के प्रति अधिक संवेदनशील है, इसलिए इसे मुख्य कुंडली से कम वजन दिया गया है।

उच्च शिक्षा और विशेषज्ञता

आप ऐसी विशेषज्ञता की ओर खिंच सकते हैं जिसमें ज्ञान का वास्तविक काम में उपयोग दिखे। मुख्य कुंडली में नवमेश शनि दशम में और पंचमेश बुध लग्न में हैं। पश्चिमी नवम घर का कुंभ संकेत भी स्थापित धारणाओं को परखने तथा व्यवस्था समझने की रुचि से मेल खा सकता है।

शिक्षा-विभाजन में लग्नेश मंगल और शुक्र दशम में हैं, पर पंचमेश बृहस्पति बारहवें में है। इससे लागू परियोजना, स्वतंत्र अध्ययन या दूर के संसाधनों का मिश्रण बन सकता है; किसी एक डिग्री या विषय का निष्कर्ष नहीं निकलता। अनुभव के बाद दिशा बदलना आपके लिए पिछली पढ़ाई की विफलता नहीं, विशेषज्ञता को अधिक सटीक करने का तरीका हो सकता है।

परीक्षा, साक्षात्कार और तैयारी

आप तैयारी अच्छी कर सकते हैं, लेकिन दबाव में उत्तर जरूरत से बड़ा हो सकता है। बुध की शक्ति और चंद्रमा से उसका पश्चिमी सहज संबंध स्पष्ट उत्तर बनाने में मदद कर सकते हैं; बृहस्पति का विरोध हर अपवाद समझाने की इच्छा जोड़ सकता है। नमूना उत्तर बोलकर देखना ज्ञान और उसकी प्रस्तुति का अंतर स्पष्ट कर सकता है।

छठे भाव में राहु और उसके स्वामी शुक्र का बारहवें में होना प्रतिस्पर्धा के साथ थकान या तैयारी की छिपी लागत जोड़ सकता है। मजबूत शनि नियमित अभ्यास का आधार है, लगातार लंबे घंटे का प्रमाण नहीं। समय-सीमा में छोटे अभ्यास और गलती का

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

कारण पहचानना उपयोगी हो सकते हैं। शिक्षा-विभाजन का समर्थन जन्मसमय की संवेदनशीलता के कारण सहायक, निर्णायक नहीं है।

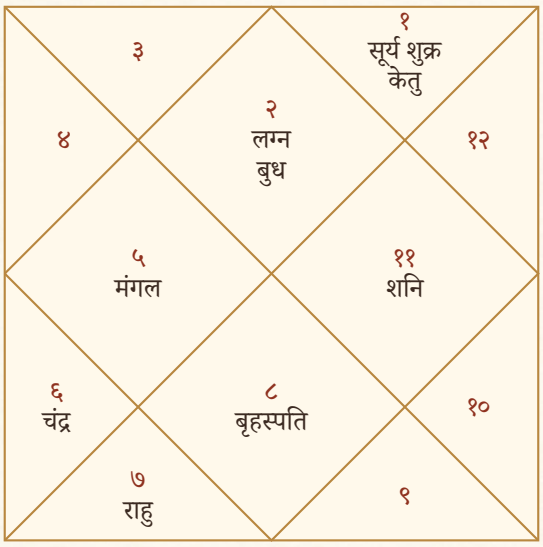
शोध, अध्यापन और मार्गदर्शन

जाँच-पड़ताल में आप सतही उत्तर से आगे जाकर यह पूछ सकते हैं कि निष्कर्ष किस आधार पर बना है। अष्टमेश बृहस्पति सप्तम में और बुध से जुड़ा है; पश्चिमी आठवें घर के यूरेनस-नेपच्यून जटिल या अनिश्चित विषयों की ओर रुचि जोड़ सकते हैं। खुला प्रश्न खोजना और किसी उत्तर की तार्किक परीक्षा करना अलग रख पाना शोध को अधिक साफ बना सकता है।

समझाने के स्तर पर दूसरे और पंचम के स्वामी बुध तथा तीसरे में बृहस्पति की दृष्टि विचार को उपयोगी भाषा में बदलने का संकेत देते हैं। आप अनुभव से बने उदाहरणों के साथ बेहतर पढ़ा सकते हैं। सामने वाले की जरूरत जाने बिना पूरा समाधान देना उसे भारी लग सकता है; पहले उसका प्रश्न स्पष्ट करना मार्गदर्शन को अधिक उपयुक्त बना सकता है।

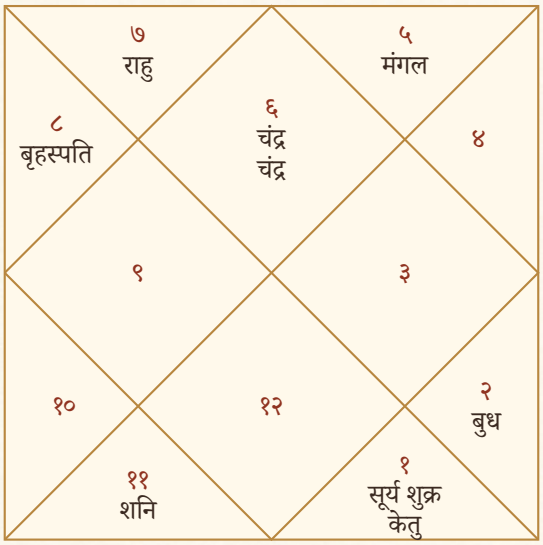
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग १ / राशि



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	वृषभ	२१.०९	१
सूर्य	मेष	२७.१०	१२
चंद्र	कन्या	१८.६३	५
मंगल	सिंह	०.४४	४
बुध	वृषभ	१८.५४	१
बृहस्पति	वृश्चिक	१९.१९	७
शुक्र	मेष	०.२७	१२
शनि	कुंभ	२८.५४	१०
राहु	तुला	११.७८	६
केतु	मेष	११.७८	१२

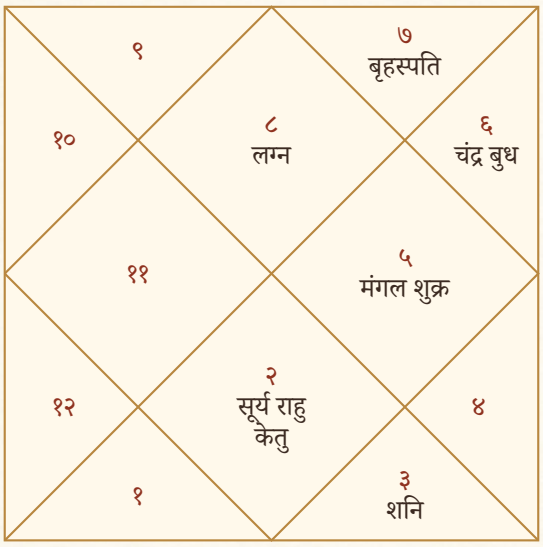
चंद्र कुंडली



भाव	राशि	स्थित ग्रह
१	कन्या	चंद्र
२	तुला	राहु
३	वृश्चिक	बृहस्पति
४	धनु	कोई नहीं
५	मकर	कोई नहीं
६	कुंभ	शनि
७	मीन	कोई नहीं
८	मेष	सूर्य, शुक्र, केतु
९	वृषभ	बुध
१०	मिथुन	कोई नहीं
११	कर्क	कोई नहीं
१२	सिंह	मंगल

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग २४ / चतुर्विंशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	वृश्चिक	२६.१३	१
सूर्य	वृषभ	२०.३८	७
चंद्र	कन्या	२७.१७	११
मंगल	सिंह	१०.५४	१०
बुध	कन्या	२४.८६	११
बृहस्पति	तुला	१०.५८	१२
शुक्र	सिंह	६.४७	१०
शनि	मिथुन	२४.९३	८
राहु	वृषभ	१२.७६	७
केतु	वृषभ	१२.७६	७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

करियर, व्यवसाय और धन



करियर की दिशा और उपयोगी क्षमताएँ

काम में आपकी उपयोगिता व्यवस्था समझने, समस्या का कारण पकड़ने और सुधार को समझाने में उभर सकती है। अपने दशम भाव के शनि दीर्घकालीन जिम्मेदारी का आधार हैं; दूसरे और पंचम के मजबूत बुध विश्लेषण, लेखन, प्रशिक्षण और ज्ञान को मूल्य में बदलने की क्षमता से जुड़ते हैं। किसी एक पदनाम से अधिक ये कार्य आपकी कुंडली में स्पष्ट हैं।

सिंह दशमांश में लग्नेश सूर्य छठे में, लग्न में मंगल और दशमेश शुक्र नवम में है। इससे संचालन, परामर्श, गुणवत्ता-सुधार, शिक्षा या विशेषज्ञ सेवा का मेल बन सकता है। वहाँ बृहस्पति मकर में कमजोर स्थिति में और बुध बारहवें में है, इसलिए केवल बड़े विचार के बजाय कार्यान्वयन तथा अदृश्य तैयारी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। दशमांश की जन्मसमय-संवेदनशीलता मध्यम है।

नौकरी, परामर्श या स्वतंत्र व्यवसाय

नौकरी का स्पष्ट ढाँचा आपके शनि-पक्ष को सहारा दे सकता है, लेकिन रोज की अनियंत्रित मांगें छठे-बारहवें भाव के संबंध को थका सकती हैं। परामर्श में सप्तम के बृहस्पति और बुध का संवाद ग्राहक की समस्या समझने में उपयोगी हो सकता है; साथ ही सहमति और काम की सीमा स्पष्ट न हो तो अपेक्षाएँ बढ़ सकती हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्वतंत्र पहल के लिए तीसरे से पंचम का संबंध और दशमांश का मंगल मौजूद हैं, पर यह अकेले व्यवसाय की श्रेष्ठता साबित नहीं करता। आपके लिए स्वतंत्रता, नियमित आय और ग्राहक-दायित्व का संतुलन अधिक निर्णायक हो सकता है। छोटे वास्तविक प्रयोग से काम की मांग जाँचना किसी स्थायी पहचान को पहले चुन लेने से अधिक जानकारी दे सकता है।

अनुकूल कार्य-परिवेश

आप ऐसा वातावरण पसंद कर सकते हैं जहाँ भूमिका स्पष्ट हो, गुणवत्ता को समय मिले और सोचने के लिए कुछ निर्विघ्न जगह हो। दशम का अपने चिन्ह में शनि और लग्न का बुध संरचना तथा विवेक को जोड़ते हैं। पश्चिमी बारहवें घर का बुध पर्दे के पीछे की तैयारी से भी मेल खा सकता है।

छठे भाव के राहु और दशमांश के छठे भाव में ग्रह-समूह के कारण जटिल काम आकर्षित कर सकता है, पर लगातार संकट संभालना अलग बात है। स्पष्ट बैठकें, तय जवाबदेही और काम के बीच विराम वाला ढाँचा अधिक टिकाऊ लग सकता है। बिना मांगे हर कमी बताने के बजाय सुधार के लिए सहमति वाला मंच मिलना आपके योगदान को अधिक सुनने योग्य बना सकता है।

नेतृत्व और सार्वजनिक जिम्मेदारी

आपका नेतृत्व नियम लागू करने से अधिक व्यवस्था को भरोसेमंद बनाने में दिख सकता है। नवम-दशमेश शनि अपने दशम में है और सूर्य उच्च है, लेकिन बारहवें में है। इससे जिम्मेदारी लेने की इच्छा के साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन से दूरी रह सकती है।

मंगल की शनि पर दृष्टि जल्दी परिणाम और टिकाऊ प्रक्रिया के बीच तनाव जोड़ती है। पश्चिमी सूर्य-शनि सहयोग अनुशासन का समर्थन करता है, पर सूर्य-मंगल तनाव असहमति को निजी चुनौती बना सकता है। निर्णय से पहले भूमिका और अधिकार स्पष्ट हों, तो जिम्मेदारी उपयोगी रूप ले सकती है; अस्पष्ट अधिकार में सब कुछ अपने ऊपर लेना खिन्नता बढ़ा सकता है।

प्रतिष्ठा और पेशेवर पहचान

आपका काम वास्तविकता में जितना जटिल हो, लोगों को उसका केवल संयत, जिम्मेदार हिस्सा दिख सकता है। पश्चिमी मध्याकाश कुंभ में है और शनि दशम घर में एकमात्र दर्ज कोणीय ग्रह है। इससे आपकी सार्वजनिक छवि काम की निरंतरता, मानक और जवाबदेही से जुड़ सकती है।

राशि-कुंडली में शनि दशम में है, जबकि भाव चलित में ग्यारहवें में आता है। यह भेद काम की भूमिका के साथ सहयोगियों, संस्थाओं और पेशेवर समूहों के माध्यम से पहचान की संभावना जोड़ता है। पहचान अपने आप मिले, इसका संकेत नहीं है; परिणाम, अपनी भूमिका और दूसरों के योगदान को साफ भाषा में दिखाना अंतर ला सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

ग्राहक, बातचीत और व्यावसायिक साझेदार

आप ग्राहक की कही जरूरत के पीछे की समस्या पकड़ सकते हैं, लेकिन उसकी हर जरूरत को अपनी जिम्मेदारी मान लेने का जोखिम भी हो सकता है। सप्तम का बृहस्पति बुध से परस्पर दृष्टि रखता है और उस पर मंगल तथा शनि की दृष्टि है। समझ, समय-सीमा और नियंत्रण की अलग मांगें एक ही साझेदारी में आ सकती हैं।

पश्चिमी सप्तम का स्वामी बृहस्पति अपने छठे घर में है और बुध के सामने है। अच्छी बातचीत इसलिए केवल सहमति नहीं, काम की परिभाषा भी मांग सकती है। शुल्क, संशोधन, निर्णय लेने वाले व्यक्ति और काम समाप्त होने की शर्त पर एक साझा लिखित समझ उपयोगी हो सकती है।

कार्यस्थल के मतभेद और दबाव

दबाव में आप पहले समस्या सुधारना चाहें और बाद में देखें कि उसका अधिकार या समय आपके पास था भी या नहीं। छठे का राहु कठिन स्थितियों में उलझाव बढ़ा सकता है, जबकि मंगल-शनि संबंध तेज हस्तक्षेप और संस्थागत सीमा को टकरा सकता है।

पश्चिमी छठे घर का बृहस्पति और प्लूटो काम को अर्थपूर्ण भी बना सकते हैं और बहुत बड़ा भी। मंगल-प्लूटो का अपेक्षाकृत व्यापक तनाव जिद या नियंत्रण की खींचतान में योगदान दे सकता है। असहमति को व्यक्ति की योग्यता से अलग रखकर तथ्य, प्राथमिकता और उपलब्ध समय पर लौटना संभलने का एक रास्ता हो सकता है।

करियर में बदलाव और नई दिशा

करियर में बदलाव आपके लिए सब कुछ छोड़ने से अधिक अपने अनुभव की नई उपयोगिता पहचानने का रूप ले सकता है। अष्टम और लाभ के स्वामी बृहस्पति साझेदारी में हैं; दशम का शनि स्थिरता चाहता है। इसलिए नया अवसर आकर्षित करे और स्थापित ढाँचा छोड़ने में संकोच हो, दोनों साथ रह सकते हैं।

दशमांश में अष्टमेश बृहस्पति छठे में और दशमेश शुक्र नवम में है। काम की कठिनाई कभी नई पढ़ाई या विशेषज्ञता की जरूरत दिखा सकती है। आपके लिए किसी भूमिका को आजमाकर उसके बाद राय बदलना सार्थक सीख हो सकता है। पश्चिमी सूर्य-शनि सहयोग यह संभावना रखता है कि बदलाव के भीतर भी पुराने कौशल का उपयोग बना रहे।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

करियर और घर का संतुलन

काम और घर का तनाव केवल समय बाँटने का नहीं, दोनों जगह जिम्मेदार महसूस करने का हो सकता है। चौथे का मंगल और दशम का शनि एक-दूसरे को देखते हैं; चौथे के स्वामी सूर्य बारहवें में हैं। घर पर रहते हुए काम और काम पर रहते हुए निजी जिम्मेदारी मन में रह सकती है।

चतुर्थांश में चतुर्थेश शनि लग्न में और लग्नेश मंगल दशम में है, जिससे रहने का आधार काम की दिशा से जुड़ सकता है। दशमांश में चंद्रमा और शनि चौथे में निजी बोझ का अलग संकेत देते हैं। परिवार तथा सहकर्मियों से उपलब्धता की वास्तविक सीमा साझा करना किसी आदर्श संतुलन को चुपचाप निभाने की कोशिश से अधिक उपयोगी हो सकता है।

अपने कौशल से कमाई

आपके लिए ज्ञान को उपयोगी रूप देना कमाई का ठोस आधार बन सकता है। दूसरे और पंचम के स्वामी बुध लग्न में हैं, और उनका बल अनुपात १.५१ है। विश्लेषण, स्पष्ट लेखन, संपादन, प्रशिक्षण या ग्राहक की अस्पष्ट जरूरत को कार्ययोजना में बदलना मूल्य पैदा कर सकता है।

होरा में दूसरे और ग्यारहवें के स्वामी बुध लग्न में हैं, जबकि लग्नेश सूर्य बारहवें में है। इससे व्यक्तिगत कौशल का महत्व बढ़ता है, पर कमाई के साथ तैयारी और संचालन की लागत भी जुड़ सकती है। पश्चिमी दूसरे घर का स्वामी चंद्रमा पंचम में है; रुचि या रचनात्मकता आय से जुड़ सकती है, लेकिन उसका आर्थिक मूल्य अलग से तय करना पड़ सकता है।

बचत, खर्च और भौतिक प्राथमिकताएँ

आप उपयोगी ज्ञान, निजी सुविधा, सुंदर अनुभव या शांति देने वाली जगह पर खर्च को उचित मान सकते हैं। लग्नेश शुक्र बारहवें में है और दूसरे के मजबूत बुध लग्न में हैं। इसलिए संसाधन सँभालने की क्षमता और अपने लिए खर्च करने की इच्छा साथ रह सकती हैं।

होरा का लग्नेश सूर्य तथा छठे-सप्तम के स्वामी शनि बारहवें में हैं। नियमित प्रतिबद्धताएँ छोटे निजी खर्च से अधिक महत्वपूर्ण हो सकती हैं। पश्चिमी शुक्र-नेपच्यून तनाव किसी वस्तु या अनुभव से जरूरत से ज्यादा संतोष की आशा जोड़ सकता है। खरीद के वास्तविक उपयोग और मन में बनी छवि का अंतर देखना एक विकल्प हो सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

संपर्कों से आर्थिक अवसर

कोई संपर्क आपके लिए केवल परिचय नहीं, आपके कौशल का सही उपयोग समझने वाला व्यक्ति बन सकता है। लाभेश बृहस्पति सप्तम में है और पंचमेश बुध से परस्पर दृष्टि रखता है। इन्हीं दो ग्रहों का दर्ज धन-संबंध है; यह ज्ञान, समझाने की क्षमता और साझेदारी के बीच अवसर का संकेत है, निश्चित लाभ का नहीं।

ग्यारहवें भाव को चंद्रमा, मंगल और बृहस्पति की दृष्टि मिलती है। सहयोग में रचनात्मकता, पहल और मार्गदर्शन साथ आ सकते हैं। पश्चिमी ग्यारहवें घर का शुक्र संपर्क को सहज बना सकता है, पर आकर्षक प्रस्ताव की शर्तें अलग से समझना जरूरी लग सकता है। पहचान से काम मिलने और उसका भुगतान स्पष्ट होने के बीच अंतर रह सकता है।

साझा धन, ऋण और जिम्मेदारियाँ

साझा धन में आप भरोसे के साथ तर्कसंगत स्पष्टता भी चाह सकते हैं। अष्टमेश बृहस्पति सप्तम में है, और छठे के स्वामी शुक्र बारहवें में हैं। रिश्ते, सेवा, उधार और खर्च एक-दूसरे से जुड़ें तो यह तय करना कठिन हो सकता है कि कौन-सा योगदान स्वेच्छा है और कौन-सा दायित्व।

पश्चिमी आठवें घर के नेपच्यून और यूरेनस अस्पष्टता तथा बदलती शर्तों के प्रति संवेदनशीलता जोड़ सकते हैं; मकर की शुरुआत स्थिर ढाँचे की जरूरत दिखाती है। होरा में साझेदारी के स्वामी शनि का बारहवें में होना प्रतिबद्धताओं की लागत पर ध्यान खींचता है। साझा निर्णय में राशि, अवधि और जिम्मेदारी अलग-अलग स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है।

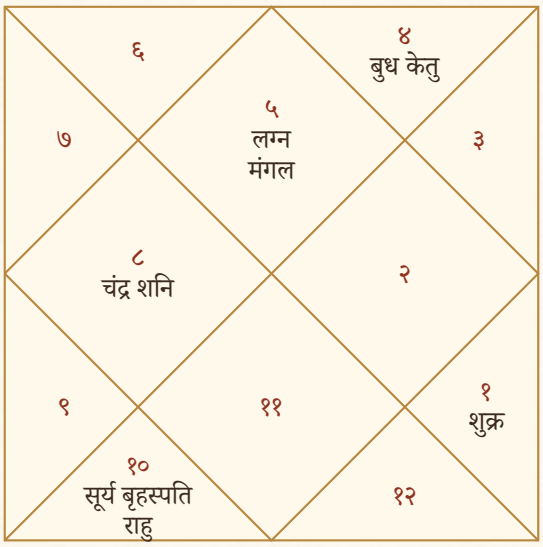
सट्टे और जोखिम के प्रति रुझान

आप जोखिम को समझकर लेने की इच्छा रख सकते हैं, फिर भी किसी विचार के पक्ष में मजबूत तर्क मिलते ही उसकी सीमाएँ कम दिख सकती हैं। पंचमेश बुध का अष्टम-लाभेश बृहस्पति से संबंध अवसर और अनिश्चितता को जोड़ता है। पश्चिमी बुध-बृहस्पति विरोध छोटी जानकारी से बड़ा निष्कर्ष बनाने की संभावना बढ़ा सकता है।

पंचम का चंद्रमा परिणाम से भावनात्मक जुड़ाव और शुक्र-नेपच्यून तनाव आकर्षक संभावना में कल्पना जोड़ सकते हैं। दूसरी ओर मजबूत शनि नियम और सीमा का पक्ष रखता है। आपके जोखिम-व्यवहार में जिज्ञासा तथा नियंत्रण दोनों हो सकते हैं; यह पढ़ाई किसी निवेश, दाँव या आर्थिक कदम की सिफारिश नहीं करती।

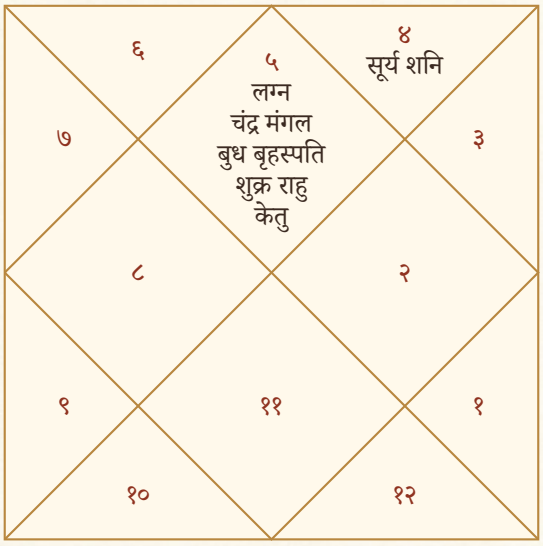
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग १० / दशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	सिंह	०.८९	१
सूर्य	मकर	०.९९	६
चंद्र	वृश्चिक	६.३२	४
मंगल	सिंह	४.३९	१
बुध	कर्क	५.३६	१२
बृहस्पति	मकर	११.९१	६
शुक्र	मेष	२.७०	९
शनि	वृश्चिक	१५.३९	४
राहु	मकर	२७.८२	६
केतु	कर्क	२७.८२	१२

वर्ग २ / होरा



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	सिंह	१२.१८	१
सूर्य	कर्क	२४.२०	१२
चंद्र	सिंह	७.२६	१
मंगल	सिंह	०.८८	१
बुध	सिंह	७.०७	१
बृहस्पति	सिंह	८.३८	१
शुक्र	सिंह	०.५४	१
शनि	कर्क	२७.०८	१२
राहु	सिंह	२३.५६	१
केतु	सिंह	२३.५६	१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

रिश्ते, परिवार और घर



आकर्षण और शुरुआती संबंध

आपको जीवंत बातचीत, व्यक्तिगत पहल और ध्यान से समझे जाने का मेल आकर्षित कर सकता है। पंचम का चंद्रमा छोटी बातों में देखभाल खोज सकता है, जबकि मेष का शुक्र निजी आकर्षण में तेजी या स्पष्ट पसंद जोड़ सकता है। पश्चिमी शुक्र-मंगल का लगभग ०.१७° का सहज संबंध संवाद और आकर्षण को पास लाता है।

फिर भी पश्चिमी शुक्र-नेपच्यून तनाव किसी व्यक्ति की संभावना को उसके वर्तमान व्यवहार से अधिक महत्व दिला सकता है। दोस्ती, साझा रुचि या समूह से आकर्षण शुरू होना संभव है, क्योंकि पश्चिमी शुक्र ग्यारहवें में है। उत्साह और भरोसे को एक ही गति से बढ़ना जरूरी न मानना आपको वास्तविक व्यक्ति को देखने की अधिक जगह दे सकता है।

दीर्घकालीन साथी में आपकी अपेक्षाएँ

आप ऐसे साथी को महत्व दे सकते हैं जो निजी गहराई और व्यावहारिक जिम्मेदारी दोनों रखे। वृश्चिक सप्तम में बृहस्पति तथा सप्तमेश मंगल का चौथे में होना भरोसे, विचारशीलता और घरेलू भागीदारी को जोड़ सकता है। यह किसी संभावित साथी का निश्चित वर्णन नहीं है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी सप्तम की धनु शुरुआत सीखने, साफ बात और अपने दृष्टिकोण की जगह की चाह जोड़ सकती है। नवांश में मकर सप्तम का स्वामी शनि बारहवें में है और सप्तम में राहु है। इससे परिपक्वता के साथ निजी समय या सामान्य अपेक्षाओं से अलग जीवन-व्यवस्था मूल्यवान लग सकती है। केवल आकर्षण से अलग, रोजमर्रा की संगति आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

प्रतिबद्धता और वैवाहिक जीवन की गतिशीलता

प्रतिबद्धता में आपके लिए भावनात्मक निकटता के साथ घर चलाने और निर्णय बाँटने का प्रश्न महत्वपूर्ण हो सकता है। मुख्य सप्तम पर बुध, मंगल और शनि की दृष्टियाँ बातचीत, निजी आग्रह तथा जिम्मेदारी को साथ लाती हैं। इससे संबंध में समृद्धि भी हो सकती है और छोटी असहमति का कई मुद्दों में फैलना भी।

नवांश में सप्तमेश शनि चंद्रमा और अपने चिन्ह के बुध के साथ बारहवें में है, जबकि शुक्र अपने चिन्ह के मंगल के साथ दशम में है। साथ काम करना या साझा लक्ष्य जुड़ाव दे सकते हैं; निजी थकान और एकांत की जरूरत पर बात न हो तो दूरी समझी जा सकती है। यह विन्यास वैवाहिक परिणाम या अवधि तय नहीं करता।

स्वतंत्रता और निकटता का संतुलन

आप निकटता चाहकर भी अपनी सोच और समय पर स्वामित्व बचाना चाह सकते हैं। लग्नेश बारहवें में है, सप्तमेश चौथे में और बृहस्पति लग्न को देखता है। इसका अनुभव कभी ऐसा हो सकता है कि संबंध बहुत मायने रखे, लेकिन हर भावना तुरंत साझा करना सहज न हो।

पश्चिमी मेष का शुक्र और बारहवें घर का बुध अपने तरीके से जुड़ने की जरूरत बढ़ाते हैं। नवांश का बारहवाँ भाव भी निजी जगह को महत्व देता है। आपकी चुप्पी को दूरी और दूसरे की निकटता को मांग मान लेना तनाव बढ़ा सकता है। अलग समय तथा साझा समय पर सहमति इस अनसुलझे संतुलन को संभालने का एक तरीका हो सकती है।

संबंधों में बातचीत और सुधार

चिंता उठाते समय आप समाधान बताने में जल्दी कर सकते हैं, जबकि सामने वाला पहले अपनी भावना की मान्यता चाहता हो। तीसरे के स्वामी चंद्रमा पंचम में हैं और सप्तम पर बुध, मंगल तथा शनि का प्रभाव है। इसलिए बात में संवेदनशीलता, तर्क और कठोरता अलग-अलग क्षणों में आ सकते हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी बुध-चंद्रमा सहयोग समझ लौटाने में मदद कर सकता है, जबकि तीसरे का मंगल तीखे शब्द जोड़ सकता है। सुधार के समय मूल चिंता और उस पर कही गई चोट पहुँचाने वाली बात को अलग करना उपयोगी हो सकता है। किसी अधूरे विचार को अंतिम आरोप की तरह न कहना, और दूसरे की समझ अपने शब्दों में लौटाना, संवाद को नई जगह दे सकता है।

भरोसा, अंतरंगता और साझा निर्णय

आपके लिए भरोसा शायद केवल खुलकर सब कह देने से नहीं, समय के साथ निभाई गई बातों से बने। अष्टमेश सप्तम में होने से गहरे भाव, साझा संसाधन और संबंध की दिशा आपस में जुड़ सकते हैं। चंद्रमा से बारहवें भाव का समूह आठवाँ बनता है, इसलिए कुछ संवेदनशील अनुभवों को शब्द देने में समय लग सकता है।

पश्चिमी शुक्र-नेपच्यून तनाव निकटता की इच्छा और अस्पष्ट संकेतों के बीच भ्रम जोड़ सकता है। नवांश में निजी स्थान का जोर भी मौजूद है। साझा निर्णय पर बोलकर सोचने की जगह और फिर अलग से मन जाँचने का समय उपयोगी हो सकता है। चुप्पी को सहमति या भावनात्मक निकटता को आर्थिक सहमति मानना आपके लिए उलझन पैदा कर सकता है।

विवाह को लेकर पारिवारिक अपेक्षाएँ

आप परिवार की राय का महत्व महसूस कर सकते हैं, फिर भी निजी जीवन की व्यवस्था अपने अनुभव से तय करना चाहें। दूसरे के स्वामी बुध लग्न में हैं और सप्तमेश चौथे में है। परिवार की भाषा, घर की जरूरत और आपकी व्यक्तिगत समझ इसलिए एक ही निर्णय में मिल सकती हैं।

द्वादशांश का अपने लग्न में शनि जिम्मेदारी का संकेत देता है, जबकि चतुर्थेश मंगल आठवें में और नवमेश बुध बारहवें में है। परंपरा तथा व्यक्तिगत परिस्थितियाँ एक जैसी न हों, ऐसा संभव है। नवांश का राहु सप्तम में परिचित अपेक्षाओं से भिन्नता जोड़ सकता है, लेकिन पारिवारिक विरोध सिद्ध नहीं करता। दूसरों की आशा और अपनी सहमति अलग पहचानना उपयोगी हो सकता है।

मित्र, अपनापन और समुदाय

आपको ऐसे समूह में अपनापन मिल सकता है जहाँ विचार के साथ कोई साझा काम या रुचि हो। ग्यारहवें भाव पर चंद्रमा, मंगल और बृहस्पति की दृष्टि तथा लाभेश का सप्तम में होना व्यक्तिगत संपर्क से समुदाय तक रास्ता बना सकता है। चंद्रमा से बृहस्पति तीसरे में है, जिससे बातचीत और सहयोग का महत्व बढ़ता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पश्चिमी ग्यारहवें घर का शुक्र दोस्ती में उत्साह जोड़ सकता है, पर आप समूह का अघोषित सलाहकार बनकर बोझ भी महसूस कर सकते हैं। आपकी समझ सुनी जाए और आपका योगदान वास्तव में मांगा गया हो, तब जुड़ाव अधिक संतोषजनक लग सकता है। हर परिचय को गहरी दोस्ती या हर मदद को स्थायी भूमिका मानना जरूरी नहीं है।

माता-पिता और मूल परिवार का अनुभव

देखभाल का आपका अनुभव जिम्मेदारी, उपलब्धि या समस्याएँ संभालने की भाषा से जुड़ा हो सकता है। चौथे में मंगल, उसके स्वामी सूर्य बारहवें में और नवमेश शनि दशम में हैं। इससे घर की सुरक्षा और बाहर की जिम्मेदारियों का संबंध बन सकता है; इससे माता-पिता के स्वभाव या वास्तविक घटनाएँ निश्चित नहीं होतीं।

द्वादशांश में चंद्रमा और शुक्र चौथे में स्नेह तथा निजी लगाव का संकेत देते हैं, जबकि मजबूत लग्नेश शनि और आठवें का मंगल अपेक्षा तथा जटिलता जोड़ते हैं। पश्चिमी सूर्य-शनि सहयोग और सूर्य-मंगल तनाव भी सहारा तथा दबाव दोनों की संभावना रखते हैं। आप परिवार से मिले मानकों में कुछ बचाना और कुछ अपने अनुभव से बदलना चाह सकते हैं।

भाई-बहन और पारस्परिक सहयोग

यदि आपके भाई-बहन हैं, तो साथ रुचि बाँटना, कुछ सिखाना या व्यावहारिक मदद करना जुड़ाव का तरीका हो सकता है। तीसरे के स्वामी चंद्रमा पंचम में हैं और तीसरे पर बृहस्पति की दृष्टि है। ग्यारहवें पर कई ग्रहों की दृष्टि सहयोग में अलग-अलग स्वभाव और अपेक्षाएँ जोड़ सकती है।

द्रेष्काण में तीसरे का बृहस्पति अपने चिन्ह में और लग्नेश शनि उच्च स्थिति में दशम में है, लेकिन मंगल केतु के साथ आठवें में है। मदद और जिम्मेदारी के साथ कुछ निजी संवेदनशीलता भी हो सकती है। यह मध्यम जन्मसमय-संवेदनशील विभाजन है; भाई-बहन की संख्या, परिस्थिति या विवाद का निष्कर्ष इससे नहीं निकाला गया है।

बच्चे, देखभाल और पालन-पोषण का अंदाज

यदि आप बच्चे की देखभाल, प्रशिक्षण या मार्गदर्शन की भूमिका में हों, तो छोटी जरूरतें पहचानना और सीखने का तरीका समझाना आपकी सहज शैली हो सकती है। पंचम का चंद्रमा तथा पंचमेश बुध की शक्ति ध्यानपूर्वक देखभाल जोड़ते हैं। कठिन पक्ष यह हो सकता है कि मदद धीरे-धीरे लगातार सुधार बताने में बदल जाए।

सप्तमांश में पंचम का चंद्रमा अपने कर्क में है, जबकि लग्नेश बृहस्पति सप्तम में और सप्तमेश बुध लग्न में कमजोर राशि में है। स्नेह के साथ दूसरे देखभालकर्ता से तालमेल तथा स्पष्ट संवाद महत्वपूर्ण लग सकते हैं। यह विभाजन मध्यम संवेदनशील है और

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

संतान-संबंधी परिणाम नहीं बताता। अनुभव से तरीका बदलना, किसी एक आदर्श ढाँचे पर टिके रहने से अधिक अनुकूल हो सकता है।

घर जैसा महसूस करना और जड़ें जमाना

आपके लिए घर वह जगह हो सकती है जहाँ व्यवस्था पर कुछ अधिकार और बाहरी मांगों से राहत मिले। चौथे के मंगल सक्रिय, अपने तरीके की जगह की चाह जोड़ते हैं, जबकि चौथे और बारहवें के स्वामियों का राशि-विनिमय घर, दूरी और एकांत को जोड़ता है। जन्मस्थान से लगाव और कहीं और अपना आधार बनाना दोनों संभव भावनाएँ हैं।

चतुर्थांश का चतुर्थेश शनि लग्न में घर बनाने को धीरे-धीरे निभाई जाने वाली जिम्मेदारी बना सकता है। पश्चिमी चौथे घर की सिंह शुरुआत और उसके स्वामी सूर्य का बारहवें में होना निजता को फिर महत्व देता है। आपके लिए केवल स्थान नहीं, वहाँ की दिनचर्या, ध्वनि, लोगों की पहुँच और अपने समय की जगह भी घरपन तय कर सकती है।

संपत्ति, सुविधाएँ और वाहन

संपत्ति के विषय में आप स्वतंत्र आधार और व्यावहारिक नियंत्रण चाह सकते हैं, लेकिन घर तथा खर्च का संबंध महत्वपूर्ण रह सकता है। मुख्य चौथे में मंगल और चौथे-बारहवें का राशि-विनिमय है। चतुर्थांश में चतुर्थेश शनि लग्न में तथा लग्नेश मंगल दशम में है, जिससे संपत्ति की प्राथमिकताएँ काम और दीर्घकालीन जिम्मेदारी से जुड़ सकती हैं; स्वामित्व या खरीद का निष्कर्ष नहीं निकलता।

सुविधाओं और वाहन के लिए शुक्र की भूमिका अलग है। षोडशांश में चतुर्थेश शुक्र दशम में है, जो सुविधा को उपयोग और काम से जोड़ सकता है; दूसरे के स्वामी सूर्य बारहवें में हैं। यह विभाजन बहुत संवेदनशील है, इसलिए इससे विशेष वस्तु या परिणाम नहीं निकाला गया है। आकर्षण और वास्तविक उपयोग का अंतर आपकी संतुष्टि में अधिक मायने रख सकता है।

यात्रा, स्थानांतरण और घर से दूर रहना

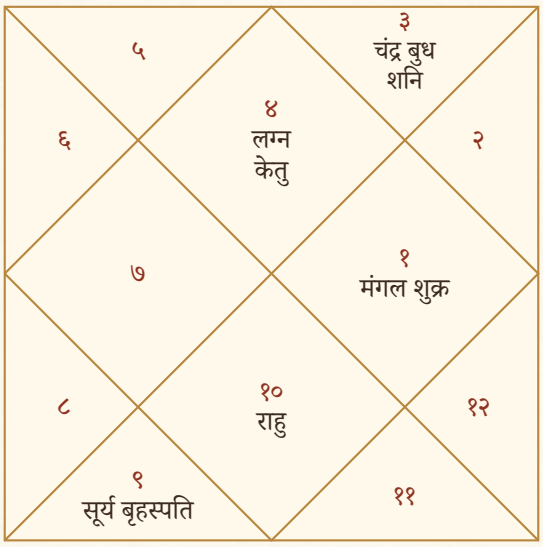
दूर जाना आपके लिए केवल बदलाव नहीं, काम, अध्ययन या अधिक निजी जीवन की जरूरत से जुड़ सकता है। नवमेश दशम में है और चौथे-बारहवें के स्वामियों का विनिमय है। चतुर्थांश में दशमेश सूर्य तीसरे में तथा नवमेश चंद्रमा पंचम में हैं, जिससे काम की पहल और सीखने की रुचि स्थान-संबंधी विचारों में योगदान दे सकती हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

दशमांश में आय और कौशल के स्वामी बुध बारहवें में हैं; पश्चिमी नवम की कुंभ शुरुआत भी नए दृष्टिकोण की गुंजाइश रखती है। इससे विदेश या स्थायी स्थानांतरण निश्चित नहीं होता। आपके लिए यात्रा की उत्सुकता, वास्तविक रहने की जरूरत और वहाँ काम करने की व्यवस्था तीन अलग प्रश्न हो सकते हैं।

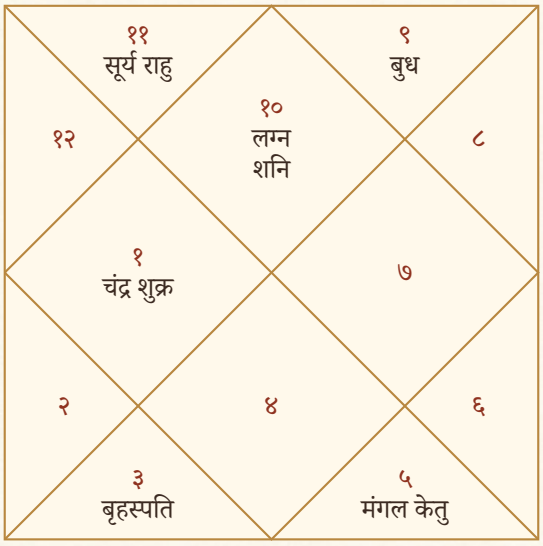
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ९ / नवांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	कर्क	९.८०	१
सूर्य	धनु	३.८९	६
चंद्र	मिथुन	१७.६९	१२
मंगल	मेष	३.९५	१०
बुध	मिथुन	१६.८२	१२
बृहस्पति	धनु	२२.७२	६
शुक्र	मेष	२.४३	१०
शनि	मिथुन	१६.८५	१२
राहु	मकर	१६.०४	७
केतु	कर्क	१६.०४	१

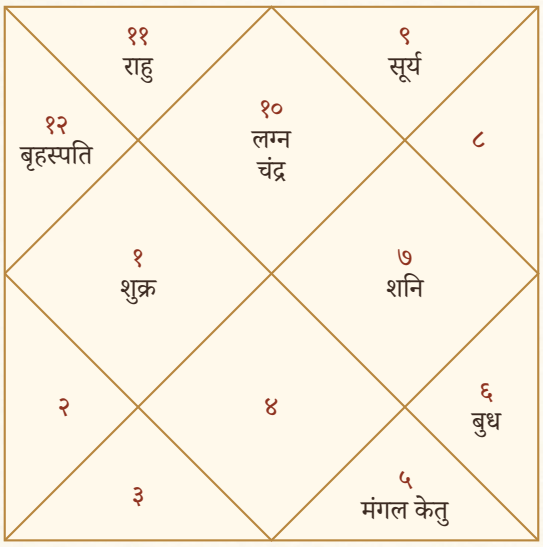
वर्ग १२ / द्वादशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मकर	१३.०६	१
सूर्य	कुंभ	२५.१९	२
चंद्र	मेष	१३.५८	४
मंगल	सिंह	५.२७	८
बुध	धनु	१२.४३	१२
बृहस्पति	मिथुन	२०.२९	६
शुक्र	मेष	३.२४	४
शनि	मकर	१२.४६	१
राहु	कुंभ	२१.३८	२
केतु	सिंह	२१.३८	८

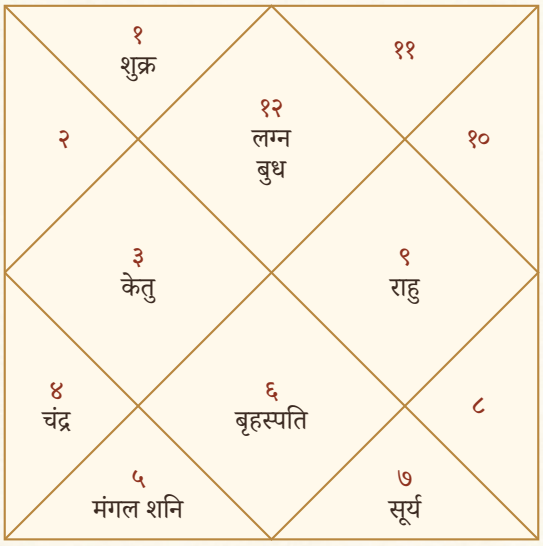
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ३ / द्रेष्काण



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मकर	३.२७	१
सूर्य	धनु	२१.३०	१२
चंद्र	मकर	२५.९०	१
मंगल	सिंह	१.३२	८
बुध	कन्या	२५.६१	९
बृहस्पति	मीन	२७.५७	३
शुक्र	मेष	०.८१	४
शनि	तुला	२५.६२	१०
राहु	कुंभ	५.३५	२
केतु	सिंह	५.३५	८

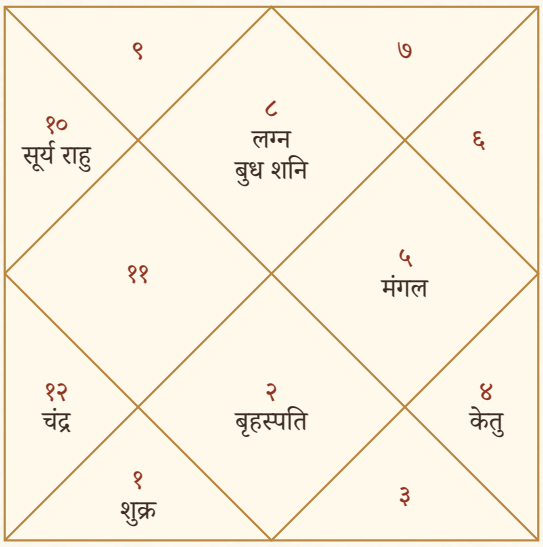
वर्ग ७ / सप्तमांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मीन	२७.६२	१
सूर्य	तुला	९.६९	८
चंद्र	कर्क	१०.४२	५
मंगल	सिंह	३.०७	६
बुध	मीन	९.७५	१
बृहस्पति	कन्या	१४.३४	७
शुक्र	मेष	१.८९	२
शनि	सिंह	१९.७७	६
राहु	धनु	२२.४७	१०
केतु	मिथुन	२२.४७	४

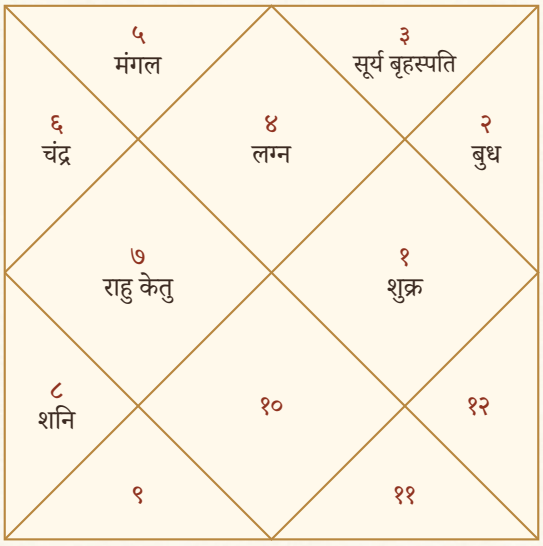
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ४ / चतुर्थांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	वृश्चिक	२४.३५	१
सूर्य	मकर	१८.४०	३
चंद्र	मीन	१४.५३	५
मंगल	सिंह	१.७६	१०
बुध	वृश्चिक	१४.१४	१
बृहस्पति	वृषभ	१६.७६	७
शुक्र	मेष	१.०८	६
शनि	वृश्चिक	२४.१५	१
राहु	मकर	१७.१३	३
केतु	कर्क	१७.१३	९

वर्ग १६ / षोडशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	कर्क	७.४२	१
सूर्य	मिथुन	१३.५८	१२
चंद्र	कन्या	२८.११	३
मंगल	सिंह	७.०३	२
बुध	वृषभ	२६.५७	११
बृहस्पति	मिथुन	७.०५	१२
शुक्र	मेष	४.३१	१०
शनि	वृश्चिक	६.६२	५
राहु	तुला	८.५१	४
केतु	तुला	८.५१	४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

सुख-स्वास्थ्य और जीवन का उद्देश्य



रोज का बोझ, आराम और ऊर्जा की वापसी

आप मानसिक रूप से सक्रिय रहकर भी लगातार काम करने की समान ऊर्जा महसूस न करें, ऐसा हो सकता है। लग्नेश और छठे के स्वामी शुक्र बारहवें में हैं; शनि वहाँ दृष्टि डालता है। काम पूरा होने के बाद भी उसकी जिम्मेदारी मन में चलती रह सकती है, जिससे खाली समय भी सचमुच खाली न लगे।

पश्चिमी बारहवें घर का जोर तथा छठे घर का बृहस्पति काम को मन में बड़ा बनाए रख सकते हैं। दूसरों की गति से अपनी उपलब्धता तय करना आपके लिए थकाऊ हो सकता है। छोटे अंतराल, कम व्यवधान और दिन का स्पष्ट समाप्ति-बिंदु उपयोगी विकल्प हो सकते हैं। यह पढ़ाई रोजमर्रा के बोझ और आराम की है, स्वास्थ्य-निदान की नहीं।

झटकों और रुकावटों के प्रति प्रतिक्रिया

रुकावट पर आप पहले स्थिति सँभालने लगें और निराशा बाद में महसूस करें, ऐसा हो सकता है। छठे का राहु समस्या में खिंचाव बढ़ाता है, जबकि मंगल-शनि संबंध दबाव में काम करते रहने और भीतर खीझने दोनों से जुड़ सकता है। अनुभव से सीखा संशोधन आपके लिए केवल इच्छाशक्ति से अधिक उपयोगी हो सकता है।

सप्तविंशांश में अपने चिन्ह का मंगल और त्रिंशांश में उच्च का शनि संभलने के अलग आधार दिखाते हैं: ठोस कदम और संरचना। वहीं कमजोर चंद्रमा या बुध की स्थितियाँ मन तथा व्याख्या को अधिक संवेदनशील दिखाती हैं। दोनों विभाजन उच्च

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

जन्मसमय-संवेदनशील हैं; उनसे विपत्ति नहीं निकाली गई है। क्या आपके नियंत्रण में है और क्या नहीं, यह अलग करना प्रतिक्रिया को आकार दे सकता है।

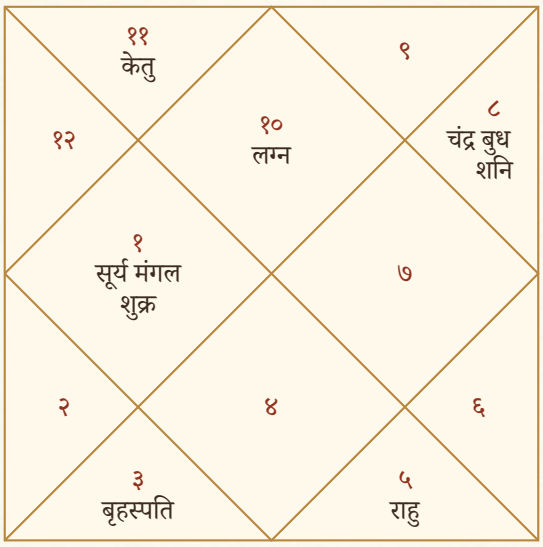
मूल्य, जीवन का अर्थ और आध्यात्मिक अभ्यास

अर्थ आपके लिए उपयोगी समझ, न्यायपूर्ण व्यवहार और जिम्मेदारी को जोड़ने से बन सकता है। नवमेश शनि दशम में है, पंचमेश बुध लग्न में और केतु बारहवें में है। आप किसी मान्यता को केवल परंपरा के कारण स्वीकार करने के बजाय उसके जीवन में असर को परखना चाह सकते हैं।

नवांश में नवमेश बृहस्पति अपने छठे भाव में है, जो मूल्यों को सेवा और रोज के व्यवहार में उतारने का संकेत दे सकता है। विंशांश में अपने ग्यारहवें भाव का बृहस्पति बुध-मंगल के साथ है; अध्ययन या साझा अभ्यास आकर्षित कर सकता है, पर यह विभाजन अधिक संवेदनशील है। शांत चिंतन, प्रश्न लिखना या स्वैच्छिक सेवा विकल्प हो सकते हैं। हर प्रश्न का तत्काल अंतिम उत्तर मिलना आपके विकास की शर्त नहीं है।

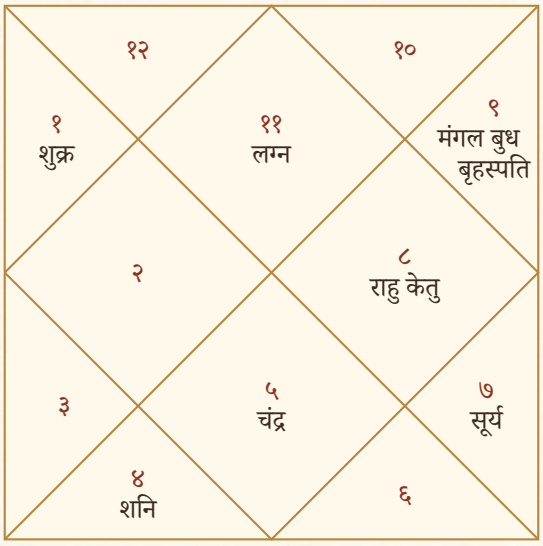
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग २७ / सप्तविंशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मकर	२९.४०	१
सूर्य	मेष	११.६७	४
चंद्र	वृश्चिक	२३.०६	११
मंगल	मेष	११.८६	४
बुध	वृश्चिक	२०.४६	११
बृहस्पति	मिथुन	८.१५	६
शुक्र	मेष	७.२८	४
शनि	वृश्चिक	२०.५४	११
राहु	सिंह	१८.११	८
केतु	कुंभ	१८.११	२

वर्ग २० / विंशांश



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	कुंभ	१.७७	१
सूर्य	तुला	१.९८	९
चंद्र	सिंह	१२.६४	७
मंगल	धनु	८.७८	११
बुध	धनु	१०.७१	११
बृहस्पति	धनु	२३.८२	११
शुक्र	मेष	५.३९	३
शनि	कर्क	०.७७	६
राहु	वृश्चिक	२५.६४	१०
केतु	वृश्चिक	२५.६४	१०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पारंपरिक कुंडली विवेचन



नौ ग्रहों के व्यक्तिगत संकेत

नीचे ग्रहों की स्थितियाँ दर्ज गणनाएँ हैं; उनके व्यक्तिगत अर्थ संभावनाएँ हैं। ग्रहबल कार्य करने की उपलब्ध शक्ति का पारंपरिक माप है, अच्छे परिणाम की गारंटी नहीं। अवस्था के पुराने नाम प्रतीकात्मक हैं, विशेषकर ‘मृत’ का शारीरिक मृत्यु से कोई अर्थ नहीं है।

सूर्य

राशि: मेष · अंश: २७.१० · भाव: १२ · नक्षत्र / पाद: कृत्तिका / १

सूर्य मेष २७.१०° पर, कृत्तिका के प्रथम चरण में, मार्गी और उच्च होकर बारहवें भाव में है। वह चौथे भाव का स्वामी है तथा मंगल से राशि-विनिमय करता है। शनि और राहु की दृष्टि उस पर है, और उसकी दृष्टि छठे भाव के राहु पर है। इससे निजी आधार, एकांत और जिम्मेदारी का संबंध बन सकता है; आप पीछे से काम सँभालें, पर अपने हिस्से की पहचान भी चाहें।

सूर्य अस्त या वक्री नहीं है। षड्बल ६.५४ रूपा है, आवश्यक ५.०० से अधिक; अनुपात १.३१ है। अवस्थाएँ मृत और जागृत हैं; दीप्त के साथ दीन, विकल तथा खल संकेत भी दर्ज हैं। मजबूत क्षमता और सहज संतोष एक बात न हों, ऐसा यह मिश्रण सुझा सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

चंद्रमा

राशि: कन्या · अंश: १८.६३ · भाव: ५ · नक्षत्र / पाद: हस्त / ३

चंद्रमा कन्या १८.६३° पर, हस्त के तीसरे चरण में, मार्गी होकर पंचम भाव में है। वह तीसरे का स्वामी है और ग्यारहवें भाव को देखता है; दी गई ग्रह-दृष्टि सूची में उस पर सीधी दृष्टि नहीं है। सीखने, रचना और लोगों से जुड़ने में आपकी भावनात्मक भागीदारी बढ़ सकती है, साथ ही परिणाम की बारीकियों में उलझना संभव है।

वह मित्र राशि में है, अस्त नहीं है और न उच्च, न नीच है। षड्बल ६.६५ रूपा, आवश्यक ६.०० और अनुपात १.११ है। कुमार, स्वप्न तथा दीन अवस्थाएँ दर्ज हैं। इससे भावनात्मक समझ मौजूद होने पर भी संतोष पाने में अभ्यास या सुरक्षित वातावरण का महत्व हो सकता है।

मंगल

राशि: सिंह · अंश: ०.४४ · भाव: ४ · नक्षत्र / पाद: मघा / १

मंगल सिंह ०.४४° पर, मघा के प्रथम चरण में, मार्गी होकर चौथे भाव में है। वह सप्तम और बारहवें का स्वामी है तथा सूर्य से राशि-विनिमय करता है। शनि से परस्पर दृष्टि है; मंगल सप्तम के बृहस्पति, दशम के शनि और ग्यारहवें भाव को देखता है। निजी सुरक्षा, संबंध और काम की गति एक-दूसरे को प्रभावित कर सकते हैं।

मंगल मित्र राशि में है, अस्त नहीं और न अपने या उच्च चिन्ह में है। षड्बल ६.२९ रूपा, आवश्यक ५.०० तथा अनुपात १.२६ है। बाल, स्वप्न, दीन और खल अवस्थाएँ दर्ज हैं। पहल की शक्ति मौजूद हो सकती है, लेकिन उसे प्रतिक्रिया के बजाय उपयुक्त काम में लगाना अनुभव से विकसित हो सकता है।

बुध

राशि: वृषभ · अंश: १८.५४ · भाव: १ · नक्षत्र / पाद: रोहिणी / ३

बुध वृषभ १८.५४° पर, रोहिणी के तीसरे चरण में, मार्गी होकर लग्न में है। वह दूसरे और पंचम भाव का स्वामी है तथा सप्तम के बृहस्पति से परस्पर दृष्टि रखता है। आपकी पहचान, वाणी, सीख और कौशल से आय के बीच सीधा संबंध बन सकता है। बड़ी समझ तथा सही विवरण पर मतभेद भीतर और बातचीत में दोनों जगह उभर सकते हैं।

बुध मित्र राशि में और अस्तता से मुक्त है। उसका षड्बल १०.६० रूपा, आवश्यक ७.०० और अनुपात १.५१ है, जो दर्ज सात ग्रहों में सबसे ऊँचा अनुपात है। कुमार, स्वप्न और मुदित अवस्थाएँ हैं। यह विचार तथा भाषा का मजबूत आधार दिखाता है, हर निर्णय के सही होने का प्रमाण नहीं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

बृहस्पति

राशि: वृश्चिक · अंश: १९.१९ · भाव: ७ · नक्षत्र / पाद: ज्येष्ठा / १

बृहस्पति वृश्चिक १९.१९° पर, ज्येष्ठा के प्रथम चरण में, वक्री होकर सप्तम में है। वह अष्टम और ग्यारहवें का स्वामी है। बुध से परस्पर दृष्टि तथा मंगल और शनि की incoming दृष्टियाँ साझेदारी को ज्ञान, लाभ, गहरे बदलाव और जिम्मेदारी से जोड़ती हैं। उसकी अन्य दृष्टियाँ ग्यारहवें और तीसरे भाव पर हैं। आप दूसरों से सीखते हुए अपने निष्कर्ष बार-बार परख सकते हैं।

वह मित्र राशि में है, अस्त नहीं है। षड्बल ७.३६ रूपा, आवश्यक ६.५० तथा अनुपात १.१३ है। कुमार, स्वप्न, मुदित और खल अवस्थाएँ दर्ज हैं। क्षमता के साथ मिश्रित दबाव होने से सलाह, अवसर और दायित्व को अलग पहचानना उपयोगी हो सकता है।

शुक्र

राशि: मेष · अंश: ०.२७ · भाव: १२ · नक्षत्र / पाद: अश्विनी / १

शुक्र मेष ०.२७° पर, अश्विनी के प्रथम चरण में, मार्गी होकर बारहवें भाव में है। वह लग्न और छठे का स्वामी है; शनि तथा राहु की दृष्टि पाता है और छठे के राहु को देखता है। निजी आनंद, सेवा, खर्च और विश्राम जुड़ सकते हैं। आकर्षण में पहल और बाद में अकेले समय की जरूरत दोनों संभव हैं।

शुक्र सम राशि में, अस्तता से मुक्त और वर्गोत्तम है, अर्थात मुख्य कुंडली तथा नवांश में मेष में है। षड्बल ६.४६ रूपा, आवश्यक ५.५० और अनुपात १.१८ है। बाल, स्वप्न, दुःखित, विकल और खल अवस्थाएँ दर्ज हैं। सुख की क्षमता के साथ उसकी कीमत, सीमा या संतुष्टि पर खिंचाव भी हो सकता है।

शनि

राशि: कुंभ · अंश: २८.५४ · भाव: १० · नक्षत्र / पाद: पूर्वाभाद्रपद / ३

शनि कुंभ २८.५४° पर, पूर्वाभाद्रपद के तीसरे चरण में, मार्गी होकर अपने दशम भाव में है। नवम और दशम का स्वामी होने से वह योगकारक है; अपना चिन्ह केंद्र में होने का शश योग भी दर्ज है। मंगल से परस्पर दृष्टि है, और शनि बारहवें के सूर्य-शुक्र-केतु तथा सप्तम के बृहस्पति को देखता है। काम, सिद्धांत और निजी समय की जिम्मेदारियाँ परस्पर जुड़ सकती हैं।

शनि अस्त नहीं है। षड्बल ६.५५ रूपा, आवश्यक ५.०० तथा अनुपात १.३१ है। मृत और जागृत के साथ स्वस्थ तथा खल अवस्थाएँ दर्ज हैं। संस्था या व्यवस्था में टिकने की क्षमता के साथ कठोर मानक का बोझ हो सकता है। भाव चलित में शनि ग्यारहवें में है; यह राशि-कुंडली के दशम स्थान से अलग गणना है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

राहु

राशि: तुला · अंश: ११.७८ · भाव: ६ · नक्षत्र / पाद: स्वाति / २

राहु तुला ११.७८° पर, स्वाती के दूसरे चरण में, छठे भाव में है; जन्म-गणना में उसकी गति मार्गी दर्ज है। उसकी दृष्टि बारहवें के सूर्य, शुक्र और केतु पर है तथा सूर्य, शुक्र और केतु उसे देखते हैं। कठिन काम, तुलना या समस्या सुलझाने में खिंचाव और उससे हटकर शांति की चाह साथ चल सकती हैं।

उसका राशि-स्वामी शुक्र बारहवें में है; आगे की राशि-श्रृंखला मंगल और सूर्य तक जाती है। इसलिए काम तथा विश्राम की धुरी को अलग पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। राहु का स्वतंत्र भाव-स्वामित्व, षड्बल या शास्त्रीय अवस्था यहाँ नहीं दी गई है।

केतु

राशि: मेष · अंश: ११.७८ · भाव: १२ · नक्षत्र / पाद: अश्विनी / ४

केतु मेष ११.७८° पर, अश्विनी के चौथे चरण में, बारहवें भाव में है; जन्म-गणना में मार्गी है। वह सूर्य और शुक्र के साथ उसी भाव में है, शनि तथा राहु की दृष्टि पाता है और छठे के राहु को देखता है। इससे कुछ अनुभवों से हटकर अपना अर्थ खोजने या अनावश्यक व्यस्तता से विरक्ति की संभावना हो सकती है।

उसका राशि-स्वामी मंगल चौथे में है और सूर्य से राशि-विनिमय करता है। अलगाव की चाह इसलिए निजी सुरक्षा तथा रहने की जगह से जुड़ सकती है। यह आध्यात्मिक उपलब्धि या हानि का निष्कर्ष नहीं है; केतु के लिए स्वतंत्र स्वामित्व, षड्बल और शास्त्रीय अवस्थाएँ नहीं दी गई हैं।

बारह भावों का विस्तृत पाठ

यह पाठ मुख्य राशि-कुंडली के भावों पर आधारित है। खाली भाव भी अपने स्वामी और दर्ज दृष्टियों से अर्थ लेते हैं; भावबल तथा अष्टकवर्ग अलग गणनाएँ हैं और उनका एक जैसा परिणाम होना जरूरी नहीं है।

प्रथम भाव

राशि: वृषभ · स्वामी: शुक्र · स्थित ग्रह: बुध

स्वभाव और स्वयं को प्रस्तुत करने का वृषभ प्रथम भाव बुध से भरा है; स्वामी शुक्र बारहवें में है और बृहस्पति की दृष्टि आती है। आप व्यावहारिक समझ के साथ निजी सोच की जगह चाह सकते हैं। दूसरों के विचार आपको विस्तार दें, पर अपनी बात का आधार स्वयं जाँचना महत्वपूर्ण लग सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

द्वितीय भाव

राशि: मिथुन · स्वामी: बुध · स्थित ग्रह: कोई नहीं

धन, वाणी और पारिवारिक मूल्यों का मिथुन दूसरा भाव खाली है; स्वामी बुध लग्न में है और दर्ज सीधी ग्रह-दृष्टि नहीं है। कौशल तथा भाषा आपके संसाधनों से जुड़ सकते हैं। भावबल में यह पहला स्थान रखता है, इसलिए यहाँ क्षमता का आधार मजबूत है; इससे आय या बचत की निश्चित मात्रा नहीं निकलती।

तृतीय भाव

राशि: कर्क · स्वामी: चंद्र · स्थित ग्रह: कोई नहीं

पहल, अभ्यास, संवाद और भाई-बहन का कर्क तीसरा भाव खाली है। स्वामी चंद्रमा पंचम में और बृहस्पति की दृष्टि इस भाव पर है। रुचि से अभ्यास तथा बातचीत से समझ बढ़ सकती है। कभी मन की स्थिति के अनुसार पहल बदल सकती है; कोई छोटा साझा काम संबंध और कौशल दोनों को जगह दे सकता है।

चतुर्थ भाव

राशि: सिंह · स्वामी: सूर्य · स्थित ग्रह: मंगल

घर, निजी आधार और संपत्ति के सिंह चौथे भाव में मंगल है। स्वामी सूर्य बारहवें में है और शनि की दृष्टि चौथे पर है। अपनी जगह पर अधिकार की चाह तथा परिवार या काम की जिम्मेदारी टकरा सकती हैं। सूर्य-मंगल का राशि-विनिमय घर, दूरी और खर्च को जोड़ता है; स्थायी अस्थिरता का निष्कर्ष नहीं देता।

पंचम भाव

राशि: कन्या · स्वामी: बुध · स्थित ग्रह: चंद्र

रचना, अध्ययन, प्रेम और मार्गदर्शन के कन्या पंचम में चंद्रमा है। स्वामी बुध लग्न में है; दर्ज सीधी ग्रह-दृष्टि नहीं है। आप व्यक्तिगत रुचि से सीखें और सीख को अभिव्यक्ति में बदलें, ऐसा हो सकता है। भावबल में दूसरा स्थान और अष्टकवर्ग के ३३ अंक इस क्षेत्र को संसाधनपूर्ण दिखाते हैं, परिणाम सुनिश्चित नहीं करते।

षष्ठ भाव

राशि: तुला · स्वामी: शुक्र · स्थित ग्रह: राहु

रोज का काम, सेवा, ऋण और विवाद के तुला छठे में राहु है। स्वामी शुक्र बारहवें में है; सूर्य, शुक्र और केतु की दृष्टियाँ आती हैं। जटिल काम में खिंचाव तथा उससे बाहर आने की जरूरत साथ रह सकती है। अष्टकवर्ग में ३१ अंक होने के बावजूद भावबल में यह अंतिम है; कार्य-संरचना और उसकी लागत को अलग देखना उपयोगी हो सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

सप्तम भाव

राशि: वृश्चिक · स्वामी: मंगल · स्थित ग्रह: बृहस्पति

जीवनसाथी, ग्राहक और समझौतों के वृश्चिक सप्तम में बृहस्पति है। स्वामी मंगल चौथे में है और बुध, मंगल तथा शनि की दृष्टियाँ आती हैं। संबंध आपके लिए समझ, निजी सुरक्षा और जिम्मेदारी का मेल हो सकते हैं। अनेक अपेक्षाएँ हों तो उनके बीच अंतर स्पष्ट करना निकटता तथा काम दोनों में उपयोगी हो सकता है।

अष्टम भाव

राशि: धनु · स्वामी: बृहस्पति · स्थित ग्रह: कोई नहीं

भरोसा, साझा संसाधन, शोध और गहरे बदलाव का धनु आठवाँ भाव खाली है। स्वामी बृहस्पति सप्तम में है; दर्ज सीधी ग्रह-दृष्टि नहीं है। जटिल विषय या बदलाव दूसरों के साथ जुड़कर सामने आ सकते हैं। भावबल में तीसरा स्थान इस क्षेत्र को केवल कमजोरी की तरह पढ़ने से रोकता है, जबकि २३ अष्टकवर्ग अंक सरल परिणाम का दावा नहीं करते।

नवम भाव

राशि: मकर · स्वामी: शनि · स्थित ग्रह: कोई नहीं

उच्च अध्ययन, मूल्य और दूर की यात्रा का मकर नवम भाव शास्त्रीय ग्रहों से खाली है। स्वामी शनि अपने दशम में है; दर्ज सीधी ग्रह-दृष्टि नहीं है। आप सिद्धांत को काम में आजमाकर उसका मूल्य तय कर सकते हैं। यहाँ पूरक यूरेनस और नेपच्यून दर्ज हैं, पर पारंपरिक स्वामित्व तथा दृष्टि का निष्कर्ष उनसे नहीं बदला गया है।

दशम भाव

राशि: कुंभ · स्वामी: शनि · स्थित ग्रह: शनि

काम और सार्वजनिक जिम्मेदारी के कुंभ दशम में उसका स्वामी शनि है, जिस पर मंगल की दृष्टि है। दीर्घकालीन निर्माण और तुरंत परिणाम की मांग में तनाव हो सकता है। अष्टकवर्ग के ३८ अंक सबसे अधिक हैं, पर भावबल में दसवाँ स्थान है; पेशेवर क्षमता को बिना मेहनत मिलने वाले पद या सम्मान के बराबर नहीं रखा जा सकता।

एकादश भाव

राशि: मीन · स्वामी: बृहस्पति · स्थित ग्रह: कोई नहीं

लाभ, सहयोगी और समूहों का मीन ग्यारहवाँ भाव खाली है। स्वामी बृहस्पति सप्तम में है और चंद्रमा, मंगल तथा बृहस्पति की दृष्टियाँ मिलती हैं। परिचय, साझा रुचि और विशेषज्ञता से अवसर खुल सकते हैं। समूह की संभावना तथा किसी एक व्यक्ति के वास्तविक दायित्व में फर्क रखना आपके लिए उपयोगी हो सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

द्वादश भाव

राशि: मेष · स्वामी: मंगल · स्थित ग्रह: सूर्य, शुक्र, केतु

खर्च, विश्राम, एकांत और दूर रहने के मेष बारहवें में सूर्य, शुक्र और केतु हैं। स्वामी मंगल चौथे में है; शनि और राहु की दृष्टियाँ आती हैं। निजी जीवन की रक्षा तथा बाहरी मांगों के बीच खिंचाव संभव है। यहाँ समय और ऊर्जा भी संसाधन हैं; केवल आर्थिक हानि की तरह पढ़ना इस भाव का अर्थ सीमित कर देगा।

मांगलिक और कालसर्प जाँच के परिणाम

ये परिणाम दिए गए पारंपरिक नियमों की जाँच हैं। इन्हें अकेले संबंध की अनुकूलता, विवाह का परिणाम या किसी हानि का प्रमाण नहीं माना गया है।

मांगलिक जाँच

लग्न से मंगल चौथे और चंद्रमा से बारहवें भाव में है। दोनों संदर्भों में मूल मांगलिक स्थिति तथा दी गई पाँच-भाव वाली जाँच सकारात्मक हैं। दर्ज शमन-जाँच में मंगल का अपने या उच्च चिन्ह में होना नकारात्मक है, और बृहस्पति की युति या दृष्टि वाला शमन भी नकारात्मक है।

इसका अर्थ केवल यह है कि दिए गए स्थान-नियम पूरे होते हैं और दर्ज दो शमन नहीं मिलते। अलग परंपराओं के निरस्तीकरण या मिलान-नियम यहाँ लागू नहीं किए गए हैं; किसी दूसरे व्यक्ति की कुंडली के बिना अनुकूलता का निष्कर्ष भी नहीं निकाला गया है।

कालसर्प जाँच

दिया गया कालसर्प परिणाम नकारात्मक है; सीमा पर होने का संकेत भी नकारात्मक है। लागू नियम में सातों शास्त्रीय ग्रहों का राहु-केतु द्वारा बने किसी एक अर्धवृत्त के भीतर पूरी तरह होना जरूरी था। वह शर्त पूरी नहीं होती। यह परंपरा-निर्भर ज्यामितीय जाँच है, हानि की भविष्यवाणी नहीं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

आने वाले समय के संकेत



इस समय का जीवन-अध्याय

३ नवंबर २०२६ को बृहस्पति की महादशा, शनि की अंतर्दशा और केतु की प्रत्यंतरदशा सक्रिय हैं। बृहस्पति का बड़ा अध्याय २० नवंबर २०२३ से २० नवंबर २०३९ तक है। अष्टम तथा ग्यारहवें के स्वामी का सप्तम में होना साझेदारी, संपर्कों, साझा दायित्व और दृष्टिकोण के बदलाव को पृष्ठभूमि बना सकता है।

७ जनवरी २०२६ से २० जुलाई २०२८ की शनि अंतर्दशा में नवम-दशमेश का अपने दशम में होना जिम्मेदारी, काम की संरचना और सिद्धांतों को निकट प्राथमिकता बना सकता है। तत्काल केतु चरण ४ दिसंबर २०२६ को २२:४७:३७ बजे तक है। बारहवें के केतु और उसके चौथे भाव के स्वामी मंगल के कारण कुछ मांगों से हटना, निजी आधार देखना या अधूरे काम समेटना अधिक महत्वपूर्ण लग सकता है।

पूर्वानुमान के भीतर महत्वपूर्ण मोड़

इस अवधि में आरंभिक चरण सहित छह प्रत्यंतरदशा-खंड और उनके बीच पाँच बदलाव दर्ज हैं। सभी समय भारतीय मानक समय में हैं। हर सीमा पर नया चरण शुरू होता है और पिछला समाप्त होता है; अंतिम खंड को केवल ३ नवंबर २०२७ की रात ००:०० बजे तक लिया गया है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

बृहस्पति / शनि / केतु

पूर्वानुमान का आरंभ ३ नवंबर २०२६ को इसी चरण में होता है; इसका समापन ४ दिसंबर २०२६ को २२:४७:३७ बजे है। जन्मकुंडली के बारहवें भाव का केतु निजी समय, खर्च या अनावश्यक उलझन से दूरी पर ध्यान खींच सकता है। पहले के अनुपलब्ध चरण से तुलना नहीं की गई है।

बृहस्पति / शनि / शुक्र

४ दिसंबर २०२६ को २२:४७:३७ बजे से ८ मई २०२७ को ०३:५५:०३ बजे तक शुक्र चरण है। केतु की दूरी वाली प्राथमिकता से लग्नेश तथा षष्ठेश शुक्र की व्यक्तिगत जरूरत, काम की शर्त और आराम की ओर जोर बदल सकता है। शुक्र भी बारहवें में है, इसलिए निजी जीवन तथा लागत का विषय समाप्त नहीं होता; उसका स्वर अधिक व्यावहारिक या संबंधपरक हो सकता है।

बृहस्पति / शनि / सूर्य

८ मई २०२७ को ०३:५५:०३ बजे से २३ जून २०२७ को १०:१५:१७ बजे तक सूर्य चरण है। शुक्र की व्यक्तिगत सुविधा तथा सेवा से चौथे के स्वामी उच्च सूर्य की ओर बदलाव घर, निजी आधार और जिम्मेदारी को आगे ला सकता है। सूर्य बारहवें में और मंगल से राशि-विनिमय में है, इसलिए अपनी जगह तथा बाहरी भूमिका का संबंध अधिक स्पष्ट हो सकता है।

बृहस्पति / शनि / चंद्रमा

२३ जून २०२७ को १०:१५:१७ बजे से ८ सितंबर २०२७ को १२:४९:०० बजे तक चंद्रमा चरण है। सूर्य की आधार तथा जिम्मेदारी वाली प्राथमिकता से तीसरे के स्वामी चंद्रमा के पंचम स्थान की ओर जोर बदल सकता है। सीखना, लिखना, रचनात्मक प्रयास, संवाद या देखभाल में व्यक्तिगत भागीदारी अधिक महसूस हो सकती है।

बृहस्पति / शनि / मंगल

८ सितंबर २०२७ को १२:४९:०० बजे से १ नवंबर २०२७ को १२:१२:३६ बजे तक मंगल चरण है। चंद्रमा की रुचि और भावनात्मक अभिव्यक्ति से सप्तम-द्वादशेश मंगल की पहल, समझौते और निजी जगह पर जोर आ सकता है। चौथे के मंगल पर शनि की दृष्टि के कारण कदम उठाने की इच्छा तथा वास्तविक सीमा दोनों सुनाई दे सकती हैं।

बृहस्पति / शनि / राहु

१ नवंबर २०२७ को १२:१२:३६ बजे से पूर्वानुमान के अंत, ३ नवंबर २०२७ को ००:०० बजे तक राहु चरण का छोटा हिस्सा शामिल है। मंगल की पहल से जन्म के छठे भाव वाले राहु की काम, समस्या और दायित्व संबंधी प्राथमिकता की ओर बदलाव हो सकता है। केवल इतने छोटे हिस्से से पूरे राहु चरण का परिणाम नहीं निकाला गया है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

हर महीने की अलग झलक

मासिक पाठ ३ नवंबर २०२६ से २ नवंबर २०२७ तक है। नीचे घरों की प्रत्येक जोड़ी में पहला लग्न से और दूसरा चंद्रमा से है। ग्रह की गति बदलने से घर नहीं बदला गया है; घर केवल दर्ज राशि-प्रवेश पर बदले गए हैं।

नवंबर २०२६

३ नवंबर से शुरू यह आंशिक महीना केतु चरण में है। शुरुआत में बृहस्पति सिंह के चौथे/बारहवें और वक्री शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें घर में हैं। सूर्य, वक्री बुध और वक्री शुक्र तुला के छठे/दूसरे में, मंगल कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में हैं। काम, शब्दों और निजी आधार की समीक्षा साथ चल सकती है।

६ नवंबर को शुक्र कन्या के पाँचवें/पहले में लौटता है; १२ को मंगल सिंह के चौथे/बारहवें में जाता है। बुध १३ और शुक्र १४ नवंबर को मार्गी होते हैं। १६ को सूर्य वृश्चिक के सातवें/तीसरे में तथा २२ को शुक्र फिर तुला के छठे/दूसरे में आता है। २५ नवंबर को राहु मकर के नवें/पाँचवें और केतु कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में जाते हैं। संवाद तथा सीखने की दिशा बदल सकती है; पुरानी बातचीत को केवल गति बदलने से सुलझा हुआ मानना जल्दबाजी हो सकती है।

दिसंबर २०२६

२ दिसंबर को बुध वृश्चिक के सातवें/तीसरे घर में आता है। ४ दिसंबर को २२:४७:३७ बजे केतु से शुक्र चरण शुरू होता है, जिससे निजी जरूरत, काम की शर्त और संबंधों की लागत पर जोर बढ़ सकता है। मंगल सिंह में तथा शुक्र तुला में बने हैं; नवंबर में बदली नोड-धुरी भी जारी है।

११ दिसंबर को शनि मीन में मार्गी और १३ को बृहस्पति सिंह में वक्री होता है; उनके घर क्रमशः ग्यारहवें/सातवें और चौथे/बारहवें ही रहते हैं। १६ को सूर्य और २२ को बुध धनु के आठवें/चौथे में जाते हैं। साझा दायित्व या घरेलू योजना पर फिर विचार हो सकता है। सार्वजनिक जिम्मेदारी आगे बढ़ाने की इच्छा के साथ निजी निर्णय की समीक्षा चलना विरोधाभासी नहीं होगा।

जनवरी २०२७

शुक्र चरण जारी है। १ जनवरी को शुक्र वृश्चिक के सातवें/तीसरे में आता है। १० को बुध मकर के नवें/पाँचवें में जाता है और मंगल सिंह के चौथे/बारहवें में वक्री होता है। १४ को सूर्य भी मकर में आता है। सीख, संबंध और घर की कार्रवाई की गति अलग-अलग महसूस हो सकती है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

२५ जनवरी को वक्री बृहस्पति कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में लौटता है। घर-केंद्रित विचार से अभ्यास, संपर्क या सहयोग की ओर जोर मुड़ सकता है। २८ को बुध कुंभ के दशवें/छठे तथा २९ को शुक्र धनु के आठवें/चौथे में जाता है। शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें में मार्गी बना है। काम की बातचीत बढ़े तो साझा संसाधन और निजी सुविधा की शर्तें भी महत्व रख सकती हैं।

फरवरी २०२७

शुक्र चरण में बृहस्पति कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में वक्री, मंगल सिंह के चौथे/बारहवें में वक्री और शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें में मार्गी बने हैं। ९ फरवरी को बुध कुंभ के दशवें/छठे में वक्री होता है; १३ को सूर्य वहीं आता है। जिम्मेदारी दिख सकती है, लेकिन शब्द, प्रक्रिया या दस्तावेज दोबारा देखने पड़ सकते हैं।

२४ फरवरी को बुध पीछे लौटकर और शुक्र आगे बढ़कर मकर के नवें/पाँचवें घर में आते हैं। काम की प्रस्तुति के पीछे के ज्ञान, मान्यता या उद्देश्य पर लौटना उपयोगी लग सकता है। यह जरूरी नहीं कि प्रगति रुके; समझ और सार्वजनिक अभिव्यक्ति को अलग चरण मिल सकते हैं।

मार्च २०२७

३ मार्च को बुध मकर में मार्गी होता है। १० को वक्री मंगल कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में लौटता है और १२ को बुध फिर कुंभ के दशवें/छठे में आता है। शुक्र चरण तथा कर्क के वक्री बृहस्पति की पृष्ठभूमि में अभ्यास, संपर्क और काम की योजना दोबारा जुड़ सकती है।

१५ मार्च को सूर्य मीन के ग्यारहवें/सातवें में और २१ को शुक्र कुंभ के दशवें/छठे में जाता है। शनि मीन में मार्गी बना है। काम का मूल्य दिखाने तथा सहयोग की शर्तें तय करने की गुंजाइश हो सकती है। फिर भी मंगल की समीक्षा चलने से हर बातचीत तुरंत कार्रवाई में बदले, यह जरूरी नहीं है।

अप्रैल २०२७

१ अप्रैल को मंगल कर्क में मार्गी होता है; ५ को बुध मीन के ग्यारहवें/सातवें में आता है। १३ को बृहस्पति भी कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में मार्गी होता है। शुक्र चरण में पुराने प्रयास या संपर्क को अधिक स्पष्ट अगला कदम मिल सकता है, जबकि शनि मीन में जिम्मेदारियों की पृष्ठभूमि बनाए रखता है।

१४ अप्रैल को सूर्य मेष के बारहवें/आठवें में, १५ को शुक्र मीन के ग्यारहवें/सातवें में और २२ को बुध मेष में जाता है। २६ को मंगल फिर सिंह के चौथे/बारहवें में आता है। सहयोग बढ़ने के साथ निजी तैयारी, खर्च या घर की मांग भी उभर सकती है। दिखाई देने वाले काम और उसके पीछे की लागत को अलग रखना उपयोगी हो सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

मई २०२७

६ मई को बुध वृषभ के पहले/नवें घर में आता है। ८ मई को ०३:५५:०३ बजे शुक्र से सूर्य चरण शुरू होता है। जन्म के चतुर्थेश सूर्य के कारण घर, निजी आधार और अपनी भूमिका की प्राथमिकता बढ़ सकती है। १० को शुक्र मेष के बारहवें/आठवें में जाता है, जिससे सुविधा और साझा लागत पर विचार जुड़ सकता है।

१५ मई को सूर्य वृषभ के पहले/नवें और २३ को बुध मिथुन के दूसरे/दशवें घर में जाता है। अपनी बात, कौशल या आर्थिक शर्त रखने का अवसर महसूस हो सकता है। बृहस्पति कर्क के तीसरे/ग्यारहवें, शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें और मंगल सिंह के चौथे/बारहवें में मार्गी बने हैं; संवाद आगे बढ़े तो घरेलू समय का प्रश्न भी बना रह सकता है।

जून २०२७

३ जून को शनि मेष के बारहवें/आठवें घर में प्रवेश करता है। ४ को शुक्र वृषभ के पहले/नवें में आता है और १० को बुध मिथुन के दूसरे/दशवें में वक्री होता है। १५ को सूर्य भी मिथुन में आता है। सूर्य चरण के दौरान जिम्मेदारियों की छिपी लागत, भुगतान की भाषा या पारिवारिक प्राथमिकता की समीक्षा महत्वपूर्ण लग सकती है।

२३ जून को १०:१५:१७ बजे चंद्रमा चरण शुरू होता है। २६ को बृहस्पति सिंह के चौथे/बारहवें में लौटता है और २८ को शुक्र मिथुन के दूसरे/दशवें में आता है। मंगल सिंह में बना है। घर, रचना और संवाद के लिए जगह बन सकती है, लेकिन शनि की नई स्थिति तथा वक्री बुध के कारण समय और संसाधनों की सीमा भी साथ रहेगी।

जुलाई २०२७

चंद्रमा चरण जारी है। ५ जुलाई को बुध मिथुन में मार्गी होता है और उसी दिन मंगल कन्या के पाँचवें/पहले घर में जाता है। रचनात्मक काम या सीख को अपनी पहल में बदलने की इच्छा बढ़ सकती है। बृहस्पति सिंह के चौथे/बारहवें और शनि मेष के बारहवें/आठवें में हैं, इसलिए निजी जगह और काम की सीमा की जरूरत समाप्त नहीं होती।

१७ जुलाई को सूर्य, २३ को शुक्र और ३० को बुध कर्क के तीसरे/ग्यारहवें घर में आते हैं। लेखन, अभ्यास, परिचितों से संपर्क या साझा प्रयास अधिक प्रमुख हो सकते हैं। आपकी बात को छोटा, उपयोगी रूप देना मदद कर सकता है; हर रुचि को एक साथ परियोजना बनाना बोझ बढ़ा सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

अगस्त २०२७

९ अगस्त को शनि मेष में वक्री होता है, लेकिन बारहवें/आठवें घर नहीं बदलते। चंद्रमा चरण में जिम्मेदारियों, खर्च या निजी समय की पुरानी व्यवस्था फिर विचार मांग सकती है। १४ को बुध, १६ को शुक्र और १७ को सूर्य सिंह के चौथे/बारहवें में आते हैं, जहाँ बृहस्पति पहले से है। घर और एकांत की मांग अधिक दिखाई दे सकती है।

२४ अगस्त को मंगल तुला के छठे/दूसरे घर में और ३१ को बुध कन्या के पाँचवें/पहले में जाता है। निजी तैयारी से रोज के काम तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति की ओर दो अलग धाराएँ बन सकती हैं। बोलने में तेजी और भीतर सोचने की जरूरत अलग-अलग महसूस हों, तो उत्तर देने से पहले थोड़ा स्थान उपयोगी हो सकता है।

सितंबर २०२७

८ सितंबर को १२:४९:०० बजे चंद्रमा से मंगल चरण शुरू होता है। ९ को शुक्र और १७ को सूर्य कन्या के पाँचवें/पहले घर में आते हैं, जहाँ बुध मौजूद है। रुचि, रचना, प्रेम या सीख को अधिक व्यक्तिगत महत्व मिल सकता है। जन्म के सप्तम-द्वादशेश मंगल के कारण साझा निर्णय और निजी सीमा भी इस उत्साह से जुड़ सकते हैं।

२१ सितंबर को बुध तुला के छठे/दूसरे में जाता है, जहाँ मंगल पहले से है। अभिव्यक्ति को रोज के काम, संपादन या आर्थिक बातचीत में बदलना पड़ सकता है। बृहस्पति सिंह के चौथे/बारहवें और वक्री शनि मेष के बारहवें/आठवें में बने हैं; बाहरी सक्रियता के साथ आराम तथा खर्च का विषय जारी रहता है।

अक्टूबर २०२७

मंगल चरण में ३ अक्टूबर को शुक्र तुला के छठे/दूसरे में आता है और ७ को बुध वहीं वक्री होता है। ८ को मंगल वृश्चिक के सातवें/तीसरे में जाता है; १८ को सूर्य तुला में आता है। काम की भाषा, भुगतान और संबंधों की बातचीत आपस में मिल सकती हैं। तेज प्रतिक्रिया और वास्तविक मुद्दे को अलग करना उपयोगी हो सकता है।

२० अक्टूबर को वक्री शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें में लौटता है। २१ को बुध पीछे कन्या के पाँचवें/पहले में, २७ को शुक्र वृश्चिक के सातवें/तीसरे में जाता है और २८ को बुध मार्गी होता है। बृहस्पति सिंह में बना है। साझेदारी और सहयोग की पुरानी शर्तें फिर सामने आ सकती हैं; बुध का मार्गी होना अपने आप सहमति का प्रमाण नहीं है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

नवंबर २०२७ का आरंभ

यह प्रविष्टि केवल १ और २ नवंबर को समेटती है। १ नवंबर को १२:१२:३६ बजे मंगल से राहु चरण शुरू होता है। इस छोटे खंड में कोई नया राशि-प्रवेश या गति-परिवर्तन दर्ज नहीं है; काम और दायित्व की प्राथमिकता में शुरुआती बदलाव महसूस हो सकता है, पर उसके परिणाम का आकलन सीमित है।

सूर्य तुला के छठे/दूसरे, मार्गी बुध कन्या के पाँचवें/पहले तथा शुक्र-मंगल वृश्चिक के सातवें/तीसरे में बने हैं। बृहस्पति सिंह के चौथे/बारहवें, वक्री शनि मीन के ग्यारहवें/सातवें तथा राहु-केतु नवें/पाँचवें और तीसरे/ग्यारहवें में हैं। अक्टूबर की बातचीत और निजी प्राथमिकताएँ जारी रह सकती हैं; यहाँ से आगे का पूर्वानुमान नहीं बढ़ाया गया है।

करियर और दृश्यता की अवधियाँ

पूरी अवधि की शनि अंतर्दशा जिम्मेदारी का आधार है, क्योंकि जन्म में वह नवम-दशमेश होकर दशम में है। ४ दिसंबर २०२६ से ८ मई २०२७ के शुक्र चरण में दशमांश का दशमेश नवम में होने से विशेषज्ञता, प्रशिक्षण या काम की उपयोगिता सामने रखने की संभावना बन सकती है। यह अवसर का संकेत है, पद-परिवर्तन की निश्चितता नहीं।

२८ जनवरी से २४ फरवरी और १२ मार्च से ५ अप्रैल २०२७ तक बुध लग्न से दशम में है; १३ फरवरी से १५ मार्च सूर्य और २१ मार्च से १५ अप्रैल शुक्र भी वहाँ आते हैं। प्रस्तुति, समीक्षा तथा पेशेवर दृश्यता के अलग अवसर हो सकते हैं। फरवरी की बुध-वक्रता में भाषा दोबारा जाँचना अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

८ मई से २३ जून का सूर्य चरण दशमांश में छठे के सूर्य के कारण काम निभाने और जवाबदेही पर जोर दे सकता है। ३ जून से २० अक्टूबर शनि बारहवें में होने से दृश्यता के पीछे की लागत बढ़ी हुई लग सकती है; २० अक्टूबर को ग्यारहवें में वापसी सहयोग और पेशेवर संबंधों की पुरानी शर्तें फिर सामने ला सकती है।

संबंध और प्रतिबद्धता की अवधियाँ

४ दिसंबर २०२६ से ८ मई २०२७ का शुक्र चरण व्यक्तिगत जरूरत और संबंधों पर अधिक ध्यान ला सकता है। इसके भीतर १ से २९ जनवरी शुक्र लग्न से सप्तम और चंद्रमा से तीसरे में है। संपर्क, आकर्षण या संवाद की गुंजाइश हो सकती है; यह अपने आप प्रतिबद्धता का संकेत नहीं है। नवांश का सप्तमेश बारहवें में होने से निजी समय की जरूरत भी बनी रह सकती है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

१५ अप्रैल से १० मई २०२७ शुक्र ग्यारहवें/सातवें में है। सहयोग, मित्रता या अपेक्षा की बातचीत महत्व पा सकती है। शनि चंद्रमा से सप्तम में ३ जून तक और फिर २० अक्टूबर से है, इसलिए जिम्मेदारी पर चर्चा का स्वर आकर्षण की बातचीत से अधिक गंभीर हो सकता है।

८ सितंबर से १ नवंबर का मंगल चरण जन्म के सप्तमेश को सक्रिय करता है। ८ अक्टूबर से मंगल और २७ अक्टूबर से शुक्र लग्न के सप्तम में आते हैं। साझा निर्णय या संबंध की शर्तें स्पष्ट करने की संभावना हो सकती है। आपकी निजी प्रतिक्रिया में तेजी और आदर्श छवि दोनों आ सकते हैं; किसी संभावित संपर्क और जीवन-संबंधी सहमति को अलग रखना उपयोगी हो सकता है।

समय के अनुसार धन, खर्च और दायित्व

आरंभ से ४ दिसंबर २०२६ तक केतु और फिर ८ मई २०२७ तक बारहवें भाव के शुक्र का चरण निजी खर्च, काम की लागत तथा विश्राम के मूल्य पर ध्यान ला सकता है। जन्म के दूसरे स्वामी बुध मजबूत हैं, पर होरा में लग्नेश सूर्य और दायित्व-संबंधी शनि बारहवें में हैं; कमाई तथा बचे हुए धन को एक जैसा अनुभव होना जरूरी नहीं है।

२३ मई से ३० जुलाई २०२७ तक बुध लग्न के दूसरे घर में है, जिसमें १० जून से ५ जुलाई की वक्रता भी शामिल है। १५ जून से १७ जुलाई सूर्य और २८ जून से २३ जुलाई शुक्र भी दूसरे में हैं। आय की भाषा, पारिवारिक खर्च या भुगतान की शर्तें प्रमुख हो सकती हैं; समीक्षा की जरूरत को निश्चित नुकसान नहीं माना गया है।

३ जून से २० अक्टूबर शनि बारहवें और चंद्रमा से आठवें में है। नियमित दायित्व, साझा लागत या उपलब्ध समय की आर्थिक कीमत अधिक महत्वपूर्ण लग सकती है। २४ अगस्त से ८ अक्टूबर मंगल छठे/दूसरे में है; काम, बकाया या खर्च की बातचीत में तीखापन आ सकता है। ये वित्तीय प्राथमिकताओं के संकेत हैं, लेन-देन संबंधी निर्देश नहीं।

घर, यात्रा और स्थानांतरण की अवधियाँ

३ नवंबर २०२६ से २५ जनवरी २०२७ और फिर २६ जून से पूर्वानुमान के अंत तक बृहस्पति लग्न से चौथे तथा चंद्रमा से बारहवें में है। घर की जगह, निजी आधार या दूर रहने की व्यवस्था पर विचार हो सकता है। १२ नवंबर से १० मार्च और २६ अप्रैल से ५ जुलाई मंगल भी चौथे में है; घरेलू काम में गति या अधीरता जुड़ सकती है।

२५ नवंबर २०२६ को राहु नवें और केतु तीसरे भाव में आते हैं। दूर की दिशा, अध्ययन, छोटी यात्राओं और पहल का जोर बदल सकता है, लेकिन इससे वास्तविक यात्रा तय नहीं होती। २५ जनवरी से २६ जून २०२७ बृहस्पति तीसरे/ग्यारहवें में रहने से जानकारी जुटाना और संपर्क करना किसी संभावित कदम की तैयारी बन सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

८ मई से २३ जून का सूर्य चरण चतुर्थेश को सक्रिय करता है। २३ जून से ८ सितंबर के चंद्रमा चरण में चतुर्थांश के नवमेश की भूमिका सीख या यात्रा का विचार जोड़ सकती है। संभव आवाजाही, घरेलू प्राथमिकता और वास्तव में स्थान बदलने की सहमति अलग चरण हैं; काम-संबंधी कदम के लिए दशमांश का समर्थन मध्यम जन्मसमय-संवेदनशील है।

शिक्षा और रचनात्मक परियोजनाओं की अवधियाँ

६ से २२ नवंबर २०२६ शुक्र लग्न के पंचम में लौटता है; १४ नवंबर तक वक्री होने से किसी रुचि या रचना को फिर देखने का संकेत हो सकता है। ४ दिसंबर से ८ मई का शुक्र चरण शिक्षा-विभाजन के दशम में उसके स्थान के कारण सीखी बात को प्रस्तुत काम में बदलने से जुड़ सकता है, पर यह विभाजन अधिक संवेदनशील है।

२५ जनवरी से २६ जून २०२७ बृहस्पति तीसरे/ग्यारहवें में है। अभ्यास और प्रतिक्रिया से सीख का लाभ हो सकता है। बुध १० से २८ जनवरी तथा २४ फरवरी से १२ मार्च नवम में है; शुक्र २४ फरवरी से २१ मार्च वहाँ है। ये विषय, दृष्टिकोण या पाठ्यक्रम पर दोबारा विचार की खिड़कियाँ हो सकती हैं, केवल अंतिम उपलब्धि की नहीं।

२३ जून से ८ सितंबर का चंद्रमा चरण और ५ जुलाई से २४ अगस्त पंचम का मंगल रचनात्मक प्रयास को व्यक्तिगत ऊर्जा दे सकते हैं। बुध ३१ अगस्त से २१ सितंबर तथा २१ अक्टूबर से अंत तक पंचम में है; शुक्र ९ सितंबर से ३ अक्टूबर और सूर्य १७ सितंबर से १८ अक्टूबर वहाँ हैं। रचना दिखाना और उसे संशोधित करना अलग चरण पा सकते हैं, विशेषकर अक्टूबर की वापसी में।

बृहस्पति और शनि के गोचर-अध्याय

इन दोनों ग्रहों की स्थिति आरंभिक विवरण से आगे बढ़ाई गई है। अंक संबंधित ग्रह की अपनी अष्टकवर्ग पंक्ति के हैं, सभी ग्रहों के संयुक्त अंक नहीं।

बृहस्पति

३ नवंबर २०२६ को बृहस्पति सिंह में मार्गी, लग्न से चौथे और चंद्रमा से बारहवें में है। १३ दिसंबर को वहीं वक्री होता है। सिंह में उसकी अपनी अष्टकवर्ग पंक्ति में ५ अंक हैं। घर या निजी आधार बढ़ाने की इच्छा के साथ उसकी उपयोगिता और लागत फिर देखने की जरूरत महसूस हो सकती है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

२५ जनवरी २०२७ को ०१:३९:२६ बजे वह वक्री होकर कर्क के तीसरे/ग्यारहवें में लौटता है और १३ अप्रैल को मार्गी होता है। कर्क में वह पारंपरिक रूप से उच्च है, लेकिन उसकी अपनी पंक्ति में केवल ३ अंक हैं; इसलिए राशि की गरिमा को सहज लाभ के बराबर नहीं रखा गया है। अभ्यास और संपर्क अधिक मेहनत मांग सकते हैं।

२६ जून को ०५:१३:४४ बजे वह फिर सिंह के चौथे/बारहवें में आता है और अंत तक वहीं मार्गी रहता है। यहाँ वास्तव में पहले वाली राशि में वापसी दर्ज है; इसलिए घर, निजी जगह और पर्दे के पीछे के खर्च का विषय नए अनुभव के साथ लौट सकता है।

शनि

आरंभ में शनि मीन में वक्री, लग्न से ग्यारहवें और चंद्रमा से सातवें में है। ११ दिसंबर २०२६ को मार्गी होता है, घर नहीं बदलते। मीन में उसकी अपनी अष्टकवर्ग पंक्ति में ४ अंक हैं। सहयोग, लाभ की अपेक्षा और साझेदारी की जिम्मेदारी धीरे-धीरे स्पष्ट हो सकती है।

३ जून २०२७ को ०५:१८:३६ बजे शनि मेष के बारहवें/आठवें में जाता है। मेष उसकी नीच राशि है, जबकि अपनी अष्टकवर्ग पंक्ति में यहाँ भी ४ अंक हैं। छिपी लागत, समय और साझा दायित्व अधिक ध्यान मांग सकते हैं; इससे किसी हानि का निष्कर्ष नहीं निकलता। ९ अगस्त को शनि वहीं वक्री होता है।

२० अक्टूबर को ०७:२४:०१ बजे वह मीन के ग्यारहवें/सातवें में लौटता है और अंत तक वक्री रहता है। यह सहयोग तथा समझौतों के पहले अध्याय में वास्तविक वापसी है। क्या अपेक्षा निभाने योग्य है और क्या बदली जानी चाहिए, यह प्रश्न फिर उठ सकता है।

राहु-केतु की धुरी में बदलाव

३ नवंबर २०२६ को राहु कुंभ में लग्न से दशम और चंद्रमा से छठे में है; केतु सिंह में लग्न से चौथे और चंद्रमा से बारहवें में है। आरंभिक धुरी काम तथा निजी आधार, और दूसरी ओर रोज के प्रयास तथा विश्राम को जोड़ती है।

२५ नवंबर २०२६ को १७:५२:२९ बजे दोनों का साथ राशि-प्रवेश दर्ज है। राहु मकर में लग्न से नवें और चंद्रमा से पाँचवें में, केतु कर्क में लग्न से तीसरे और चंद्रमा से ग्यारहवें में जाता है। इसके बाद अंत तक यही धुरी चलती है। मान्यताओं, सीखने की दिशा, अपनी पहल और समूह से अपेक्षा का जोर बदल सकता है; संपर्क कम करना या पढ़ाई बदलना इसका अनिवार्य परिणाम नहीं है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

शनि ढैया की अवधि

३ नवंबर २०२६ को दर्ज अष्टम ढैया सक्रिय नहीं है। जन्म का चंद्रमा कन्या में है; शनि के मेष में आने पर वह चंद्रमा से आठवें भाव में होता है।

दिया गया प्रासंगिक अंतराल ३ जून २०२७ को ०५:१८:३६ बजे से २० अक्टूबर २०२७ को ०७:२४:०१ बजे तक है; समाप्ति-क्षण पर यह चरण समाप्त माना गया है। उसी समय शनि लग्न से बारहवें में भी है। इसे जिम्मेदारी, साझा दायित्व और निजी संसाधनों की सीमा देखने का पारंपरिक संकेत समझा जा सकता है, किसी तय संकट का नहीं। इस कवरेज से बाहर की अवधि नहीं जोड़ी गई है।

वक्री गति और दोबारा उठते विषय

आरंभ में बुध, शुक्र और शनि वक्री हैं; बृहस्पति तथा मंगल मार्गी हैं। बुध १३ नवंबर २०२६ को मार्गी होता है। आगे वह ९ फरवरी से ३ मार्च, १० जून से ५ जुलाई और ७ से २८ अक्टूबर २०२७ तक वक्री है। फरवरी में कुंभ से मकर और अक्टूबर में तुला से कन्या की वास्तविक वापसी दर्ज है; जून की वक्रता में वह मिथुन में ही रहता है। इसलिए हर समीक्षा को पुराने घर में लौटना नहीं माना गया है।

शुक्र ६ नवंबर २०२६ को तुला से कन्या में लौटता है, १४ नवंबर को मार्गी और २२ को फिर तुला में आता है। रुचि या व्यक्तिगत पसंद की समीक्षा से काम और आर्थिक भाषा की ओर लौटना संभव हो सकता है। मंगल १० जनवरी २०२७ को सिंह में वक्री, १० मार्च को कर्क में वापस, १ अप्रैल को मार्गी और २६ अप्रैल को फिर सिंह में आता है। घर की कार्रवाई और अपनी पहल को अलग-अलग बार देखना पड़ सकता है।

बृहस्पति १३ दिसंबर २०२६ को वक्री होता है, २५ जनवरी को कर्क में लौटता है, १३ अप्रैल को मार्गी और २६ जून को फिर सिंह में आता है। शनि ११ दिसंबर को मार्गी, ३ जून को मेष में, ९ अगस्त को वक्री और २० अक्टूबर को मीन में वापस आता है। घर-संपर्क तथा निजी लागत-साझेदारी के विषयों में पुनरावृत्ति की बात इन्हीं दर्ज क्रमों पर आधारित है। नोडों के गति-परिवर्तन का समय उपलब्ध नहीं है, इसलिए वह नहीं गढ़ा गया है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वार्षिक अंकशास्त्रीय बदलाव

दिया गया व्यक्तिगत वर्ष २०२६ के लिए ९ और २०२७ के लिए १ है। इसलिए इस पूर्वानुमान में ३ नवंबर से ३१ दिसंबर २०२६ का अंकशास्त्रीय स्वर समापन, छँटाई या किसी अनुभव का अर्थ निकालने से जुड़ सकता है। इसका अर्थ किसी रिश्ते या काम को समाप्त करना आवश्यक होना नहीं है।

१ जनवरी २०२७ से पूर्वानुमान के अंत तक वर्ष १ नई पहल और अपनी दिशा स्पष्ट करने की इच्छा का संकेत दे सकता है। यह कैलेंडर-वर्ष का बदलाव है; इसे दशा के बदलाव के साथ एक ही घटना नहीं माना गया है। नए साल में भी शनि की अंतर्दशा और शुक्र का तत्काल चरण जारी रहते हैं। व्यक्तिगत महीनों या दिनों के अंक नहीं निकाले गए हैं।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

अंकशास्त्रीय व्यक्तित्व



अंकशास्त्र से व्यक्तित्व की झलक

इन अंकों को आपके अलग-अलग अनुभवों की प्रतीकात्मक भाषा की तरह पढ़ा गया है। जन्म-दिन और अभिव्यक्ति दोनों में ३ है; साझा रचनात्मक तथा संवादपूर्ण विषय को नीचे एक ही बार विस्तार दिया गया है।

जीवन-पथ

मान: ५

जीवन-पथ ५ अनुभव, विविधता और स्वतंत्रता से सीखने की इच्छा से जुड़ सकता है। आप विकल्प खुले रखना चाहें, लेकिन बहुत से विकल्प ध्यान बाँट सकते हैं। परिवर्तन की जरूरत और किसी उपयोगी काम में टिकने की जरूरत दोनों आपके लिए वास्तविक हो सकती हैं।

जन्म-दिन

मान: ३

जन्म-दिन ३ और अभिव्यक्ति ३ का साझा विषय विचार को शब्द, कहानी या रचना में बाहर लाना हो सकता है। आप संवाद से अनुभव समझें, पर कभी प्रस्तुति की सहजता के पीछे असमंजस छिपा रह सकता है। अधूरे विचार को भी संशोधन योग्य मानना इस रुझान को अधिक उपयोगी बना सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

अभिव्यक्ति

मान: ३

दिया गया अभिव्यक्ति अंक ३ है। जन्म-दिन के साझा विषय से अलग, यहाँ जोर आपकी प्रतिभा के उपयोग पर है: समझाना, प्रस्तुत करना या अलग बातों को रोचक रूप देना। केवल अच्छा आरंभ नहीं, अंतिम रूप देना भी संतोष का हिस्सा हो सकता है।

भीतरी आकांक्षा

मान: ८

भीतरी आकांक्षा ८ प्रभाव, क्षमता और संसाधनों पर वास्तविक अधिकार की चाह से जुड़ सकती है। भीतर आप अपने प्रयास का ठोस परिणाम देखना चाहें, भले बाहर हल्के या लचीले लगें। नियंत्रण की इच्छा और सहयोग की जरूरत कभी एक-दूसरे को चुनौती दे सकती हैं।

बाहरी व्यक्तित्व

मान: ४

व्यक्तित्व अंक ४ के अनुसार दूसरे आपको व्यवस्थित, व्यावहारिक या जिम्मेदारी निभाने वाले रूप में देख सकते हैं। यह जीवन-पथ ५ की भीतर की विविधता की चाह से अलग छाप हो सकती है। लोग आपकी स्थिरता मानकर अतिरिक्त जिम्मेदारी दे दें, तो अपनी वास्तविक उपलब्धता बताना महत्वपूर्ण लग सकता है।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

जन्म आधार

गणना	मान
जन्म पंचांग / तिथि	अंक: १२; पक्ष में अंक: १२; नाम: द्वादशी; प्रारंभ: ११ मई १९९५ १३:४७:२५; अंत: १२ मई १९९५ ११:४२:०२
जन्म पंचांग / पक्ष	शुक्ल
जन्म पंचांग / नक्षत्र	नाम: हस्त; अंक: १३; पाद: ३; प्रारंभ: ११ मई १९९५ १६:३३:०७; अंत: १२ मई १९९५ १५:०८:२८
जन्म पंचांग / योग	नाम: वज्र; अंक: १५; प्रारंभ: ११ मई १९९५ १६:४८:२७; अंत: १२ मई १९९५ १३:५८:००
जन्म पंचांग / करण	नाम: बालव; आधा तिथि अंक: २४; प्रारंभ: १२ मई १९९५ ००:४९:४४; अंत: १२ मई १९९५ ११:४२:०२
जन्म पंचांग / सप्ताह का नागरिक दिवस	शुक्रवार
जन्म पंचांग / वार	शुक्रवार
जन्म पंचांग / सूर्योदय	१२ मई १९९५ ०५:४१:२१
जन्म पंचांग / सूर्यास्त	१२ मई १९९५ १९:०५:२३
जन्म पंचांग / सूर्योदय से पूर्व	१२ मई १९९५ ०५:४१:२१
जन्म पंचांग / इष्टकाल घटी	३.९०२०
जन्म पंचांग / दिन की अवधि घंटे	१३.४००६
जन्म पंचांग / क्या जन्म दिन में हुआ	हाँ
अवखड़ा / राशि	कन्या
अवखड़ा / राशि स्वामी	बुध
अवखड़ा / नक्षत्र	नाम: हस्त; पाद: ३
अवखड़ा / नक्षत्रेश	चंद्र
अवखड़ा / वर्ण	वैश्य
अवखड़ा / वश्य	मानव
अवखड़ा / गण	देव

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
अवखड़ा / योनि	भैंस
अवखड़ा / नाड़ी	आदि
अवखड़ा / पाया	धातु: रजत; चंद्र का भाव: ५
जन्म खगोलिकी	जूलियन दिवस पार्थिव समय: २४४९८४९.५७३६; जूलियन दिवस सार्वत्रिक समय: २४४९८४९.५७२९; स्थानीय नाक्षत्र समय घंटे: २२.०९३८; क्रांतिवृत्त तिर्यकता डिग्री: २३.४३९९; स्थानीय माध्य सौर दिनांक-समय: १२ मई १९९५ ०६:४८:०८; स्थानीय माध्य सौर समय टिप्पणी: UTC प्लस देशांतर/१५; नागरिक समयक्षेत्र या प्रत्यक्ष सौर समय नहीं
सेटिंग्स	राशिचक्र: निरयन; अयनांश: लाहिड़ी चित्रपक्ष; अयनांश अंश: २३.७९१७; अयनांश वास्तविक विषुव: २३.७९४१; नोड मोड: सत्य; भाव पद्धति: पूर्ण_राशि

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

वैदिक ग्रह-स्थितियाँ और संबंध

गणना	मान
लग्न / निरयन देशांतर	५१.०८८७
लग्न / राशि	वृषभ
लग्न / राशि में अंश	२१.०८८७
लग्न / नक्षत्र	नाम: रोहिणी; पाद: ४
लग्न / स्वामी	शुक्र
स्थितियाँ / सूर्य / निरयन देशांतर	२७.०९९०
स्थितियाँ / सूर्य / राशि	मेष
स्थितियाँ / सूर्य / राशि में अंश	२७.०९९०
स्थितियाँ / सूर्य / राशि भाव	१२
स्थितियाँ / सूर्य / नक्षत्र	नाम: कृत्तिका; पाद: १
स्थितियाँ / सूर्य / गति	मार्गी
स्थितियाँ / सूर्य / प्रतिदिन गति, अंश में	०.९६५५
स्थितियाँ / सूर्य / स्थिति	उच्च: हाँ; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / चंद्र / निरयन देशांतर	१६८.६३२०
स्थितियाँ / चंद्र / राशि	कन्या
स्थितियाँ / चंद्र / राशि में अंश	१८.६३२०
स्थितियाँ / चंद्र / राशि भाव	५
स्थितियाँ / चंद्र / नक्षत्र	नाम: हस्त; पाद: ३
स्थितियाँ / चंद्र / गति	मार्गी
स्थितियाँ / चंद्र / प्रतिदिन गति, अंश में	१४.२२७०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
स्थितियाँ / चंद्र / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / मंगल / निरयन देशांतर	१२०.४३९२
स्थितियाँ / मंगल / राशि	सिंह
स्थितियाँ / मंगल / राशि में अंश	०.४३९२
स्थितियाँ / मंगल / राशि भाव	४
स्थितियाँ / मंगल / नक्षत्र	नाम: मघा; पाद: १
स्थितियाँ / मंगल / गति	मार्गी
स्थितियाँ / मंगल / प्रतिदिन गति, अंश में	०.३९४८
स्थितियाँ / मंगल / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / बुध / निरयन देशांतर	४८.५३५७
स्थितियाँ / बुध / राशि	वृषभ
स्थितियाँ / बुध / राशि में अंश	१८.५३५७
स्थितियाँ / बुध / राशि भाव	१
स्थितियाँ / बुध / नक्षत्र	नाम: रोहिणी; पाद: ३
स्थितियाँ / बुध / गति	मार्गी
स्थितियाँ / बुध / प्रतिदिन गति, अंश में	०.९७११
स्थितियाँ / बुध / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / बृहस्पति / निरयन देशांतर	२२९.१९०९
स्थितियाँ / बृहस्पति / राशि	वृश्चिक
स्थितियाँ / बृहस्पति / राशि में अंश	१९.१९०९
स्थितियाँ / बृहस्पति / राशि भाव	७
स्थितियाँ / बृहस्पति / नक्षत्र	नाम: ज्येष्ठा; पाद: १

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
स्थितियाँ / बृहस्पति / गति	वक्री
स्थितियाँ / बृहस्पति / प्रतिदिन गति, अंश में	-०.१०८८
स्थितियाँ / बृहस्पति / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: हाँ; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / शुक्र / निरयन देशांतर	०.२६९६
स्थितियाँ / शुक्र / राशि	मेष
स्थितियाँ / शुक्र / राशि में अंश	०.२६९६
स्थितियाँ / शुक्र / राशि भाव	१२
स्थितियाँ / शुक्र / नक्षत्र	नाम: अश्विनी; पाद: १
स्थितियाँ / शुक्र / गति	मार्गी
स्थितियाँ / शुक्र / प्रतिदिन गति, अंश में	१.२१०८
स्थितियाँ / शुक्र / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: हाँ; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: हाँ
स्थितियाँ / शनि / निरयन देशांतर	३२८.५३८७
स्थितियाँ / शनि / राशि	कुंभ
स्थितियाँ / शनि / राशि में अंश	२८.५३८७
स्थितियाँ / शनि / राशि भाव	१०
स्थितियाँ / शनि / नक्षत्र	नाम: पूर्वाभाद्रपद; पाद: ३
स्थितियाँ / शनि / गति	मार्गी
स्थितियाँ / शनि / प्रतिदिन गति, अंश में	०.०८२५
स्थितियाँ / शनि / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: हाँ; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
स्थितियाँ / राहु / निरयन देशांतर	१९१.७८१८
स्थितियाँ / राहु / राशि	तुला
स्थितियाँ / राहु / राशि में अंश	११.७८१८

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
स्थितियाँ / राहु / राशि भाव	६
स्थितियाँ / राहु / नक्षत्र	नाम: स्वाति; पाद: २
स्थितियाँ / राहु / गति	मार्गी
स्थितियाँ / राहु / प्रतिदिन गति, अंश में	०.०१६१
स्थितियाँ / केतु / निरयन देशांतर	११.७८१८
स्थितियाँ / केतु / राशि	मेष
स्थितियाँ / केतु / राशि में अंश	११.७८१८
स्थितियाँ / केतु / राशि भाव	१२
स्थितियाँ / केतु / नक्षत्र	नाम: अश्विनी; पाद: ४
स्थितियाँ / केतु / गति	मार्गी
स्थितियाँ / केतु / प्रतिदिन गति, अंश में	०.०१६१
पूरक स्थितियाँ / यूरेनस / निरयन देशांतर	२७६.६६१३
पूरक स्थितियाँ / यूरेनस / राशि	मकर
पूरक स्थितियाँ / यूरेनस / राशि में अंश	६.६६१३
पूरक स्थितियाँ / यूरेनस / नक्षत्र	नाम: उत्तराषाढ़ा; पाद: ३
पूरक स्थितियाँ / यूरेनस / राशि भाव	९
पूरक स्थितियाँ / नेपच्यून / निरयन देशांतर	२७१.७०२५
पूरक स्थितियाँ / नेपच्यून / राशि	मकर
पूरक स्थितियाँ / नेपच्यून / राशि में अंश	१.७०२५
पूरक स्थितियाँ / नेपच्यून / नक्षत्र	नाम: उत्तराषाढ़ा; पाद: २
पूरक स्थितियाँ / नेपच्यून / राशि भाव	९
पूरक स्थितियाँ / प्लूटो / निरयन देशांतर	२१५.६७१७
पूरक स्थितियाँ / प्लूटो / राशि	वृश्चिक

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पूरक स्थितियाँ / प्लूटो / राशि में अंश	५.६७१७
पूरक स्थितियाँ / प्लूटो / नक्षत्र	नाम: अनुराधा; पाद: १
पूरक स्थितियाँ / प्लूटो / राशि भाव	७
भावेश / १	स्वामी: शुक्र; स्वामी की राशि: मेष; स्वामी का भाव: १२
भावेश / २	स्वामी: बुध; स्वामी की राशि: वृषभ; स्वामी का भाव: १
भावेश / ३	स्वामी: चंद्र; स्वामी की राशि: कन्या; स्वामी का भाव: ५
भावेश / ४	स्वामी: सूर्य; स्वामी की राशि: मेष; स्वामी का भाव: १२
भावेश / ५	स्वामी: बुध; स्वामी की राशि: वृषभ; स्वामी का भाव: १
भावेश / ६	स्वामी: शुक्र; स्वामी की राशि: मेष; स्वामी का भाव: १२
भावेश / ७	स्वामी: मंगल; स्वामी की राशि: सिंह; स्वामी का भाव: ४
भावेश / ८	स्वामी: बृहस्पति; स्वामी की राशि: वृश्चिक; स्वामी का भाव: ७
भावेश / ९	स्वामी: शनि; स्वामी की राशि: कुंभ; स्वामी का भाव: १०
भावेश / १०	स्वामी: शनि; स्वामी की राशि: कुंभ; स्वामी का भाव: १०
भावेश / ११	स्वामी: बृहस्पति; स्वामी की राशि: वृश्चिक; स्वामी का भाव: ७
भावेश / १२	स्वामी: मंगल; स्वामी की राशि: सिंह; स्वामी का भाव: ४
लग्नेश / ग्रह	शुक्र
लग्नेश / राशि	मेष
लग्नेश / भाव	१२
लग्नेश / निरयन देशांतर	०.२६९६
लग्नेश / स्थिति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: हाँ
डिस्पोजिटर / सूर्य	राशि स्वामी: मंगल; डिस्पोजिटर भाव: ४
डिस्पोजिटर / चंद्र	राशि स्वामी: बुध; डिस्पोजिटर भाव: १
डिस्पोजिटर / मंगल	राशि स्वामी: सूर्य; डिस्पोजिटर भाव: १२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
डिस्पोजिटर / बुध	राशि स्वामी: शुक्र; डिस्पोजिटर भाव: १२
डिस्पोजिटर / बृहस्पति	राशि स्वामी: मंगल; डिस्पोजिटर भाव: ४
डिस्पोजिटर / शुक्र	राशि स्वामी: मंगल; डिस्पोजिटर भाव: ४
डिस्पोजिटर / शनि	राशि स्वामी: शनि; डिस्पोजिटर भाव: १०
डिस्पोजिटर / राहु	राशि स्वामी: शुक्र; डिस्पोजिटर भाव: १२
डिस्पोजिटर / केतु	राशि स्वामी: मंगल; डिस्पोजिटर भाव: ४
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / सूर्य	सूर्य, मंगल
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / चंद्र	चंद्र, बुध, शुक्र, मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / मंगल	मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / बुध	बुध, शुक्र, मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / बृहस्पति	बृहस्पति, मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / शुक्र	शुक्र, मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / शनि	शनि
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / राहु	राहु, शुक्र, मंगल, सूर्य
डिस्पोजिटर शृंखलाएँ / केतु	केतु, मंगल, सूर्य
अंतिम डिस्पोजिटर	मंगल, शनि, सूर्य
ग्रह दृष्टि / १ / से	सूर्य
ग्रह दृष्टि / १ / से भाव	१२
ग्रह दृष्टि / १ / भाव तक	६
ग्रह दृष्टि / १ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / १ / दृष्ट ग्रह	राहु
ग्रह दृष्टि / २ / से	चंद्र
ग्रह दृष्टि / २ / से भाव	५

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
ग्रह दृष्टि / २ / भाव तक	११
ग्रह दृष्टि / २ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / २ / दृष्ट ग्रह	कोई नहीं
ग्रह दृष्टि / ३ / से	मंगल
ग्रह दृष्टि / ३ / से भाव	४
ग्रह दृष्टि / ३ / भाव तक	७
ग्रह दृष्टि / ३ / दृष्टि	४था
ग्रह दृष्टि / ३ / दृष्ट ग्रह	बृहस्पति
ग्रह दृष्टि / ४ / से	मंगल
ग्रह दृष्टि / ४ / से भाव	४
ग्रह दृष्टि / ४ / भाव तक	१०
ग्रह दृष्टि / ४ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / ४ / दृष्ट ग्रह	शनि
ग्रह दृष्टि / ५ / से	मंगल
ग्रह दृष्टि / ५ / से भाव	४
ग्रह दृष्टि / ५ / भाव तक	११
ग्रह दृष्टि / ५ / दृष्टि	८वाँ
ग्रह दृष्टि / ५ / दृष्ट ग्रह	कोई नहीं
ग्रह दृष्टि / ६ / से	बुध
ग्रह दृष्टि / ६ / से भाव	१
ग्रह दृष्टि / ६ / भाव तक	७
ग्रह दृष्टि / ६ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / ६ / दृष्ट ग्रह	बृहस्पति

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
ग्रह दृष्टि / ७ / से	बृहस्पति
ग्रह दृष्टि / ७ / से भाव	७
ग्रह दृष्टि / ७ / भाव तक	११
ग्रह दृष्टि / ७ / दृष्टि	५वाँ
ग्रह दृष्टि / ७ / दृष्ट ग्रह	कोई नहीं
ग्रह दृष्टि / ८ / से	बृहस्पति
ग्रह दृष्टि / ८ / से भाव	७
ग्रह दृष्टि / ८ / भाव तक	१
ग्रह दृष्टि / ८ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / ८ / दृष्ट ग्रह	बुध
ग्रह दृष्टि / ९ / से	बृहस्पति
ग्रह दृष्टि / ९ / से भाव	७
ग्रह दृष्टि / ९ / भाव तक	३
ग्रह दृष्टि / ९ / दृष्टि	९वाँ
ग्रह दृष्टि / ९ / दृष्ट ग्रह	कोई नहीं
ग्रह दृष्टि / १० / से	शुक्र
ग्रह दृष्टि / १० / से भाव	१२
ग्रह दृष्टि / १० / भाव तक	६
ग्रह दृष्टि / १० / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / १० / दृष्ट ग्रह	राहु
ग्रह दृष्टि / ११ / से	शनि
ग्रह दृष्टि / ११ / से भाव	१०
ग्रह दृष्टि / ११ / भाव तक	१२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
ग्रह दृष्टि / ११ / दृष्टि	३रा
ग्रह दृष्टि / ११ / दृष्ट ग्रह	सूर्य, शुक्र, केतु
ग्रह दृष्टि / १२ / से	शनि
ग्रह दृष्टि / १२ / से भाव	१०
ग्रह दृष्टि / १२ / भाव तक	४
ग्रह दृष्टि / १२ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / १२ / दृष्ट ग्रह	मंगल
ग्रह दृष्टि / १३ / से	शनि
ग्रह दृष्टि / १३ / से भाव	१०
ग्रह दृष्टि / १३ / भाव तक	७
ग्रह दृष्टि / १३ / दृष्टि	१०वाँ
ग्रह दृष्टि / १३ / दृष्ट ग्रह	बृहस्पति
ग्रह दृष्टि / १४ / से	राहु
ग्रह दृष्टि / १४ / से भाव	६
ग्रह दृष्टि / १४ / भाव तक	१२
ग्रह दृष्टि / १४ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / १४ / दृष्ट ग्रह	सूर्य, शुक्र, केतु
ग्रह दृष्टि / १५ / से	केतु
ग्रह दृष्टि / १५ / से भाव	१२
ग्रह दृष्टि / १५ / भाव तक	६
ग्रह दृष्टि / १५ / दृष्टि	७वाँ
ग्रह दृष्टि / १५ / दृष्ट ग्रह	राहु
भाव चलित / भाव-मध्य	१: ५१.०८८७; २: ७५.८९००; ३: १००.६९१३; ४: १२५.४९२५; ५: १६०.६९१३; ६: १९५.८९००; ७: २३१.०८८७; ८: २५५.८९००; ९: २८०.६९१३; १०: ३०५.४९२५; ११: ३४०.६९१३; १२: १५.८९००

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
भाव चलित / भाव-मध्य का अर्थ	भाव मध्य
भाव चलित / भाव / १	भाव: १; प्रारंभ: ३३.४८९४; मध्यबिंदु: ५१.०८८७; अंत: ६३.४८९४
भाव चलित / भाव / २	भाव: २; प्रारंभ: ६३.४८९४; मध्यबिंदु: ७५.८९००; अंत: ८८.२९०६
भाव चलित / भाव / ३	भाव: ३; प्रारंभ: ८८.२९०६; मध्यबिंदु: १००.६९१३; अंत: ११३.०९१९
भाव चलित / भाव / ४	भाव: ४; प्रारंभ: ११३.०९१९; मध्यबिंदु: १२५.४९२५; अंत: १४३.०९१९
भाव चलित / भाव / ५	भाव: ५; प्रारंभ: १४३.०९१९; मध्यबिंदु: १६०.६९१३; अंत: १७८.२९०६
भाव चलित / भाव / ६	भाव: ६; प्रारंभ: १७८.२९०६; मध्यबिंदु: १९५.८९००; अंत: २१३.४८९४
भाव चलित / भाव / ७	भाव: ७; प्रारंभ: २१३.४८९४; मध्यबिंदु: २३१.०८८७; अंत: २४३.४८९४
भाव चलित / भाव / ८	भाव: ८; प्रारंभ: २४३.४८९४; मध्यबिंदु: २५५.८९००; अंत: २६८.२९०६
भाव चलित / भाव / ९	भाव: ९; प्रारंभ: २६८.२९०६; मध्यबिंदु: २८०.६९१३; अंत: २९३.०९१९
भाव चलित / भाव / १०	भाव: १०; प्रारंभ: २९३.०९१९; मध्यबिंदु: ३०५.४९२५; अंत: ३२३.०९१९
भाव चलित / भाव / ११	भाव: ११; प्रारंभ: ३२३.०९१९; मध्यबिंदु: ३४०.६९१३; अंत: ३५८.२९०६
भाव चलित / भाव / १२	भाव: १२; प्रारंभ: ३५८.२९०६; मध्यबिंदु: १५.८९००; अंत: ३३.४८९४
भाव चलित / ग्रह भाव	सूर्य: १२; चंद्र: ५; मंगल: ४; बुध: १; बृहस्पति: ७; शुक्र: १२; शनि: ११; राहु: ६; केतु: १२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

पारंपरिक जाँच और अवस्थाएँ

गणना	मान
योग दोष जाँच / योग / १ / नाम	रुचक
योग दोष जाँच / योग / १ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / १ / ग्रह	मंगल
योग दोष जाँच / योग / १ / विशेषक / मंगल	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / २ / नाम	भद्रा
योग दोष जाँच / योग / २ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / २ / ग्रह	बुध
योग दोष जाँच / योग / २ / विशेषक / बुध	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ३ / नाम	हंस
योग दोष जाँच / योग / ३ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ३ / ग्रह	बृहस्पति
योग दोष जाँच / योग / ३ / विशेषक / बृहस्पति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: हाँ; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ४ / नाम	मालव्य
योग दोष जाँच / योग / ४ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ४ / ग्रह	शुक्र
योग दोष जाँच / योग / ४ / विशेषक / शुक्र	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: हाँ; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: हाँ
योग दोष जाँच / योग / ५ / नाम	शश
योग दोष जाँच / योग / ५ / वर्तमान	हाँ

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
योग दोष जाँच / योग / ५ / ग्रह	शनि
योग दोष जाँच / योग / ५ / विशेषक / शनि	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: हाँ; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ६ / नाम	गजकेसरी
योग दोष जाँच / योग / ६ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ६ / ग्रह	बृहस्पति, चंद्र
योग दोष जाँच / योग / ६ / साक्ष्य / सहायक शुभ ग्रह	बुध
योग दोष जाँच / योग / ६ / विशेषक / बृहस्पति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: हाँ; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ६ / विशेषक / चंद्र	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ७ / नाम	बुध आदित्य
योग दोष जाँच / योग / ७ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ७ / ग्रह	सूर्य, बुध
योग दोष जाँच / योग / ७ / विशेषक / सूर्य	उच्च: हाँ; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ७ / विशेषक / बुध	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ८ / नाम	गुरु मंगल
योग दोष जाँच / योग / ८ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ८ / ग्रह	बृहस्पति, मंगल
योग दोष जाँच / योग / ८ / विशेषक / बृहस्पति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: हाँ; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ८ / विशेषक / मंगल	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ९ / नाम	सुनफा
योग दोष जाँच / योग / ९ / वर्तमान	नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
योग दोष जाँच / योग / ९ / ग्रह	कोई नहीं
योग दोष जाँच / योग / १० / नाम	अनफा
योग दोष जाँच / योग / १० / वर्तमान	हाँ
योग दोष जाँच / योग / १० / ग्रह	मंगल
योग दोष जाँच / योग / १० / विशेषक / मंगल	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / ११ / नाम	दुरुधरा
योग दोष जाँच / योग / ११ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / ११ / ग्रह	मंगल
योग दोष जाँच / योग / ११ / विशेषक / मंगल	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १२ / नाम	केमद्रुम
योग दोष जाँच / योग / १२ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / १२ / ग्रह	चंद्र
योग दोष जाँच / योग / १२ / साक्ष्य / आधार स्थिति	नहीं
योग दोष जाँच / योग / १२ / साक्ष्य / रद्द करने वाले ग्रह	कोई नहीं
योग दोष जाँच / योग / १२ / साक्ष्य / लग्न के केंद्र में चंद्र	नहीं
योग दोष जाँच / योग / १२ / विशेषक / चंद्र	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १३ / नाम	धर्म-कर्माधिपति
योग दोष जाँच / योग / १३ / वर्तमान	नहीं
योग दोष जाँच / योग / १३ / ग्रह	शनि
योग दोष जाँच / योग / १३ / विशेषक / शनि	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: हाँ; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १४ / नाम	योगकारक स्वामित्व

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
योग दोष जाँच / योग / १४ / वर्तमान	हाँ
योग दोष जाँच / योग / १४ / ग्रह	शनि
योग दोष जाँच / योग / १४ / विशेषक / शनि	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: हाँ; मित्र राशि: नहीं; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १५ / नाम	धन भाव के स्वामी का संबंध
योग दोष जाँच / योग / १५ / वर्तमान	हाँ
योग दोष जाँच / योग / १५ / ग्रह	बृहस्पति, बुध
योग दोष जाँच / योग / १५ / साक्ष्य / युग्म / १ / भाव	११, ५
योग दोष जाँच / योग / १५ / साक्ष्य / युग्म / १ / स्वामी	बृहस्पति, बुध
योग दोष जाँच / योग / १५ / विशेषक / बृहस्पति	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: हाँ; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १५ / विशेषक / बुध	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १६ / नाम	परिवर्तन
योग दोष जाँच / योग / १६ / वर्तमान	हाँ
योग दोष जाँच / योग / १६ / ग्रह	मंगल, सूर्य
योग दोष जाँच / योग / १६ / साक्ष्य / युग्म / १	सूर्य, मंगल
योग दोष जाँच / योग / १६ / विशेषक / मंगल	उच्च: नहीं; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / योग / १६ / विशेषक / सूर्य	उच्च: हाँ; नीच: नहीं; मूलत्रिकोण: नहीं; स्वराशि: नहीं; मित्र राशि: हाँ; सम राशि: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; अस्त: नहीं; वक्री: नहीं; वर्गोत्तम: नहीं
योग दोष जाँच / दोष / मांगलिक / संदर्भ / लग्न	मंगल का भाव: ४; आधार स्थिति: हाँ; पाँच भाव वाला प्रकार: हाँ
योग दोष जाँच / दोष / मांगलिक / संदर्भ / चंद्र	मंगल का भाव: १२; आधार स्थिति: हाँ; पाँच भाव वाला प्रकार: हाँ
योग दोष जाँच / दोष / मांगलिक / शमनकारी कारक	मंगल स्वराशि या उच्च: नहीं; बृहस्पति की युति या दृष्टि: नहीं
योग दोष जाँच / दोष / मांगलिक / निष्कर्ष	ग्रह-स्थिति की कच्ची जाँच; निरस्तीकरण/मिलान के नियम अलग-अलग हो सकते हैं; गंभीरता की कोई भविष्यवाणी नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
योग दोष जाँच / दोष / कालसर्प	वर्तमान: नहीं; अक्ष सीमा: नहीं; निष्कर्ष: विद्यालय-परंपरा पर निर्भर आवेष्टन-परीक्षण; हानि की भविष्यवाणी नहीं
योग दोष जाँच / व्याख्या	केवल ज्यामितीय निष्कर्ष; विश्लेषण के साथ बल और योग्यताएँ भी शामिल होनी चाहिए
अवस्थाएँ / ग्रह / सूर्य / बालादि	मृत
अवस्थाएँ / ग्रह / सूर्य / जाग्रदादि	जागृत
अवस्थाएँ / ग्रह / सूर्य / दीप्तादि	दीप्त: हाँ; स्वस्थ: नहीं; मुदित: नहीं; शान्त: नहीं; दीन: हाँ; दुःखित: नहीं; विकल: हाँ; खल: हाँ; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / चंद्र / बालादि	कुमार
अवस्थाएँ / ग्रह / चंद्र / जाग्रदादि	स्वप्न
अवस्थाएँ / ग्रह / चंद्र / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: नहीं; मुदित: नहीं; शान्त: नहीं; दीन: हाँ; दुःखित: नहीं; विकल: नहीं; खल: नहीं; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / मंगल / बालादि	बल
अवस्थाएँ / ग्रह / मंगल / जाग्रदादि	स्वप्न
अवस्थाएँ / ग्रह / मंगल / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: नहीं; मुदित: नहीं; शान्त: नहीं; दीन: हाँ; दुःखित: नहीं; विकल: नहीं; खल: हाँ; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / बुध / बालादि	कुमार
अवस्थाएँ / ग्रह / बुध / जाग्रदादि	स्वप्न
अवस्थाएँ / ग्रह / बुध / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: नहीं; मुदित: हाँ; शान्त: नहीं; दीन: नहीं; दुःखित: नहीं; विकल: नहीं; खल: नहीं; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / बृहस्पति / बालादि	कुमार
अवस्थाएँ / ग्रह / बृहस्पति / जाग्रदादि	स्वप्न
अवस्थाएँ / ग्रह / बृहस्पति / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: नहीं; मुदित: हाँ; शान्त: नहीं; दीन: नहीं; दुःखित: नहीं; विकल: नहीं; खल: हाँ; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / शुक्र / बालादि	बल
अवस्थाएँ / ग्रह / शुक्र / जाग्रदादि	स्वप्न
अवस्थाएँ / ग्रह / शुक्र / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: नहीं; मुदित: नहीं; शान्त: नहीं; दीन: नहीं; दुःखित: हाँ; विकल: हाँ; खल: हाँ; कोपित: नहीं
अवस्थाएँ / ग्रह / शनि / बालादि	मृत
अवस्थाएँ / ग्रह / शनि / जाग्रदादि	जागृत
अवस्थाएँ / ग्रह / शनि / दीप्तादि	दीप्त: नहीं; स्वस्थ: हाँ; मुदित: नहीं; शान्त: नहीं; दीन: नहीं; दुःखित: नहीं; विकल: नहीं; खल: हाँ; कोपित: नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
अवस्थाएँ / दीप्तादि परंपरा	पंचविध राशि-स्वामी संबंध; उसी राशि में पाप ग्रह का संबंध; अस्त होने की कक्षाएँ

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

ग्रह मैत्री

स्वाभाविक

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूर्य	लागू नहीं	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	लागू नहीं	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	लागू नहीं	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	लागू नहीं	सम	मित्र	सम
बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	लागू नहीं	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	लागू नहीं	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	लागू नहीं

तात्कालिक

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूर्य	लागू नहीं	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	लागू नहीं	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	लागू नहीं	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	लागू नहीं	शत्रु	मित्र	मित्र
बृहस्पति	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	लागू नहीं	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	लागू नहीं	मित्र
शनि	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	लागू नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

पंचविध

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूर्य	लागू नहीं	सम	सम	मित्र	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	लागू नहीं	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	सम	अधिमित्र	लागू नहीं	सम	अधिमित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	अधिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	लागू नहीं	शत्रु	अधिमित्र	मित्र
बृहस्पति	सम	अधिमित्र	अधिमित्र	अधिशत्रु	लागू नहीं	अधिशत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु	लागू नहीं	अधिमित्र
शनि	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	लागू नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

बल गणनाएँ

घटक	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
स्थान बल	१४०.५५००	१४६.०४००	२०३.३१००	२२७.४३००	२१४.०२००	९८.२९००	२५९.०३००
दिक् बल	३२.८०००	४५.६२००	१.६८००	५९.१५००	०.६३००	१८.२६००	२७.५२००
काल बल	१५२.७५००	१५६.२९००	१००.५४००	२८५.५४००	१४३.००००	१९८.३३००	७२.३५००
चेष्टा बल	०.००००	०.००००	३८.४६००	३५.२१००	५१.८०००	१५.८३००	१९.२३००
नैसर्गिक बल	६०.००००	५१.४३००	१७.१४००	२५.७१००	३४.२९००	४२.८६००	८.५७००
दृक् बल	६.४१००	-०.१५००	१५.९९००	२.९८००	-२.१२००	१४.२९००	६.०५००
कुल षष्ट्यंश	३९२.५१००	३९९.२३००	३७७.१२००	६३६.०२००	४४१.६२००	३८७.८६००	३९२.७५००
कुल रूप	६.५४००	६.६५००	६.२९००	१०.६०००	७.३६००	६.४६००	६.५५००
आवश्यक रूप	५.००००	६.००००	५.००००	७.००००	६.५०००	५.५०००	५.००००
बल अनुपात	१.३१००	१.११००	१.२६००	१.५१००	१.१३००	१.१८००	१.३१००
न्यूनतम मान पूरा करता है	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

षड्बल के घटक (विरूप)

घटक	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	५४.३०००	१४.७९००	०.८१००	२१.१८००	१५.२७००	५८.९१००	१७.१५००
सप्तवर्गज बल	४१.२५००	८६.२५००	९७.५०००	११६.२५००	१२३.७५००	२४.३८००	१५१.८८००
ओजयुग्म बल	३०.००००	१५.००००	३०.००००	१५.००००	१५.००००	०.००००	३०.००००
केन्द्रादि बल	१५.००००	३०.००००	६०.००००	६०.००००	६०.००००	१५.००००	६०.००००
द्रेष्काण बल	०.००००	०.००००	१५.००००	१५.००००	०.००००	०.००००	०.००००
नाथोन्नत बल	३४.३२००	२५.६८००	२५.६८००	६०.००००	३४.३२००	३४.३२००	२५.६८००
पक्ष बल	१२.८२००	९४.३६००	१२.८२००	४७.१८००	४७.१८००	४७.१८००	१२.८२००
त्रिभाग बल	०.००००	०.००००	०.००००	६०.००००	६०.००००	०.००००	०.००००
अब्ध बल	०.००००	०.००००	१५.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००
मास बल	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	३०.००००	०.००००
वार बल	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	४५.००००	०.००००
होरा बल	०.००००	०.००००	०.००००	६०.००००	०.००००	०.००००	०.००००
अयन बल	१०५.६१००	३६.२५००	४७.०४००	५८.३६००	१.५०००	४१.८३००	३३.८५००
युद्ध बल	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००	०.००००

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

भावबल / सभी भाव

गणना	मान
/ १ / भाव	१
/ १ / स्वामी	शुक्र
/ १ / भावाधिपति	३८७.८६००
/ १ / भाव दिक्	३०
/ १ / भाव दृष्टि	४७.०४०१
/ १ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -०.०००००; चंद्र: ७.१९२९; मंगल: -१.१६८८; बुध: ०.०००००; बृहस्पति: ५९.०५११; शुक्र: २.६०२४; शनि: -२०.६३७५
/ १ / कुल विरूप	४६४.९००१
/ १ / कुल रूप	७.७४८३
/ १ / रैंक	९
/ २ / भाव	२
/ २ / स्वामी	बुध
/ २ / भावाधिपति	६३६.०२००
/ २ / भाव दिक्	५०
/ २ / भाव दृष्टि	४६.९६८३
/ २ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -२.३४८९; चंद्र: ४.०९२८; मंगल: -०.०००००; बुध: ०.०००००; बृहस्पति: ४६.६५०४; शुक्र: ७.६५५१; शनि: -९.०८११
/ २ / कुल विरूप	७३२.९८८३
/ २ / कुल रूप	१२.२१६५
/ २ / रैंक	१
/ ३ / भाव	३
/ ३ / स्वामी	चंद्र
/ ३ / भावाधिपति	३९९.२३००
/ ३ / भाव दिक्	५०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
/ ३ / भाव दृष्टि	४४.६५७५
/ ३ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -७.१४८१; चंद्र: ०.९९२६; मंगल: -०.०००००; बुध: ११.०७७८; बृहस्पति: ३४.२४९८; शुक्र: ९.९४७३; शनि: -४.४६१९
/ ३ / कुल विरूप	४९३.८८७५
/ ३ / कुल रूप	८.२३१५
/ ३ / रैंक	४
/ ४ / भाव	४
/ ४ / स्वामी	सूर्य
/ ४ / भावाधिपति	३९२.५१००
/ ४ / भाव दिक्	०
/ ४ / भाव दृष्टि	७६.३२२५
/ ४ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -१०.२००८; चंद्र: ०.०००००; मंगल: -०.०००००; बुध: ३१.९५६८; बृहस्पति: ५१.८४९२; शुक्र: ६.१९४३; शनि: -३.४७६९
/ ४ / कुल विरूप	४६८.८३२५
/ ४ / कुल रूप	७.८१३९
/ ४ / रैंक	८
/ ५ / भाव	५
/ ५ / स्वामी	बुध
/ ५ / भावाधिपति	६३६.०२००
/ ५ / भाव दिक्	२०
/ ५ / भाव दृष्टि	२४.५१८५
/ ५ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -४.१०१९; चंद्र: ०.०००००; मंगल: -१.२८१५; बुध: ३३.९२२२; बृहस्पति: ४.२४९८; शुक्र: ५.२१०८; शनि: -१३.४८०९
/ ५ / कुल विरूप	६८०.५३८५
/ ५ / कुल रूप	११.३४२३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
/ ५ / रैंक	२
/ ६ / भाव	६
/ ६ / स्वामी	शुक्र
/ ६ / भावाधिपति	३८७.८६००
/ ६ / भाव दिक्	१०
/ ६ / भाव दृष्टि	-१०.३९६१
/ ६ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -९.३९५५; चंद्र: ०.००००; मंगल: -७.६१२७; बुध: २.६४५७; बृहस्पति: ०.००००; शुक्र: १३.०४७५; शनि: -९.०८११
/ ६ / कुल विरूप	३८७.४६३९
/ ६ / कुल रूप	६.४५७७
/ ६ / रैंक	१२
/ ७ / भाव	७
/ ७ / स्वामी	मंगल
/ ७ / भावाधिपति	३७७.१२००
/ ७ / भाव दिक्	६०
/ ७ / भाव दृष्टि	४२.६३३९
/ ७ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -१२.००१३; चंद्र: ४.३६४२; मंगल: -१२.४१८८; बुध: ५८.७२३५; बृहस्पति: ०.०००; शुक्र: ८.६४७६; शनि: -४.६८१२
/ ७ / कुल विरूप	४७९.७५३९
/ ७ / कुल रूप	७.९९५९
/ ७ / रैंक	७
/ ८ / भाव	८
/ ८ / स्वामी	बृहस्पति
/ ८ / भावाधिपति	४४१.६२००
/ ८ / भाव दिक्	४०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
/ ८ / भाव दृष्टि	३७.०६५३
/ ८ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -८.९०११; चंद्र: १०.५६४५; मंगल: -३.६३७३; बुध: ४६.३२२९; बृहस्पति: ०.०००; शुक्र: ५.५४७५; शनि: -१२.८३११
/ ८ / कुल विरूप	५१८.६८५३
/ ८ / कुल रूप	८.६४४८
/ ८ / रैंक	३
/ ९ / भाव	९
/ ९ / स्वामी	शनि
/ ९ / भावाधिपति	३९२.७५००
/ ९ / भाव दिक्	५०
/ ९ / भाव दृष्टि	४४.६८५३
/ ९ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -५.८०१०; चंद्र: ८.४९२६; मंगल: -५.१२६०; बुध: ३३.९२२२; बृहस्पति: १०.७५०२; शुक्र: २.४४७३; शनि: -०.००००
/ ९ / कुल विरूप	४८७.४३५३
/ ९ / कुल रूप	८.१२३९
/ ९ / रैंक	५
/ १० / भाव	१०
/ १० / स्वामी	शनि
/ १० / भावाधिपति	३९२.७५००
/ १० / भाव दिक्	३०
/ १० / भाव दृष्टि	३९.०३९०
/ १० / दृष्टि योगदान	सूर्य: -२.७००८; चंद्र: ३.२८४९; मंगल: -१४.३६८३; बुध: २१.५२१६; बृहस्पति: ३१.३०१७; शुक्र: ०.०००; शनि: -०.००००
/ १० / कुल विरूप	४६१.७८९०
/ १० / कुल रूप	७.६९६५

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
/ १० / रैंक	१०
/ ११ / भाव	११
/ ११ / स्वामी	बृहस्पति
/ ११ / भावाधिपति	४४१.६२००
/ ११ / भाव दिक्	१०
/ ११ / भाव दृष्टि	३५.४८३२
/ ११ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -०.०००००; चंद्र: ११.०२९६; मंगल: -१३.७१८५; बुध: ३.९२२२; बृहस्पति: ३४.२४९८; शुक्र: ०.०००००; शनि: -०.००००
/ ११ / कुल विरूप	४८७.१०३२
/ ११ / कुल रूप	८.११८४
/ ११ / रैंक	६
/ १२ / भाव	१२
/ १२ / स्वामी	मंगल
/ १२ / भावाधिपति	३७७.१२००
/ १२ / भाव दिक्	४०
/ १२ / भाव दृष्टि	३७.१५६१
/ १२ / दृष्टि योगदान	सूर्य: -०.०००००; चंद्र: ११.५९२८; मंगल: -५.५६८७; बुध: ०.०००००; बृहस्पति: ३३.३००९; शुक्र: ०.०००००; शनि: -२.१६८९
/ १२ / कुल विरूप	४५४.२७६१
/ १२ / कुल रूप	७.५७१३
/ १२ / रैंक	११

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

अष्टकवर्ग एवं प्रस्थार

भिन्न अष्टकवर्ग

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	५	३	२	५	३	५	५	४	२	२	६	६
चंद्र	१	४	६	५	३	५	४	४	५	३	६	३
मंगल	१	३	२	३	४	६	४	४	१	१	६	४
बुध	५	५	५	३	५	५	५	३	५	१	७	५
बृहस्पति	२	७	६	३	५	५	४	४	३	७	६	४
शुक्र	४	४	५	६	४	५	४	५	४	५	२	४
शनि	४	३	२	५	१	२	५	२	३	३	५	४

गणना	मान
सर्वाष्टकवर्ग	मेष: २२; वृषभ: २९; मिथुन: २८; कर्क: ३०; सिंह: २५; कन्या: ३३; तुला: ३१; वृश्चिक: २६; धनु: २३; मकर: २२; कुंभ: ३८; मीन: ३०; कुल: ३३७
भाव के अंक	१: २९; २: २८; ३: ३०; ४: २५; ५: ३३; ६: ३१; ७: २६; ८: २३; ९: २२; १०: ३८; ११: ३०; १२: २२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

सूर्य / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	१	१	०	१	०	०	१	१	१	१	१	०
चंद्र	०	०	१	१	०	०	०	१	०	०	१	०
मंगल	१	१	१	०	१	१	०	१	०	०	१	१
बुध	१	०	०	१	०	१	१	०	०	१	१	१
बृहस्पति	१	०	०	१	०	१	०	०	०	०	०	१
शुक्र	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०	१
शनि	०	१	०	०	१	१	१	१	१	०	१	१
लग्न	१	०	०	१	१	०	१	०	०	०	१	१

चंद्र / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	०	०	१	०	०	१	१	१	०	१	१	०
चंद्र	०	१	१	१	०	१	०	१	०	०	१	१
मंगल	०	१	१	०	०	१	१	०	१	१	०	०
बुध	०	१	०	१	१	१	०	१	१	०	१	१
बृहस्पति	०	१	१	०	१	१	०	१	१	०	१	०
शुक्र	०	०	१	१	१	०	१	०	१	१	१	०
शनि	१	०	१	१	०	०	०	०	१	०	०	०
लग्न	०	०	०	१	०	०	१	०	०	०	१	१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

मंगल / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	०	०	१	०	१	१	०	०	०	१	१	०
चंद्र	०	०	०	१	०	०	०	१	०	०	१	०
मंगल	०	१	१	०	१	१	०	१	०	०	१	१
बुध	०	०	०	१	०	१	१	०	०	०	०	१
बृहस्पति	१	०	०	०	१	१	१	०	०	०	०	०
शुक्र	०	०	०	०	०	१	०	१	०	०	१	१
शनि	०	१	०	०	१	१	१	१	१	०	१	०
लग्न	०	१	०	१	०	०	१	०	०	०	१	१

बुध / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	०	०	०	०	१	१	०	०	१	०	१	१
चंद्र	१	०	१	१	०	०	१	०	१	०	१	०
मंगल	१	१	१	०	१	१	०	१	०	०	१	१
बुध	१	१	०	१	०	१	१	०	०	१	१	१
बृहस्पति	१	०	१	०	०	१	१	०	०	०	०	०
शुक्र	१	१	१	१	१	०	०	१	१	०	१	०
शनि	०	१	०	०	१	१	१	१	१	०	१	१
लग्न	०	१	१	०	१	०	१	०	१	०	१	१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

बृहस्पति / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	१	१	१	१	०	०	१	१	१	१	१	०
चंद्र	०	१	०	१	०	०	१	०	०	१	०	१
मंगल	०	१	१	०	१	१	०	१	०	०	१	१
बुध	०	१	१	०	१	१	१	०	०	१	१	१
बृहस्पति	०	१	१	०	१	१	०	१	१	१	१	०
शुक्र	०	१	०	०	१	१	०	०	१	१	१	०
शनि	१	०	१	१	०	०	०	०	०	१	०	०
लग्न	०	१	१	०	१	१	१	१	०	१	१	१

शुक्र / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	१	१
चंद्र	१	१	०	१	१	१	१	१	१	१	०	०
मंगल	१	०	१	१	०	०	१	१	०	१	०	०
बुध	०	०	०	१	०	१	१	०	०	१	०	१
बृहस्पति	०	०	१	१	१	१	०	०	०	०	०	१
शुक्र	१	१	१	१	१	०	०	१	१	१	१	०
शनि	१	१	१	०	०	१	१	१	१	०	०	०
लग्न	०	१	१	१	१	१	०	०	१	१	०	१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

शनि / योगदान अंक

ग्रह	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	१	१	०	१	०	०	१	१	०	१	१	०
चंद्र	०	०	०	१	०	०	०	१	०	०	१	०
मंगल	०	१	१	१	०	०	१	०	१	१	०	०
बुध	१	०	०	०	०	०	१	०	१	१	१	१
बृहस्पति	१	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०	१
शुक्र	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	१	१
शनि	१	०	१	१	०	०	०	०	१	०	०	०
लग्न	०	१	०	१	१	०	१	०	०	०	१	१

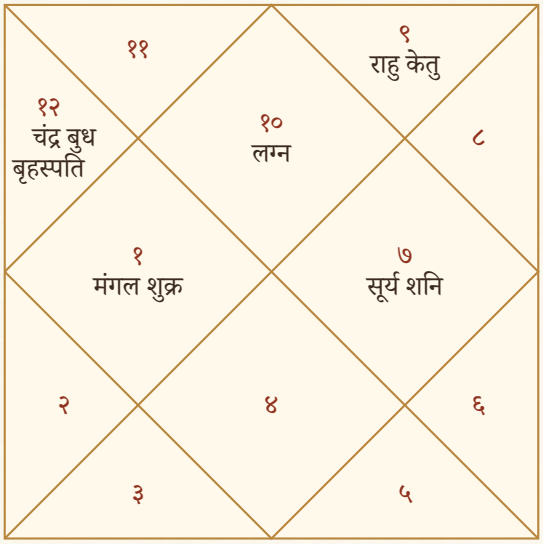
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

विभागीय स्थितियाँ

वर्ग ३० / त्रिंशांश

वर्ग ३०

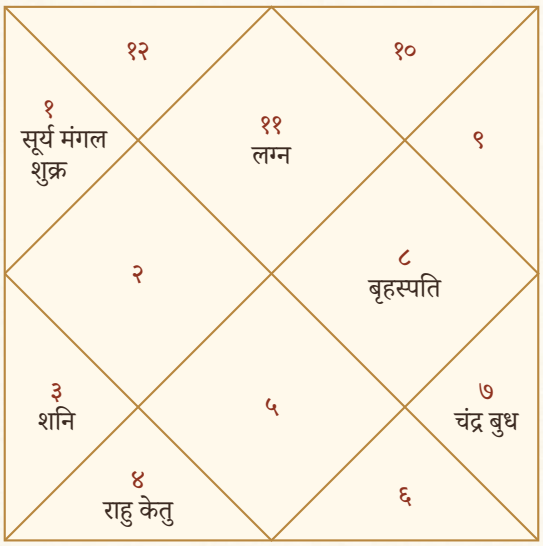


स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मकर	६.५३	१
सूर्य	तुला	१२.५९	१०
चंद्र	मीन	२४.८७	३
मंगल	मेष	२.६४	४
बुध	मीन	२४.५१	३
बृहस्पति	मीन	२६.९७	३
शुक्र	मेष	१.६२	४
शनि	तुला	२१.२३	१०
राहु	धनु	६.६८	१२
केतु	धनु	६.६८	१२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ४० / खवेदांश

वर्ग ४०



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	कुंभ	३.५५	१
सूर्य	मेष	३.९६	३
चंद्र	तुला	२५.२८	९
मंगल	मेष	१७.५७	३
बुध	तुला	२१.४३	९
बृहस्पति	वृश्चिक	१७.६३	१०
शुक्र	मेष	१०.७८	३
शनि	मिथुन	१.५५	५
राहु	कर्क	२१.२७	६
केतु	कर्क	२१.२७	६

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ४५ / अक्षवेदांश

वर्ग ४५



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	मीन	१८.९९	१
सूर्य	सिंह	१९.४६	६
चंद्र	मीन	२८.४४	१
मंगल	सिंह	१९.७७	६
बुध	वृश्चिक	२४.११	९
बृहस्पति	धनु	२३.५९	१०
शुक्र	मेष	१२.१३	२
शनि	कुंभ	२४.२४	१२
राहु	कन्या	२०.१८	७
केतु	कन्या	२०.१८	७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

वर्ग ६० / षष्ट्यंश

वर्ग ६०



स्थिति	राशि	अंश	भाव
लग्न	वृश्चिक	५.३२	१
सूर्य	तुला	५.९४	१२
चंद्र	तुला	७.९२	१२
मंगल	सिंह	२६.३५	१०
बुध	मिथुन	२.१४	८
बृहस्पति	मकर	११.४५	३
शुक्र	मेष	१६.१८	६
शनि	वृश्चिक	२.३२	१
राहु	कन्या	१६.९१	११
केतु	मीन	१६.९१	५

गणना	मान
वर्गोत्तम	सूर्य: नहीं; चंद्र: नहीं; मंगल: नहीं; बुध: नहीं; बृहस्पति: नहीं; शुक्र: हाँ; शनि: नहीं; राहु: नहीं; केतु: नहीं
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / १ / राशि	मेष
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग २७, वर्ग ४०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / २ / राशि	धनु
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / २ / वर्ग	वर्ग ३, वर्ग ९
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / ३ / राशि	मकर
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / ३ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग १०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / ४ / राशि	तुला
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / सूर्य / ४ / वर्ग	वर्ग ७, वर्ग २०, वर्ग ३०, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / १ / राशि	कन्या
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग १६, वर्ग २४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / २ / राशि	सिंह
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / २ / वर्ग	वर्ग २, वर्ग २०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ३ / राशि	मीन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ३ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग ३०, वर्ग ४५
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ४ / राशि	वृश्चिक
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ४ / वर्ग	वर्ग १०, वर्ग २७
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ५ / राशि	तुला
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / चंद्र / ५ / वर्ग	वर्ग ४०, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / मंगल / १ / राशि	सिंह
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / मंगल / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग २, वर्ग ३, वर्ग ४, वर्ग ७, वर्ग १०, वर्ग १२, वर्ग १६, वर्ग २४, वर्ग ४५, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / मंगल / २ / राशि	मेष
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / मंगल / २ / वर्ग	वर्ग ९, वर्ग २७, वर्ग ३०, वर्ग ४०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / १ / राशि	वृषभ
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग १६
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / २ / राशि	कन्या
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / २ / वर्ग	वर्ग ३, वर्ग २४
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ३ / राशि	वृश्चिक
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ३ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग २७, वर्ग ४५
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ४ / राशि	मीन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ४ / वर्ग	वर्ग ७, वर्ग ३०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ५ / राशि	मिथुन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ५ / वर्ग	वर्ग ९, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ६ / राशि	धनु

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बुध / ६ / वर्ग	वर्ग १२, वर्ग २०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / १ / राशि	वृश्चिक
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग ४०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / २ / राशि	मीन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / २ / वर्ग	वर्ग ३, वर्ग ३०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ३ / राशि	धनु
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ३ / वर्ग	वर्ग ९, वर्ग २०, वर्ग ४५
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ४ / राशि	मकर
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ४ / वर्ग	वर्ग १०, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ५ / राशि	मिथुन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / बृहस्पति / ५ / वर्ग	वर्ग १२, वर्ग १६, वर्ग २७
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शुक्र / १ / राशि	मेष
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शुक्र / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग ३, वर्ग ४, वर्ग ७, वर्ग ९, वर्ग १०, वर्ग १२, वर्ग १६, वर्ग २०, वर्ग २७, वर्ग ३०, वर्ग ४०, वर्ग ४५, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शुक्र / २ / राशि	सिंह
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शुक्र / २ / वर्ग	वर्ग २, वर्ग २४
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / १ / राशि	कुंभ
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग ४५
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / २ / राशि	कर्क
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / २ / वर्ग	वर्ग २, वर्ग २०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ३ / राशि	तुला
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ३ / वर्ग	वर्ग ३, वर्ग ३०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ४ / राशि	वृश्चिक
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ४ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग १०, वर्ग १६, वर्ग २७, वर्ग ६०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ५ / राशि	मिथुन
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / शनि / ५ / वर्ग	वर्ग ९, वर्ग २४, वर्ग ४०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / १ / राशि	तुला
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / १ / वर्ग	वर्ग १, वर्ग १६
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / २ / राशि	सिंह
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / २ / वर्ग	वर्ग २, वर्ग २७
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ३ / राशि	कुंभ
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ३ / वर्ग	वर्ग ३, वर्ग १२
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ४ / राशि	मकर
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ४ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग ९, वर्ग १०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ५ / राशि	धनु
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ५ / वर्ग	वर्ग ७, वर्ग ३०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ६ / राशि	कन्या
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / राहु / ६ / वर्ग	वर्ग ४५, वर्ग ६०
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / केतु / १ / राशि	सिंह
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / केतु / १ / वर्ग	वर्ग २, वर्ग ३, वर्ग १२
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / केतु / २ / राशि	कर्क
बार-बार आने वाली राशि की शक्ति / केतु / २ / वर्ग	वर्ग ४, वर्ग ९, वर्ग १०, वर्ग ४०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

विंशोत्तरी अवधि-पंचांग

सभी दिए गए महादशा, अंतर्दशा और प्रत्यंतरदशा काल। तिथियों में उपयोग होता है भारतीय मानक समय। अंतराल में आरंभ शामिल होता है और अंत शामिल नहीं होता; संक्रमण प्रदर्शित तिथि के भीतर हो सकता है। दी गई परंपरा में ३६५.२४२५-दिवसीय वर्ष का उपयोग किया गया है।

गणना	मान
के अनुसार	३ नवंबर २०२६ ००:००:००
वर्तमान	महादशा: बृहस्पति; अंतर्दशा: शनि; प्रत्यंतरदशा: केतु; प्रत्यंतरदशा समाप्ति: ४ दिसंबर २०२६ २२:४७:३७
जन्म शेष वर्ष	३.५२६०
आवरण समाप्ति	१२ मई २११५ ०९:३९:००

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

चंद्र / १२ मई १९९५ - २० नवंबर १९९८

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बुध	चंद्र	१२ मई १९९५ ०७:१५:००	०६ जून १९९५ ००:२०:००
बुध	मंगल	०६ जून १९९५ ००:२०:००	०६ जुलाई १९९५ ०४:४३:५२
बुध	राहु	०६ जुलाई १९९५ ०४:४३:५२	२१ सितंबर १९९५ १९:२८:०४
बुध	बृहस्पति	२१ सितंबर १९९५ १९:२८:०४	२९ नवंबर १९९५ १९:१४:०२
बुध	शनि	२९ नवंबर १९९५ १९:१४:०२	१९ फ़रवरी १९९६ १७:२७:२१
केतु	केतु	१९ फ़रवरी १९९६ १७:२७:२१	०३ मार्च १९९६ ०३:४४:१४
केतु	शुक्र	०३ मार्च १९९६ ०३:४४:१४	०७ अप्रैल १९९६ १५:५८:११
केतु	सूर्य	०७ अप्रैल १९९६ १५:५८:११	१८ अप्रैल १९९६ ०७:३८:२२
केतु	चंद्र	१८ अप्रैल १९९६ ०७:३८:२२	०६ मई १९९६ ०१:४५:२१
केतु	मंगल	०६ मई १९९६ ०१:४५:२१	१८ मई १९९६ १२:०२:१४
केतु	राहु	१८ मई १९९६ १२:०२:१४	१९ जून १९९६ ११:०२:४७
केतु	बृहस्पति	१९ जून १९९६ ११:०२:४७	१७ जुलाई १९९६ २०:४९:५७
केतु	शनि	१७ जुलाई १९९६ २०:४९:५७	२० अगस्त १९९६ १४:२७:१२
केतु	बुध	२० अगस्त १९९६ १४:२७:१२	१९ सितंबर १९९६ १८:५१:०३
शुक्र	शुक्र	१९ सितंबर १९९६ १८:५१:०३	३० दिसंबर १९९६ ०५:४८:०३
शुक्र	सूर्य	३० दिसंबर १९९६ ०५:४८:०३	२९ जनवरी १९९७ १६:१७:०९
शुक्र	चंद्र	२९ जनवरी १९९७ १६:१७:०९	२१ मार्च १९९७ ०९:४५:३९
शुक्र	मंगल	२१ मार्च १९९७ ०९:४५:३९	२५ अप्रैल १९९७ २१:५९:३६
शुक्र	राहु	२५ अप्रैल १९९७ २१:५९:३६	२६ जुलाई १९९७ ०५:२६:५४
शुक्र	बृहस्पति	२६ जुलाई १९९७ ०५:२६:५४	१५ अक्टूबर १९९७ ०९:२४:३०
शुक्र	शनि	१५ अक्टूबर १९९७ ०९:२४:३०	१९ जनवरी १९९८ १८:३६:३९
शुक्र	बुध	१९ जनवरी १९९८ १८:३६:३९	१६ अप्रैल १९९८ ००:१९:०६

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शुक्र	केतु	१६ अप्रैल १९९८ ००:१९:०६	२१ मई १९९८ १२:३३:०३
सूर्य	सूर्य	२१ मई १९९८ १२:३३:०३	३० मई १९९८ १५:४१:४७
सूर्य	चंद्र	३० मई १९९८ १५:४१:४७	१४ जून १९९८ २०:५६:२०
सूर्य	मंगल	१४ जून १९९८ २०:५६:२०	२५ जून १९९८ १२:३६:३१
सूर्य	राहु	२५ जून १९९८ १२:३६:३१	२२ जुलाई १९९८ २२:०२:४३
सूर्य	बृहस्पति	२२ जुलाई १९९८ २२:०२:४३	१६ अगस्त १९९८ ०६:२५:५९
सूर्य	शनि	१६ अगस्त १९९८ ०६:२५:५९	१४ सितंबर १९९८ ०४:२३:३८
सूर्य	बुध	१४ सितंबर १९९८ ०४:२३:३८	१० अक्टूबर १९९८ ०१:१८:२२
सूर्य	केतु	१० अक्टूबर १९९८ ०१:१८:२२	२० अक्टूबर १९९८ १६:५८:३३
सूर्य	शुक्र	२० अक्टूबर १९९८ १६:५८:३३	२० नवंबर १९९८ ०३:२७:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

मंगल / २० नवंबर १९९८ - १९ नवंबर २००५

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
मंगल	मंगल	२० नवंबर १९९८ ०३:२७:३९	२८ नवंबर १९९८ २०:१५:२८
मंगल	राहु	२८ नवंबर १९९८ २०:१५:२८	२१ दिसंबर १९९८ ०५:०९:५२
मंगल	बृहस्पति	२१ दिसंबर १९९८ ०५:०९:५२	१० जनवरी १९९९ ०२:२४:५२
मंगल	शनि	१० जनवरी १९९९ ०२:२४:५२	०२ फ़रवरी १९९९ १७:०८:५७
मंगल	बुध	०२ फ़रवरी १९९९ १७:०८:५७	२३ फ़रवरी १९९९ २०:१३:३९
मंगल	केतु	२३ फ़रवरी १९९९ २०:१३:३९	०४ मार्च १९९९ १३:०१:२८
मंगल	शुक्र	०४ मार्च १९९९ १३:०१:२८	२९ मार्च १९९९ ०९:३५:१४
मंगल	सूर्य	२९ मार्च १९९९ ०९:३५:१४	०५ अप्रैल १९९९ २०:३३:२२
मंगल	चंद्र	०५ अप्रैल १९९९ २०:३३:२२	१८ अप्रैल १९९९ ०६:५०:१५
राहु	राहु	१८ अप्रैल १९९९ ०६:५०:१५	१४ जून १९९९ १९:२७:१५
राहु	बृहस्पति	१४ जून १९९९ १९:२७:१५	०४ अगस्त १९९९ २२:४०:०८
राहु	शनि	०४ अगस्त १९९९ २२:४०:०८	०४ अक्टूबर १९९९ १५:५९:११
राहु	बुध	०४ अक्टूबर १९९९ १५:५९:११	२७ नवंबर १९९९ २३:५४:०८
राहु	केतु	२७ नवंबर १९९९ २३:५४:०८	२० दिसंबर १९९९ ०८:४८:३१
राहु	शुक्र	२० दिसंबर १९९९ ०८:४८:३१	२२ फ़रवरी २००० ०६:४९:३८
राहु	सूर्य	२२ फ़रवरी २००० ०६:४९:३८	१२ मार्च २००० ११:०१:५८
राहु	चंद्र	१२ मार्च २००० ११:०१:५८	१३ अप्रैल २००० १०:०२:३१
राहु	मंगल	१३ अप्रैल २००० १०:०२:३१	०५ मई २००० १८:५६:५४
बृहस्पति	बृहस्पति	०५ मई २००० १८:५६:५४	२० जून २००० ०५:४८:२२
बृहस्पति	शनि	२० जून २००० ०५:४८:२२	१३ अगस्त २००० ०५:११:५८
बृहस्पति	बुध	१३ अगस्त २००० ०५:११:५८	३० सितंबर २००० १२:१४:०८
बृहस्पति	केतु	३० सितंबर २००० १२:१४:०८	२० अक्टूबर २००० ०९:२९:०९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बृहस्पति	शुक्र	२० अक्टूबर २००० ०९:२९:०९	१६ दिसंबर २००० ०५:०३:२८
बृहस्पति	सूर्य	१६ दिसंबर २००० ०५:०३:२८	०२ जनवरी २००१ ०६:०७:४६
बृहस्पति	चंद्र	०२ जनवरी २००१ ०६:०७:४६	३० जनवरी २००१ १५:५४:५६
बृहस्पति	मंगल	३० जनवरी २००१ १५:५४:५६	१९ फ़रवरी २००१ १३:०९:५६
बृहस्पति	राहु	१९ फ़रवरी २००१ १३:०९:५६	११ अप्रैल २००१ १६:२२:५०
शनि	शनि	११ अप्रैल २००१ १६:२२:५०	१४ जून २००१ १८:३९:३६
शनि	बुध	१४ जून २००१ १८:३९:३६	११ अगस्त २००१ ०३:००:५६
शनि	केतु	११ अगस्त २००१ ०३:००:५६	०३ सितंबर २००१ १७:४५:०१
शनि	शुक्र	०३ सितंबर २००१ १७:४५:०१	१० नवंबर २००१ ०४:५९:३१
शनि	सूर्य	१० नवंबर २००१ ०४:५९:३१	३० नवंबर २००१ १०:४५:५२
शनि	चंद्र	३० नवंबर २००१ १०:४५:५२	०३ जनवरी २००२ ०४:२३:०७
शनि	मंगल	०३ जनवरी २००२ ०४:२३:०७	२६ जनवरी २००२ १९:०७:१२
शनि	राहु	२६ जनवरी २००२ १९:०७:१२	२८ मार्च २००२ १२:२६:१५
शनि	बृहस्पति	२८ मार्च २००२ १२:२६:१५	२१ मई २००२ ११:४९:५१
बुध	बुध	२१ मई २००२ ११:४९:५१	११ जुलाई २००२ १९:१८:२५
बुध	केतु	११ जुलाई २००२ १९:१८:२५	०१ अगस्त २००२ २२:२३:०७
बुध	शुक्र	०१ अगस्त २००२ २२:२३:०७	०१ अक्टूबर २००२ ०७:१०:५०
बुध	सूर्य	०१ अक्टूबर २००२ ०७:१०:५०	१९ अक्टूबर २००२ ०९:४९:०९
बुध	चंद्र	१९ अक्टूबर २००२ ०९:४९:०९	१८ नवंबर २००२ १४:१३:००
बुध	मंगल	१८ नवंबर २००२ १४:१३:००	०९ दिसंबर २००२ १७:१७:४२
बुध	राहु	०९ दिसंबर २००२ १७:१७:४२	०२ फ़रवरी २००३ ०१:१२:३९
बुध	बृहस्पति	०२ फ़रवरी २००३ ०१:१२:३९	२२ मार्च २००३ ०८:१४:४९
बुध	शनि	२२ मार्च २००३ ०८:१४:४९	१८ मई २००३ १६:३६:०९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
केतु	केतु	१८ मई २००३ १६:३६:०९	२७ मई २००३ ०९:२३:५८
केतु	शुक्र	२७ मई २००३ ०९:२३:५८	२१ जून २००३ ०५:५७:४४
केतु	सूर्य	२१ जून २००३ ०५:५७:४४	२८ जून २००३ १६:५५:५१
केतु	चंद्र	२८ जून २००३ १६:५५:५१	११ जुलाई २००३ ०३:१२:४४
केतु	मंगल	११ जुलाई २००३ ०३:१२:४४	१९ जुलाई २००३ २०:००:३३
केतु	राहु	१९ जुलाई २००३ २०:००:३३	११ अगस्त २००३ ०४:५४:५७
केतु	बृहस्पति	११ अगस्त २००३ ०४:५४:५७	३१ अगस्त २००३ ०२:०९:५८
केतु	शनि	३१ अगस्त २००३ ०२:०९:५८	२३ सितंबर २००३ १६:५४:०२
केतु	बुध	२३ सितंबर २००३ १६:५४:०२	१४ अक्टूबर २००३ १९:५८:४४
शुक्र	शुक्र	१४ अक्टूबर २००३ १९:५८:४४	२४ दिसंबर २००३ २०:२६:३८
शुक्र	सूर्य	२४ दिसंबर २००३ २०:२६:३८	१५ जनवरी २००४ ०३:४७:००
शुक्र	चंद्र	१५ जनवरी २००४ ०३:४७:००	१९ फ़रवरी २००४ १६:००:५७
शुक्र	मंगल	१९ फ़रवरी २००४ १६:००:५७	१५ मार्च २००४ १२:३४:४३
शुक्र	राहु	१५ मार्च २००४ १२:३४:४३	१८ मई २००४ १०:३५:५०
शुक्र	बृहस्पति	१८ मई २००४ १०:३५:५०	१४ जुलाई २००४ ०६:१०:०९
शुक्र	शनि	१४ जुलाई २००४ ०६:१०:०९	१९ सितंबर २००४ १७:२४:३९
शुक्र	बुध	१९ सितंबर २००४ १७:२४:३९	१९ नवंबर २००४ ०२:१२:२२
शुक्र	केतु	१९ नवंबर २००४ ०२:१२:२२	१३ दिसंबर २००४ २२:४६:०८
सूर्य	सूर्य	१३ दिसंबर २००४ २२:४६:०८	२० दिसंबर २००४ ०८:१०:१५
सूर्य	चंद्र	२० दिसंबर २००४ ०८:१०:१५	३० दिसंबर २००४ २३:५०:२६
सूर्य	मंगल	३० दिसंबर २००४ २३:५०:२६	०७ जनवरी २००५ १०:४८:३४
सूर्य	राहु	०७ जनवरी २००५ १०:४८:३४	२६ जनवरी २००५ १५:००:५४
सूर्य	बृहस्पति	२६ जनवरी २००५ १५:००:५४	१२ फ़रवरी २००५ १६:०५:११

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
सूर्य	शनि	१२ फ़रवरी २००५ १६:०५:११	०४ मार्च २००५ २१:५१:३२
सूर्य	बुध	०४ मार्च २००५ २१:५१:३२	२३ मार्च २००५ ००:२९:५१
सूर्य	केतु	२३ मार्च २००५ ००:२९:५१	३० मार्च २००५ ११:२७:५९
सूर्य	शुक्र	३० मार्च २००५ ११:२७:५९	२० अप्रैल २००५ १८:४८:२१
चंद्र	चंद्र	२० अप्रैल २००५ १८:४८:२१	०८ मई २००५ १२:५५:२०
चंद्र	मंगल	०८ मई २००५ १२:५५:२०	२० मई २००५ २३:१२:१३
चंद्र	राहु	२० मई २००५ २३:१२:१३	२१ जून २००५ २२:१२:४६
चंद्र	बृहस्पति	२१ जून २००५ २२:१२:४६	२० जुलाई २००५ ०७:५९:५६
चंद्र	शनि	२० जुलाई २००५ ०७:५९:५६	२३ अगस्त २००५ ०१:३७:११
चंद्र	बुध	२३ अगस्त २००५ ०१:३७:११	२२ सितंबर २००५ ०६:०१:०२
चंद्र	केतु	२२ सितंबर २००५ ०६:०१:०२	०४ अक्टूबर २००५ १६:१७:५५
चंद्र	शुक्र	०४ अक्टूबर २००५ १६:१७:५५	०९ नवंबर २००५ ०४:३१:५२
चंद्र	सूर्य	०९ नवंबर २००५ ०४:३१:५२	१९ नवंबर २००५ २०:१२:०३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

राहु / १९ नवंबर २००५ - २० नवंबर २०२३

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
राहु	राहु	१९ नवंबर २००५ २०:१२:०३	१६ अप्रैल २००६ १८:२१:२९
राहु	बृहस्पति	१६ अप्रैल २००६ १८:२१:२९	२६ अगस्त २००६ ०६:०३:१२
राहु	शनि	२६ अगस्त २००६ ०६:०३:१२	२९ जनवरी २००७ ०९:२६:२९
राहु	बुध	२९ जनवरी २००७ ०९:२६:२९	१८ जून २००७ ०२:२२:०३
राहु	केतु	१८ जून २००७ ०२:२२:०३	१४ अगस्त २००७ १४:५९:०३
राहु	शुक्र	१४ अगस्त २००७ १४:५९:०३	२५ जनवरी २००८ २३:३६:११
राहु	सूर्य	२५ जनवरी २००८ २३:३६:११	१५ मार्च २००८ ०६:५९:२०
राहु	चंद्र	१५ मार्च २००८ ०६:५९:२०	०५ जून २००८ ११:१७:५४
राहु	मंगल	०५ जून २००८ ११:१७:५४	०१ अगस्त २००८ २३:५४:५४
बृहस्पति	बृहस्पति	०१ अगस्त २००८ २३:५४:५४	२६ नवंबर २००८ २०:५८:३८
बृहस्पति	शनि	२६ नवंबर २००८ २०:५८:३८	१४ अप्रैल २००९ १५:५९:२०
बृहस्पति	बुध	१४ अप्रैल २००९ १५:५९:२०	१६ अगस्त २००९ २०:२२:०४
बृहस्पति	केतु	१६ अगस्त २००९ २०:२२:०४	०६ अक्टूबर २००९ २३:३४:५७
बृहस्पति	शुक्र	०६ अक्टूबर २००९ २३:३४:५७	०२ मार्च २०१० ०१:५४:३८
बृहस्पति	सूर्य	०२ मार्च २०१० ०१:५४:३८	१४ अप्रैल २०१० २१:४८:३२
बृहस्पति	चंद्र	१४ अप्रैल २०१० २१:४८:३२	२६ जून २०१० २२:५८:२३
बृहस्पति	मंगल	२६ जून २०१० २२:५८:२३	१७ अगस्त २०१० ०२:११:१६
बृहस्पति	राहु	१७ अगस्त २०१० ०२:११:१६	२६ दिसंबर २०१० १३:५२:५९
शनि	शनि	२६ दिसंबर २०१० १३:५२:५९	०९ जून २०११ ०९:२७:३३
शनि	बुध	०९ जून २०११ ०९:२७:३३	०३ नवंबर २०११ २०:३९:३२
शनि	केतु	०३ नवंबर २०११ २०:३९:३२	०३ जनवरी २०१२ १३:५८:३६
शनि	शुक्र	०३ जनवरी २०१२ १३:५८:३६	२५ जून २०१२ ०१:४४:२८

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शनि	सूर्य	२५ जून २०१२ ०१:४४:२८	१६ अगस्त २०१२ ०२:५२:१४
शनि	चंद्र	१६ अगस्त २०१२ ०२:५२:१४	१० नवंबर २०१२ २०:४५:१०
शनि	मंगल	१० नवंबर २०१२ २०:४५:१०	१० जनवरी २०१३ १४:०४:१३
शनि	राहु	१० जनवरी २०१३ १४:०४:१३	१५ जून २०१३ १७:२७:३०
शनि	बृहस्पति	१५ जून २०१३ १७:२७:३०	०१ नवंबर २०१३ १२:२८:१२
बुध	बुध	०१ नवंबर २०१३ १२:२८:१२	१३ मार्च २०१४ ११:०७:२१
बुध	केतु	१३ मार्च २०१४ ११:०७:२१	०६ मई २०१४ १९:०२:१७
बुध	शुक्र	०६ मई २०१४ १९:०२:१७	०९ अक्टूबर २०१४ ००:३०:४२
बुध	सूर्य	०९ अक्टूबर २०१४ ००:३०:४२	२४ नवंबर २०१४ १४:०९:१३
बुध	चंद्र	२४ नवंबर २०१४ १४:०९:१३	१० फ़रवरी २०१५ ०४:५३:२६
बुध	मंगल	१० फ़रवरी २०१५ ०४:५३:२६	०५ अप्रैल २०१५ १२:४८:२२
बुध	राहु	०५ अप्रैल २०१५ १२:४८:२२	२३ अगस्त २०१५ ०५:४३:५६
बुध	बृहस्पति	२३ अगस्त २०१५ ०५:४३:५६	२५ दिसंबर २०१५ १०:०६:४०
बुध	शनि	२५ दिसंबर २०१५ १०:०६:४०	२० मई २०१६ २१:१८:३९
केतु	केतु	२० मई २०१६ २१:१८:३९	१२ जून २०१६ ०६:१३:०३
केतु	शुक्र	१२ जून २०१६ ०६:१३:०३	१५ अगस्त २०१६ ०४:१४:०९
केतु	सूर्य	१५ अगस्त २०१६ ०४:१४:०९	०३ सितंबर २०१६ ०८:२६:२९
केतु	चंद्र	०३ सितंबर २०१६ ०८:२६:२९	०५ अक्टूबर २०१६ ०७:२७:०३
केतु	मंगल	०५ अक्टूबर २०१६ ०७:२७:०३	२७ अक्टूबर २०१६ १६:२१:२६
केतु	राहु	२७ अक्टूबर २०१६ १६:२१:२६	२४ दिसंबर २०१६ ०४:५८:२६
केतु	बृहस्पति	२४ दिसंबर २०१६ ०४:५८:२६	१३ फ़रवरी २०१७ ०८:११:१९
केतु	शनि	१३ फ़रवरी २०१७ ०८:११:१९	१५ अप्रैल २०१७ ०१:३०:२२
केतु	बुध	१५ अप्रैल २०१७ ०१:३०:२२	०८ जून २०१७ ०९:२५:१९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शुक्र	शुक्र	०८ जून २०१७ ०९:२५:१९	०८ दिसंबर २०१७ ००:१९:५५
शुक्र	सूर्य	०८ दिसंबर २०१७ ००:१९:५५	३१ जनवरी २०१८ १९:१२:१८
शुक्र	चंद्र	३१ जनवरी २०१८ १९:१२:१८	०३ मई २०१८ ०२:३९:३६
शुक्र	मंगल	०३ मई २०१८ ०२:३९:३६	०६ जुलाई २०१८ ००:४०:४२
शुक्र	राहु	०६ जुलाई २०१८ ००:४०:४२	१७ दिसंबर २०१८ ०९:१७:५१
शुक्र	बृहस्पति	१७ दिसंबर २०१८ ०९:१७:५१	१२ मई २०१९ ११:३७:३२
शुक्र	शनि	१२ मई २०१९ ११:३७:३२	०१ नवंबर २०१९ २३:२३:२४
शुक्र	बुध	०१ नवंबर २०१९ २३:२३:२४	०५ अप्रैल २०२० ०४:५१:४८
शुक्र	केतु	०५ अप्रैल २०२० ०४:५१:४८	०८ जून २०२० ०२:५२:५५
सूर्य	सूर्य	०८ जून २०२० ०२:५२:५५	२४ जून २०२० १३:२०:३८
सूर्य	चंद्र	२४ जून २०२० १३:२०:३८	२१ जुलाई २०२० २२:४६:४९
सूर्य	मंगल	२१ जुलाई २०२० २२:४६:४९	१० अगस्त २०२० ०२:५९:०९
सूर्य	राहु	१० अगस्त २०२० ०२:५९:०९	२८ सितंबर २०२० १०:२२:१८
सूर्य	बृहस्पति	२८ सितंबर २०२० १०:२२:१८	११ नवंबर २०२० ०६:१६:१२
सूर्य	शनि	११ नवंबर २०२० ०६:१६:१२	०२ जनवरी २०२१ ०७:२३:५८
सूर्य	बुध	०२ जनवरी २०२१ ०७:२३:५८	१७ फ़रवरी २०२१ २१:०२:२९
सूर्य	केतु	१७ फ़रवरी २०२१ २१:०२:२९	०९ मार्च २०२१ ०१:१४:४९
सूर्य	शुक्र	०९ मार्च २०२१ ०१:१४:४९	०२ मई २०२१ २०:०७:१२
चंद्र	चंद्र	०२ मई २०२१ २०:०७:१२	१७ जून २०२१ ११:५०:५१
चंद्र	मंगल	१७ जून २०२१ ११:५०:५१	१९ जुलाई २०२१ १०:५१:२४
चंद्र	राहु	१९ जुलाई २०२१ १०:५१:२४	०९ अक्टूबर २०२१ १५:०९:५८
चंद्र	बृहस्पति	०९ अक्टूबर २०२१ १५:०९:५८	२१ दिसंबर २०२१ १६:१९:४९
चंद्र	शनि	२१ दिसंबर २०२१ १६:१९:४९	१८ मार्च २०२२ १०:१२:४५

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
चंद्र	बुध	१८ मार्च २०२२ १०:१२:४५	०४ जून २०२२ ००:५६:५७
चंद्र	केतु	०४ जून २०२२ ००:५६:५७	०५ जुलाई २०२२ २३:५७:३०
चंद्र	शुक्र	०५ जुलाई २०२२ २३:५७:३०	०५ अक्टूबर २०२२ ०७:२४:४८
चंद्र	सूर्य	०५ अक्टूबर २०२२ ०७:२४:४८	०१ नवंबर २०२२ १६:५१:००
मंगल	मंगल	०१ नवंबर २०२२ १६:५१:००	२४ नवंबर २०२२ ०१:४५:२३
मंगल	राहु	२४ नवंबर २०२२ ०१:४५:२३	२० जनवरी २०२३ १४:२२:२३
मंगल	बृहस्पति	२० जनवरी २०२३ १४:२२:२३	१२ मार्च २०२३ १७:३५:१६
मंगल	शनि	१२ मार्च २०२३ १७:३५:१६	१२ मई २०२३ १०:५४:२०
मंगल	बुध	१२ मई २०२३ १०:५४:२०	०५ जुलाई २०२३ १८:४९:१६
मंगल	केतु	०५ जुलाई २०२३ १८:४९:१६	२८ जुलाई २०२३ ०३:४३:३९
मंगल	शुक्र	२८ जुलाई २०२३ ०३:४३:३९	३० सितंबर २०२३ ०१:४४:४६
मंगल	सूर्य	३० सितंबर २०२३ ०१:४४:४६	१९ अक्टूबर २०२३ ०५:५७:०६
मंगल	चंद्र	१९ अक्टूबर २०२३ ०५:५७:०६	२० नवंबर २०२३ ०४:५७:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

बृहस्पति / २० नवंबर २०२३ - २० नवंबर २०३९

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बृहस्पति	बृहस्पति	२० नवंबर २०२३ ०४:५७:३९	०३ मार्च २०२४ ०२:२०:५९
बृहस्पति	शनि	०३ मार्च २०२४ ०२:२०:५९	०४ जुलाई २०२४ ११:१४:५६
बृहस्पति	बुध	०४ जुलाई २०२४ ११:१४:५६	२२ अक्टूबर २०२४ २०:२८:२८
बृहस्पति	केतु	२२ अक्टूबर २०२४ २०:२८:२८	०७ दिसंबर २०२४ ०७:१९:५६
बृहस्पति	शुक्र	०७ दिसंबर २०२४ ०७:१९:५६	१६ अप्रैल २०२५ ०४:०४:०५
बृहस्पति	सूर्य	१६ अप्रैल २०२५ ०४:०४:०५	२५ मई २०२५ ०३:०५:२०
बृहस्पति	चंद्र	२५ मई २०२५ ०३:०५:२०	२९ जुलाई २०२५ ०१:२७:२५
बृहस्पति	मंगल	२९ जुलाई २०२५ ०१:२७:२५	१२ सितंबर २०२५ १२:१८:५२
बृहस्पति	राहु	१२ सितंबर २०२५ १२:१८:५२	०७ जनवरी २०२६ ०९:२२:३७
शनि	शनि	०७ जनवरी २०२६ ०९:२२:३७	०२ जून २०२६ २१:२६:४१
शनि	बुध	०२ जून २०२६ २१:२६:४१	११ अक्टूबर २०२६ २३:२४:००
शनि	केतु	११ अक्टूबर २०२६ २३:२४:००	०४ दिसंबर २०२६ २२:४७:३७
शनि	शुक्र	०४ दिसंबर २०२६ २२:४७:३७	०८ मई २०२७ ०३:५५:०३
शनि	सूर्य	०८ मई २०२७ ०३:५५:०३	२३ जून २०२७ १०:१५:१७
शनि	चंद्र	२३ जून २०२७ १०:१५:१७	०८ सितंबर २०२७ १२:४९:००
शनि	मंगल	०८ सितंबर २०२७ १२:४९:००	०१ नवंबर २०२७ १२:१२:३६
शनि	राहु	०१ नवंबर २०२७ १२:१२:३६	१९ मार्च २०२८ ०७:१३:१८
शनि	बृहस्पति	१९ मार्च २०२८ ०७:१३:१८	२० जुलाई २०२८ १६:०७:१५
बुध	बुध	२० जुलाई २०२८ १६:०७:१५	१४ नवंबर २०२८ २२:५५:२३
बुध	केतु	१४ नवंबर २०२८ २२:५५:२३	०२ जनवरी २०२९ ०५:५७:३४
बुध	शुक्र	०२ जनवरी २०२९ ०५:५७:३४	२० मई २०२९ ०५:२९:२९
बुध	सूर्य	२० मई २०२९ ०५:२९:२९	३० जून २०२९ १४:५७:०३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बुध	चंद्र	३० जून २०२९ १४:५७:०३	०७ सितंबर २०२९ १४:४३:०१
बुध	मंगल	०७ सितंबर २०२९ १४:४३:०१	२५ अक्टूबर २०२९ २१:४५:११
बुध	राहु	२५ अक्टूबर २०२९ २१:४५:११	२७ फ़रवरी २०३० ०२:०७:५५
बुध	बृहस्पति	२७ फ़रवरी २०३० ०२:०७:५५	१७ जून २०३० ११:२१:२७
बुध	शनि	१७ जून २०३० ११:२१:२७	२६ अक्टूबर २०३० १३:१८:४७
केतु	केतु	२६ अक्टूबर २०३० १३:१८:४७	१५ नवंबर २०३० १०:३३:४७
केतु	शुक्र	१५ नवंबर २०३० १०:३३:४७	११ जनवरी २०३१ ०६:०८:०६
केतु	सूर्य	११ जनवरी २०३१ ०६:०८:०६	२८ जनवरी २०३१ ०७:१२:२४
केतु	चंद्र	२८ जनवरी २०३१ ०७:१२:२४	२५ फ़रवरी २०३१ १६:५९:३४
केतु	मंगल	२५ फ़रवरी २०३१ १६:५९:३४	१७ मार्च २०३१ १४:१४:३५
केतु	राहु	१७ मार्च २०३१ १४:१४:३५	०७ मई २०३१ १७:२७:२८
केतु	बृहस्पति	०७ मई २०३१ १७:२७:२८	२२ जून २०३१ ०४:१८:५५
केतु	शनि	२२ जून २०३१ ०४:१८:५५	१५ अगस्त २०३१ ०३:४२:३१
केतु	बुध	१५ अगस्त २०३१ ०३:४२:३१	०२ अक्टूबर २०३१ १०:४४:४२
शुक्र	शुक्र	०२ अक्टूबर २०३१ १०:४४:४२	१२ मार्च २०३२ १८:३९:५४
शुक्र	सूर्य	१२ मार्च २०३२ १८:३९:५४	३० अप्रैल २०३२ ११:२६:२७
शुक्र	चंद्र	३० अप्रैल २०३२ ११:२६:२७	२० जुलाई २०३२ १५:२४:०३
शुक्र	मंगल	२० जुलाई २०३२ १५:२४:०३	१५ सितंबर २०३२ १०:५८:२३
शुक्र	राहु	१५ सितंबर २०३२ १०:५८:२३	०८ फ़रवरी २०३३ १३:१८:०३
शुक्र	बृहस्पति	०८ फ़रवरी २०३३ १३:१८:०३	१८ जून २०३३ १०:०२:१३
शुक्र	शनि	१८ जून २०३३ १०:०२:१३	१९ नवंबर २०३३ १५:०९:३९
शुक्र	बुध	१९ नवंबर २०३३ १५:०९:३९	०६ अप्रैल २०३४ १४:४१:३५
शुक्र	केतु	०६ अप्रैल २०३४ १४:४१:३५	०२ जून २०३४ १०:१५:५४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
सूर्य	सूर्य	०२ जून २०३४ १०:१५:५४	१७ जून २०३४ ००:५३:५२
सूर्य	चंद्र	१७ जून २०३४ ००:५३:५२	११ जुलाई २०३४ ०९:१७:०९
सूर्य	मंगल	११ जुलाई २०३४ ०९:१७:०९	२८ जुलाई २०३४ १०:२१:२६
सूर्य	राहु	२८ जुलाई २०३४ १०:२१:२६	१० सितंबर २०३४ ०६:१५:२१
सूर्य	बृहस्पति	१० सितंबर २०३४ ०६:१५:२१	१९ अक्टूबर २०३४ ०५:१६:३५
सूर्य	शनि	१९ अक्टूबर २०३४ ०५:१६:३५	०४ दिसंबर २०३४ ११:३६:४९
सूर्य	बुध	०४ दिसंबर २०३४ ११:३६:४९	१४ जनवरी २०३५ २१:०४:२४
सूर्य	केतु	१४ जनवरी २०३५ २१:०४:२४	३१ जनवरी २०३५ २२:०८:४२
सूर्य	शुक्र	३१ जनवरी २०३५ २२:०८:४२	२१ मार्च २०३५ १४:५५:१५
चंद्र	चंद्र	२१ मार्च २०३५ १४:५५:१५	०१ मई २०३५ ०४:५४:०३
चंद्र	मंगल	०१ मई २०३५ ०४:५४:०३	२९ मई २०३५ १४:४१:१३
चंद्र	राहु	२९ मई २०३५ १४:४१:१३	१० अगस्त २०३५ १५:५१:०३
चंद्र	बृहस्पति	१० अगस्त २०३५ १५:५१:०३	१४ अक्टूबर २०३५ १४:१३:०८
चंद्र	शनि	१४ अक्टूबर २०३५ १४:१३:०८	३० दिसंबर २०३५ १६:४६:५१
चंद्र	बुध	३० दिसंबर २०३५ १६:४६:५१	०८ मार्च २०३६ १६:३२:४९
चंद्र	केतु	०८ मार्च २०३६ १६:३२:४९	०६ अप्रैल २०३६ ०२:१९:५९
चंद्र	शुक्र	०६ अप्रैल २०३६ ०२:१९:५९	२६ जून २०३६ ०६:१७:३५
चंद्र	सूर्य	२६ जून २०३६ ०६:१७:३५	२० जुलाई २०३६ १४:४०:५१
मंगल	मंगल	२० जुलाई २०३६ १४:४०:५१	०९ अगस्त २०३६ ११:५५:५२
मंगल	राहु	०९ अगस्त २०३६ ११:५५:५२	२९ सितंबर २०३६ १५:०८:४५
मंगल	बृहस्पति	२९ सितंबर २०३६ १५:०८:४५	१४ नवंबर २०३६ ०२:००:१३
मंगल	शनि	१४ नवंबर २०३६ ०२:००:१३	०७ जनवरी २०३७ ०१:२३:४९
मंगल	बुध	०७ जनवरी २०३७ ०१:२३:४९	२४ फ़रवरी २०३७ ०८:२५:५९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
मंगल	केतु	२४ फ़रवरी २०३७ ०८:२५:५९	१६ मार्च २०३७ ०५:४१:००
मंगल	शुक्र	१६ मार्च २०३७ ०५:४१:००	१२ मई २०३७ ०१:१५:१९
मंगल	सूर्य	१२ मई २०३७ ०१:१५:१९	२९ मई २०३७ ०२:१९:३७
मंगल	चंद्र	२९ मई २०३७ ०२:१९:३७	२६ जून २०३७ १२:०६:४७
राहु	राहु	२६ जून २०३७ १२:०६:४७	०४ नवंबर २०३७ २३:४८:२९
राहु	बृहस्पति	०४ नवंबर २०३७ २३:४८:२९	०१ मार्च २०३८ २०:५२:१४
राहु	शनि	०१ मार्च २०३८ २०:५२:१४	१८ जुलाई २०३८ १५:५२:५६
राहु	बुध	१८ जुलाई २०३८ १५:५२:५६	१९ नवंबर २०३८ २०:१५:३९
राहु	केतु	१९ नवंबर २०३८ २०:१५:३९	०९ जनवरी २०३९ २३:२८:३३
राहु	शुक्र	०९ जनवरी २०३९ २३:२८:३३	०५ जून २०३९ ०१:४८:१३
राहु	सूर्य	०५ जून २०३९ ०१:४८:१३	१८ जुलाई २०३९ २१:४२:०८
राहु	चंद्र	१८ जुलाई २०३९ २१:४२:०८	२९ सितंबर २०३९ २२:५१:५८
राहु	मंगल	२९ सितंबर २०३९ २२:५१:५८	२० नवंबर २०३९ ०२:०४:५१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

शनि / २० नवंबर २०३९ - १९ नवंबर २०५८

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शनि	शनि	२० नवंबर २०३९ ०२:०४:५१	१२ मई २०४० ०१:२४:४१
शनि	बुध	१२ मई २०४० ०१:२४:४१	१४ अक्टूबर २०४० १७:१४:०१
शनि	केतु	१४ अक्टूबर २०४० १७:१४:०१	१७ दिसंबर २०४० १९:३०:४७
शनि	शुक्र	१७ दिसंबर २०४० १९:३०:४७	१८ जून २०४१ २२:३५:५२
शनि	सूर्य	१८ जून २०४१ २२:३५:५२	१२ अगस्त २०४१ २१:०७:२४
शनि	चंद्र	१२ अगस्त २०४१ २१:०७:२४	१२ नवंबर २०४१ १०:३९:५६
शनि	मंगल	१२ नवंबर २०४१ १०:३९:५६	१५ जनवरी २०४२ १२:५६:४३
शनि	राहु	१५ जनवरी २०४२ १२:५६:४३	२९ जून २०४२ ०८:३१:१८
शनि	बृहस्पति	२९ जून २०४२ ०८:३१:१८	२२ नवंबर २०४२ २०:३५:२२
बुध	बुध	२२ नवंबर २०४२ २०:३५:२२	११ अप्रैल २०४३ ०३:१०:०१
बुध	केतु	११ अप्रैल २०४३ ०३:१०:०१	०७ जून २०४३ ११:३१:२१
बुध	शुक्र	०७ जून २०४३ ११:३१:२१	१८ नवंबर २०४३ ०७:५८:००
बुध	सूर्य	१८ नवंबर २०४३ ०७:५८:००	०६ जनवरी २०४४ ११:४२:००
बुध	चंद्र	०६ जनवरी २०४४ ११:४२:००	२८ मार्च २०४४ ०९:५५:२०
बुध	मंगल	२८ मार्च २०४४ ०९:५५:२०	२४ मई २०४४ १८:१६:४०
बुध	राहु	२४ मई २०४४ १८:१६:४०	१९ अक्टूबर २०४४ ०५:२८:३९
बुध	बृहस्पति	१९ अक्टूबर २०४४ ०५:२८:३९	२७ फ़रवरी २०४५ ०७:२५:५८
बुध	शनि	२७ फ़रवरी २०४५ ०७:२५:५८	०१ अगस्त २०४५ २३:१५:१८
केतु	केतु	०१ अगस्त २०४५ २३:१५:१८	२५ अगस्त २०४५ १३:५९:२२
केतु	शुक्र	२५ अगस्त २०४५ १३:५९:२२	०१ नवंबर २०४५ ०१:१३:५३
केतु	सूर्य	०१ नवंबर २०४५ ०१:१३:५३	२१ नवंबर २०४५ ०७:००:१४
केतु	चंद्र	२१ नवंबर २०४५ ०७:००:१४	२५ दिसंबर २०४५ ००:३७:२९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
केतु	मंगल	२५ दिसंबर २०४५ ००:३७:२९	१७ जनवरी २०४६ १५:२१:३३
केतु	राहु	१७ जनवरी २०४६ १५:२१:३३	१९ मार्च २०४६ ०८:४०:३७
केतु	बृहस्पति	१९ मार्च २०४६ ०८:४०:३७	१२ मई २०४६ ०८:०४:१३
केतु	शनि	१२ मई २०४६ ०८:०४:१३	१५ जुलाई २०४६ १०:२१:००
केतु	बुध	१५ जुलाई २०४६ १०:२१:००	१० सितंबर २०४६ १८:४२:२०
शुक्र	शुक्र	१० सितंबर २०४६ १८:४२:२०	२२ मार्च २०४७ १३:०६:३८
शुक्र	सूर्य	२२ मार्च २०४७ १३:०६:३८	१९ मई २०४७ ०९:०१:५५
शुक्र	चंद्र	१९ मई २०४७ ०९:०१:५५	२३ अगस्त २०४७ १८:१४:०४
शुक्र	मंगल	२३ अगस्त २०४७ १८:१४:०४	३० अक्टूबर २०४७ ०५:२८:३४
शुक्र	राहु	३० अक्टूबर २०४७ ०५:२८:३४	२० अप्रैल २०४८ १७:१४:२६
शुक्र	बृहस्पति	२० अप्रैल २०४८ १७:१४:२६	२१ सितंबर २०४८ २२:२१:५३
शुक्र	शनि	२१ सितंबर २०४८ २२:२१:५३	२४ मार्च २०४९ ०१:२६:५८
शुक्र	बुध	२४ मार्च २०४९ ०१:२६:५८	०३ सितंबर २०४९ २१:५३:३७
शुक्र	केतु	०३ सितंबर २०४९ २१:५३:३७	१० नवंबर २०४९ ०९:०८:०८
सूर्य	सूर्य	१० नवंबर २०४९ ०९:०८:०८	२७ नवंबर २०४९ १७:३०:४३
सूर्य	चंद्र	२७ नवंबर २०४९ १७:३०:४३	२६ दिसंबर २०४९ १५:२८:२१
सूर्य	मंगल	२६ दिसंबर २०४९ १५:२८:२१	१५ जनवरी २०५० २१:१४:४३
सूर्य	राहु	१५ जनवरी २०५० २१:१४:४३	०८ मार्च २०५० २२:२२:२८
सूर्य	बृहस्पति	०८ मार्च २०५० २२:२२:२८	२४ अप्रैल २०५० ०४:४२:४२
सूर्य	शनि	२४ अप्रैल २०५० ०४:४२:४२	१८ जून २०५० ०३:१४:१४
सूर्य	बुध	१८ जून २०५० ०३:१४:१४	०६ अगस्त २०५० ०६:५८:१३
सूर्य	केतु	०६ अगस्त २०५० ०६:५८:१३	२६ अगस्त २०५० १२:४४:३५
सूर्य	शुक्र	२६ अगस्त २०५० १२:४४:३५	२३ अक्टूबर २०५० ०८:३९:५२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
चंद्र	चंद्र	२३ अक्टूबर २०५० ०८:३९:५२	१० दिसंबर २०५० १३:१५:५६
चंद्र	मंगल	१० दिसंबर २०५० १३:१५:५६	१३ जनवरी २०५१ ०६:५३:१२
चंद्र	राहु	१३ जनवरी २०५१ ०६:५३:१२	१० अप्रैल २०५१ ००:४६:०८
चंद्र	बृहस्पति	१० अप्रैल २०५१ ००:४६:०८	२६ जून २०५१ ०३:१९:५१
चंद्र	शनि	२६ जून २०५१ ०३:१९:५१	२५ सितंबर २०५१ १६:५२:२३
चंद्र	बुध	२५ सितंबर २०५१ १६:५२:२३	१६ दिसंबर २०५१ १५:०५:४३
चंद्र	केतु	१६ दिसंबर २०५१ १५:०५:४३	१९ जनवरी २०५२ ०८:४२:५८
चंद्र	शुक्र	१९ जनवरी २०५२ ०८:४२:५८	२४ अप्रैल २०५२ १७:५५:०७
चंद्र	सूर्य	२४ अप्रैल २०५२ १७:५५:०७	२३ मई २०५२ १५:५२:४६
मंगल	मंगल	२३ मई २०५२ १५:५२:४६	१६ जून २०५२ ०६:३६:५१
मंगल	राहु	१६ जून २०५२ ०६:३६:५१	१५ अगस्त २०५२ २३:५५:५४
मंगल	बृहस्पति	१५ अगस्त २०५२ २३:५५:५४	०८ अक्टूबर २०५२ २३:१९:३०
मंगल	शनि	०८ अक्टूबर २०५२ २३:१९:३०	१२ दिसंबर २०५२ ०१:३६:१७
मंगल	बुध	१२ दिसंबर २०५२ ०१:३६:१७	०७ फ़रवरी २०५३ ०९:५७:३७
मंगल	केतु	०७ फ़रवरी २०५३ ०९:५७:३७	०३ मार्च २०५३ ००:४१:४१
मंगल	शुक्र	०३ मार्च २०५३ ००:४१:४१	०९ मई २०५३ ११:५६:११
मंगल	सूर्य	०९ मई २०५३ ११:५६:११	२९ मई २०५३ १७:४२:३३
मंगल	चंद्र	२९ मई २०५३ १७:४२:३३	०२ जुलाई २०५३ ११:१९:४८
राहु	राहु	०२ जुलाई २०५३ ११:१९:४८	०५ दिसंबर २०५३ १४:४३:०५
राहु	बृहस्पति	०५ दिसंबर २०५३ १४:४३:०५	२३ अप्रैल २०५४ ०९:४३:४६
राहु	शनि	२३ अप्रैल २०५४ ०९:४३:४६	०५ अक्टूबर २०५४ ०५:१८:२१
राहु	बुध	०५ अक्टूबर २०५४ ०५:१८:२१	०१ मार्च २०५५ १६:३०:२०
राहु	केतु	०१ मार्च २०५५ १६:३०:२०	०१ मई २०५५ ०९:४९:२४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
राहु	शुक्र	०१ मई २०५५ ०९:४९:२४	२१ अक्टूबर २०५५ २१:३५:१६
राहु	सूर्य	२१ अक्टूबर २०५५ २१:३५:१६	१२ दिसंबर २०५५ २२:४३:०२
राहु	चंद्र	१२ दिसंबर २०५५ २२:४३:०२	०८ मार्च २०५६ १६:३५:५८
राहु	मंगल	०८ मार्च २०५६ १६:३५:५८	०८ मई २०५६ ०९:५५:०१
बृहस्पति	बृहस्पति	०८ मई २०५६ ०९:५५:०१	०८ सितंबर २०५६ १८:४८:५८
बृहस्पति	शनि	०८ सितंबर २०५६ १८:४८:५८	०२ फ़रवरी २०५७ ०६:५३:०२
बृहस्पति	बुध	०२ फ़रवरी २०५७ ०६:५३:०२	१३ जून २०५७ ०८:५०:२२
बृहस्पति	केतु	१३ जून २०५७ ०८:५०:२२	०६ अगस्त २०५७ ०८:१३:५८
बृहस्पति	शुक्र	०६ अगस्त २०५७ ०८:१३:५८	०७ जनवरी २०५८ १३:२१:२४
बृहस्पति	सूर्य	०७ जनवरी २०५८ १३:२१:२४	२२ फ़रवरी २०५८ १९:४१:३८
बृहस्पति	चंद्र	२२ फ़रवरी २०५८ १९:४१:३८	१० मई २०५८ २२:१५:२१
बृहस्पति	मंगल	१० मई २०५८ २२:१५:२१	०३ जुलाई २०५८ २१:३८:५८
बृहस्पति	राहु	०३ जुलाई २०५८ २१:३८:५८	१९ नवंबर २०५८ १६:३९:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

बुध / १९ नवंबर २०५८ - १९ नवंबर २०७५

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बुध	बुध	१९ नवंबर २०५८ १६:३९:३९	२४ मार्च २०५९ ०७:२३:१८
बुध	केतु	२४ मार्च २०५९ ०७:२३:१८	१४ मई २०५९ १४:५१:५१
बुध	शुक्र	१४ मई २०५९ १४:५१:५१	०८ अक्टूबर २०५९ ०५:२२:०१
बुध	सूर्य	०८ अक्टूबर २०५९ ०५:२२:०१	२१ नवंबर २०५९ ०४:५५:०४
बुध	चंद्र	२१ नवंबर २०५९ ०४:५५:०४	०२ फ़रवरी २०६० १२:१०:०९
बुध	मंगल	०२ फ़रवरी २०६० १२:१०:०९	२४ मार्च २०६० १९:३८:४२
बुध	राहु	२४ मार्च २०६० १९:३८:४२	०३ अगस्त २०६० १८:१७:५१
बुध	बृहस्पति	०३ अगस्त २०६० १८:१७:५१	२९ नवंबर २०६० ०१:०५:५९
बुध	शनि	२९ नवंबर २०६० ०१:०५:५९	१७ अप्रैल २०६१ ०७:४०:३९
केतु	केतु	१७ अप्रैल २०६१ ०७:४०:३९	०८ मई २०६१ १०:४५:२१
केतु	शुक्र	०८ मई २०६१ १०:४५:२१	०७ जुलाई २०६१ १९:३३:०४
केतु	सूर्य	०७ जुलाई २०६१ १९:३३:०४	२५ जुलाई २०६१ २२:११:२३
केतु	चंद्र	२५ जुलाई २०६१ २२:११:२३	२५ अगस्त २०६१ ०२:३५:१४
केतु	मंगल	२५ अगस्त २०६१ ०२:३५:१४	१५ सितंबर २०६१ ०५:३९:५६
केतु	राहु	१५ सितंबर २०६१ ०५:३९:५६	०८ नवंबर २०६१ १३:३४:५३
केतु	बृहस्पति	०८ नवंबर २०६१ १३:३४:५३	२६ दिसंबर २०६१ २०:३७:०३
केतु	शनि	२६ दिसंबर २०६१ २०:३७:०३	२२ फ़रवरी २०६२ ०४:५८:२३
केतु	बुध	२२ फ़रवरी २०६२ ०४:५८:२३	१४ अप्रैल २०६२ १२:२६:५६
शुक्र	शुक्र	१४ अप्रैल २०६२ १२:२६:५६	०३ अक्टूबर २०६२ २३:५१:५०
शुक्र	सूर्य	०३ अक्टूबर २०६२ २३:५१:५०	२४ नवंबर २०६२ १७:४१:१८
शुक्र	चंद्र	२४ नवंबर २०६२ १७:४१:१८	१८ फ़रवरी २०६३ २३:२३:४५
शुक्र	मंगल	१८ फ़रवरी २०६३ २३:२३:४५	२० अप्रैल २०६३ ०८:११:२८

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शुक्र	राहु	२० अप्रैल २०६३ ०८:११:२८	२२ सितंबर २०६३ १३:३९:५३
शुक्र	बृहस्पति	२२ सितंबर २०६३ १३:३९:५३	०७ फ़रवरी २०६४ १३:११:४८
शुक्र	शनि	०७ फ़रवरी २०६४ १३:११:४८	२० जुलाई २०६४ ०९:३८:२७
शुक्र	बुध	२० जुलाई २०६४ ०९:३८:२७	१४ दिसंबर २०६४ ००:०८:३७
शुक्र	केतु	१४ दिसंबर २०६४ ००:०८:३७	१२ फ़रवरी २०६५ ०८:५६:२०
सूर्य	सूर्य	१२ फ़रवरी २०६५ ०८:५६:२०	२७ फ़रवरी २०६५ २१:२९:११
सूर्य	चंद्र	२७ फ़रवरी २०६५ २१:२९:११	२५ मार्च २०६५ १८:२३:५५
सूर्य	मंगल	२५ मार्च २०६५ १८:२३:५५	१२ अप्रैल २०६५ २१:०२:१४
सूर्य	राहु	१२ अप्रैल २०६५ २१:०२:१४	२९ मई २०६५ १०:४०:४५
सूर्य	बृहस्पति	२९ मई २०६५ १०:४०:४५	०९ जुलाई २०६५ २०:०८:१९
सूर्य	शनि	०९ जुलाई २०६५ २०:०८:१९	२७ अगस्त २०६५ २३:५२:१९
सूर्य	बुध	२७ अगस्त २०६५ २३:५२:१९	१० अक्टूबर २०६५ २३:२५:२२
सूर्य	केतु	१० अक्टूबर २०६५ २३:२५:२२	२९ अक्टूबर २०६५ ०२:०३:४१
सूर्य	शुक्र	२९ अक्टूबर २०६५ ०२:०३:४१	१९ दिसंबर २०६५ १९:५३:०९
चंद्र	चंद्र	१९ दिसंबर २०६५ १९:५३:०९	३१ जनवरी २०६६ २२:४४:२३
चंद्र	मंगल	३१ जनवरी २०६६ २२:४४:२३	०३ मार्च २०६६ ०३:०८:१४
चंद्र	राहु	०३ मार्च २०६६ ०३:०८:१४	१९ मई २०६६ १७:५२:२७
चंद्र	बृहस्पति	१९ मई २०६६ १७:५२:२७	२७ जुलाई २०६६ १७:३८:२४
चंद्र	शनि	२७ जुलाई २०६६ १७:३८:२४	१७ अक्टूबर २०६६ १५:५१:४४
चंद्र	बुध	१७ अक्टूबर २०६६ १५:५१:४४	२९ दिसंबर २०६६ २३:०६:४९
चंद्र	केतु	२९ दिसंबर २०६६ २३:०६:४९	२९ जनवरी २०६७ ०३:३०:४०
चंद्र	शुक्र	२९ जनवरी २०६७ ०३:३०:४०	२५ अप्रैल २०६७ ०९:१३:०७
चंद्र	सूर्य	२५ अप्रैल २०६७ ०९:१३:०७	२१ मई २०६७ ०६:०७:५१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
मंगल	मंगल	२१ मई २०६७ ०६:०७:५१	११ जून २०६७ ०९:१२:३३
मंगल	राहु	११ जून २०६७ ०९:१२:३३	०४ अगस्त २०६७ १७:०७:३०
मंगल	बृहस्पति	०४ अगस्त २०६७ १७:०७:३०	२२ सितंबर २०६७ ००:०९:४०
मंगल	शनि	२२ सितंबर २०६७ ००:०९:४०	१८ नवंबर २०६७ ०८:३१:००
मंगल	बुध	१८ नवंबर २०६७ ०८:३१:००	०८ जनवरी २०६८ १५:५९:३३
मंगल	केतु	०८ जनवरी २०६८ १५:५९:३३	२९ जनवरी २०६८ १९:०४:१६
मंगल	शुक्र	२९ जनवरी २०६८ १९:०४:१६	३० मार्च २०६८ ०३:५१:५८
मंगल	सूर्य	३० मार्च २०६८ ०३:५१:५८	१७ अप्रैल २०६८ ०६:३०:१७
मंगल	चंद्र	१७ अप्रैल २०६८ ०६:३०:१७	१७ मई २०६८ १०:५४:०९
राहु	राहु	१७ मई २०६८ १०:५४:०९	०४ अक्टूबर २०६८ ०३:४९:४३
राहु	बृहस्पति	०४ अक्टूबर २०६८ ०३:४९:४३	०५ फ़रवरी २०६९ ०८:१२:२७
राहु	शनि	०५ फ़रवरी २०६९ ०८:१२:२७	०२ जुलाई २०६९ १९:२४:२६
राहु	बुध	०२ जुलाई २०६९ १९:२४:२६	११ नवंबर २०६९ १८:०३:३५
राहु	केतु	११ नवंबर २०६९ १८:०३:३५	०५ जनवरी २०७० ०१:५८:३१
राहु	शुक्र	०५ जनवरी २०७० ०१:५८:३१	०९ जून २०७० ०७:२६:५६
राहु	सूर्य	०९ जून २०७० ०७:२६:५६	२५ जुलाई २०७० २१:०५:२७
राहु	चंद्र	२५ जुलाई २०७० २१:०५:२७	११ अक्टूबर २०७० ११:४९:४०
राहु	मंगल	११ अक्टूबर २०७० ११:४९:४०	०४ दिसंबर २०७० १९:४४:३६
बृहस्पति	बृहस्पति	०४ दिसंबर २०७० १९:४४:३६	२५ मार्च २०७१ ०४:५८:०८
बृहस्पति	शनि	२५ मार्च २०७१ ०४:५८:०८	०३ अगस्त २०७१ ०६:५५:२८
बृहस्पति	बुध	०३ अगस्त २०७१ ०६:५५:२८	२८ नवंबर २०७१ १३:४३:३६
बृहस्पति	केतु	२८ नवंबर २०७१ १३:४३:३६	१५ जनवरी २०७२ २०:४५:४६
बृहस्पति	शुक्र	१५ जनवरी २०७२ २०:४५:४६	०१ जून २०७२ २०:१७:४१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बृहस्पति	सूर्य	०१ जून २०७२ २०:१७:४१	१३ जुलाई २०७२ ०५:४५:१६
बृहस्पति	चंद्र	१३ जुलाई २०७२ ०५:४५:१६	२० सितंबर २०७२ ०५:३१:१४
बृहस्पति	मंगल	२० सितंबर २०७२ ०५:३१:१४	०७ नवंबर २०७२ १२:३३:२४
बृहस्पति	राहु	०७ नवंबर २०७२ १२:३३:२४	११ मार्च २०७३ १६:५६:०८
शनि	शनि	११ मार्च २०७३ १६:५६:०८	१४ अगस्त २०७३ ०८:४५:२७
शनि	बुध	१४ अगस्त २०७३ ०८:४५:२७	३१ दिसंबर २०७३ १५:२०:०६
शनि	केतु	३१ दिसंबर २०७३ १५:२०:०६	२६ फ़रवरी २०७४ २३:४१:२६
शनि	शुक्र	२६ फ़रवरी २०७४ २३:४१:२६	०९ अगस्त २०७४ २०:०८:०५
शनि	सूर्य	०९ अगस्त २०७४ २०:०८:०५	२७ सितंबर २०७४ २३:५२:०५
शनि	चंद्र	२७ सितंबर २०७४ २३:५२:०५	१८ दिसंबर २०७४ २२:०५:२५
शनि	मंगल	१८ दिसंबर २०७४ २२:०५:२५	१४ फ़रवरी २०७५ ०६:२६:४५
शनि	राहु	१४ फ़रवरी २०७५ ०६:२६:४५	११ जुलाई २०७५ १७:३८:४४
शनि	बृहस्पति	११ जुलाई २०७५ १७:३८:४४	१९ नवंबर २०७५ १९:३६:०३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

केतु / १९ नवंबर २०७५ - १९ नवंबर २०८२

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
केतु	केतु	१९ नवंबर २०७५ १९:३६:०३	२८ नवंबर २०७५ १२:२३:५२
केतु	शुक्र	२८ नवंबर २०७५ १२:२३:५२	२३ दिसंबर २०७५ ०८:५७:३८
केतु	सूर्य	२३ दिसंबर २०७५ ०८:५७:३८	३० दिसंबर २०७५ १९:५५:४६
केतु	चंद्र	३० दिसंबर २०७५ १९:५५:४६	१२ जनवरी २०७६ ०६:१२:३९
केतु	मंगल	१२ जनवरी २०७६ ०६:१२:३९	२० जनवरी २०७६ २३:००:२८
केतु	राहु	२० जनवरी २०७६ २३:००:२८	१२ फ़रवरी २०७६ ०७:५४:५१
केतु	बृहस्पति	१२ फ़रवरी २०७६ ०७:५४:५१	०३ मार्च २०७६ ०५:०९:५२
केतु	शनि	०३ मार्च २०७६ ०५:०९:५२	२६ मार्च २०७६ १९:५३:५७
केतु	बुध	२६ मार्च २०७६ १९:५३:५७	१६ अप्रैल २०७६ २२:५८:३९
शुक्र	शुक्र	१६ अप्रैल २०७६ २२:५८:३९	२६ जून २०७६ २३:२६:३३
शुक्र	सूर्य	२६ जून २०७६ २३:२६:३३	१८ जुलाई २०७६ ०६:४६:५५
शुक्र	चंद्र	१८ जुलाई २०७६ ०६:४६:५५	२२ अगस्त २०७६ १९:००:५२
शुक्र	मंगल	२२ अगस्त २०७६ १९:००:५२	१६ सितंबर २०७६ १५:३४:३८
शुक्र	राहु	१६ सितंबर २०७६ १५:३४:३८	१९ नवंबर २०७६ १३:३५:४४
शुक्र	बृहस्पति	१९ नवंबर २०७६ १३:३५:४४	१५ जनवरी २०७७ ०९:१०:०४
शुक्र	शनि	१५ जनवरी २०७७ ०९:१०:०४	२३ मार्च २०७७ २०:२४:३४
शुक्र	बुध	२३ मार्च २०७७ २०:२४:३४	२३ मई २०७७ ०५:१२:१७
शुक्र	केतु	२३ मई २०७७ ०५:१२:१७	१७ जून २०७७ ०१:४६:०३
सूर्य	सूर्य	१७ जून २०७७ ०१:४६:०३	२३ जून २०७७ ११:१०:०९
सूर्य	चंद्र	२३ जून २०७७ ११:१०:०९	०४ जुलाई २०७७ ०२:५०:२०
सूर्य	मंगल	०४ जुलाई २०७७ ०२:५०:२०	११ जुलाई २०७७ १३:४८:२८
सूर्य	राहु	११ जुलाई २०७७ १३:४८:२८	३० जुलाई २०७७ १८:००:४८

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
सूर्य	बृहस्पति	३० जुलाई २०७७ १८:००:४८	१६ अगस्त २०७७ १९:०५:०६
सूर्य	शनि	१६ अगस्त २०७७ १९:०५:०६	०६ सितंबर २०७७ ००:५१:२७
सूर्य	बुध	०६ सितंबर २०७७ ००:५१:२७	२४ सितंबर २०७७ ०३:२९:४६
सूर्य	केतु	२४ सितंबर २०७७ ०३:२९:४६	०१ अक्टूबर २०७७ १४:२७:५४
सूर्य	शुक्र	०१ अक्टूबर २०७७ १४:२७:५४	२२ अक्टूबर २०७७ २१:४८:१६
चंद्र	चंद्र	२२ अक्टूबर २०७७ २१:४८:१६	०९ नवंबर २०७७ १५:५५:१४
चंद्र	मंगल	०९ नवंबर २०७७ १५:५५:१४	२२ नवंबर २०७७ ०२:१२:०७
चंद्र	राहु	२२ नवंबर २०७७ ०२:१२:०७	२४ दिसंबर २०७७ ०१:१२:४१
चंद्र	बृहस्पति	२४ दिसंबर २०७७ ०१:१२:४१	२१ जनवरी २०७८ १०:५९:५०
चंद्र	शनि	२१ जनवरी २०७८ १०:५९:५०	२४ फ़रवरी २०७८ ०४:३७:०५
चंद्र	बुध	२४ फ़रवरी २०७८ ०४:३७:०५	२६ मार्च २०७८ ०९:००:५७
चंद्र	केतु	२६ मार्च २०७८ ०९:००:५७	०७ अप्रैल २०७८ १९:१७:५०
चंद्र	शुक्र	०७ अप्रैल २०७८ १९:१७:५०	१३ मई २०७८ ०७:३१:४७
चंद्र	सूर्य	१३ मई २०७८ ०७:३१:४७	२३ मई २०७८ २३:११:५८
मंगल	मंगल	२३ मई २०७८ २३:११:५८	०१ जून २०७८ १५:५९:४७
मंगल	राहु	०१ जून २०७८ १५:५९:४७	२४ जून २०७८ ००:५४:१०
मंगल	बृहस्पति	२४ जून २०७८ ००:५४:१०	१३ जुलाई २०७८ २२:०९:११
मंगल	शनि	१३ जुलाई २०७८ २२:०९:११	०६ अगस्त २०७८ १२:५३:१६
मंगल	बुध	०६ अगस्त २०७८ १२:५३:१६	२७ अगस्त २०७८ १५:५७:५८
मंगल	केतु	२७ अगस्त २०७८ १५:५७:५८	०५ सितंबर २०७८ ०८:४५:४७
मंगल	शुक्र	०५ सितंबर २०७८ ०८:४५:४७	३० सितंबर २०७८ ०५:१९:३३
मंगल	सूर्य	३० सितंबर २०७८ ०५:१९:३३	०७ अक्टूबर २०७८ १६:१७:४०
मंगल	चंद्र	०७ अक्टूबर २०७८ १६:१७:४०	२० अक्टूबर २०७८ ०२:३४:३३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
राहु	राहु	२० अक्टूबर २०७८ ०२:३४:३३	१६ दिसंबर २०७८ १५:११:३३
राहु	बृहस्पति	१६ दिसंबर २०७८ १५:११:३३	०५ फ़रवरी २०७९ १८:२४:२७
राहु	शनि	०५ फ़रवरी २०७९ १८:२४:२७	०७ अप्रैल २०७९ ११:४३:३०
राहु	बुध	०७ अप्रैल २०७९ ११:४३:३०	३१ मई २०७९ १९:३८:२६
राहु	केतु	३१ मई २०७९ १९:३८:२६	२३ जून २०७९ ०४:३२:५०
राहु	शुक्र	२३ जून २०७९ ०४:३२:५०	२६ अगस्त २०७९ ०२:३३:५६
राहु	सूर्य	२६ अगस्त २०७९ ०२:३३:५६	१४ सितंबर २०७९ ०६:४६:१६
राहु	चंद्र	१४ सितंबर २०७९ ०६:४६:१६	१६ अक्टूबर २०७९ ०५:४६:५०
राहु	मंगल	१६ अक्टूबर २०७९ ०५:४६:५०	०७ नवंबर २०७९ १४:४१:१३
बृहस्पति	बृहस्पति	०७ नवंबर २०७९ १४:४१:१३	२३ दिसंबर २०७९ ०१:३२:४०
बृहस्पति	शनि	२३ दिसंबर २०७९ ०१:३२:४०	१५ फ़रवरी २०८० ००:५६:१७
बृहस्पति	बुध	१५ फ़रवरी २०८० ००:५६:१७	०३ अप्रैल २०८० ०७:५८:२७
बृहस्पति	केतु	०३ अप्रैल २०८० ०७:५८:२७	२३ अप्रैल २०८० ०५:१३:२८
बृहस्पति	शुक्र	२३ अप्रैल २०८० ०५:१३:२८	१९ जून २०८० ००:४७:४७
बृहस्पति	सूर्य	१९ जून २०८० ००:४७:४७	०६ जुलाई २०८० ०१:५२:०५
बृहस्पति	चंद्र	०६ जुलाई २०८० ०१:५२:०५	०३ अगस्त २०८० ११:३९:१४
बृहस्पति	मंगल	०३ अगस्त २०८० ११:३९:१४	२३ अगस्त २०८० ०८:५४:१५
बृहस्पति	राहु	२३ अगस्त २०८० ०८:५४:१५	१३ अक्टूबर २०८० १२:०७:०८
शनि	शनि	१३ अक्टूबर २०८० १२:०७:०८	१६ दिसंबर २०८० १४:२३:५५
शनि	बुध	१६ दिसंबर २०८० १४:२३:५५	११ फ़रवरी २०८१ २२:४५:१५
शनि	केतु	११ फ़रवरी २०८१ २२:४५:१५	०७ मार्च २०८१ १३:२९:१९
शनि	शुक्र	०७ मार्च २०८१ १३:२९:१९	१४ मई २०८१ ००:४३:५०
शनि	सूर्य	१४ मई २०८१ ००:४३:५०	०३ जून २०८१ ०६:३०:११

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शनि	चंद्र	०३ जून २०८१ ०६:३०:११	०७ जुलाई २०८१ ००:०७:२६
शनि	मंगल	०७ जुलाई २०८१ ००:०७:२६	३० जुलाई २०८१ १४:५१:३०
शनि	राहु	३० जुलाई २०८१ १४:५१:३०	२९ सितंबर २०८१ ०८:१०:३४
शनि	बृहस्पति	२९ सितंबर २०८१ ०८:१०:३४	२२ नवंबर २०८१ ०७:३४:१०
बुध	बुध	२२ नवंबर २०८१ ०७:३४:१०	१२ जनवरी २०८२ १५:०२:४३
बुध	केतु	१२ जनवरी २०८२ १५:०२:४३	०२ फ़रवरी २०८२ १८:०७:२५
बुध	शुक्र	०२ फ़रवरी २०८२ १८:०७:२५	०४ अप्रैल २०८२ ०२:५५:०८
बुध	सूर्य	०४ अप्रैल २०८२ ०२:५५:०८	२२ अप्रैल २०८२ ०५:३३:२७
बुध	चंद्र	२२ अप्रैल २०८२ ०५:३३:२७	२२ मई २०८२ ०९:५७:१९
बुध	मंगल	२२ मई २०८२ ०९:५७:१९	१२ जून २०८२ १३:०२:०१
बुध	राहु	१२ जून २०८२ १३:०२:०१	०५ अगस्त २०८२ २०:५६:५७
बुध	बृहस्पति	०५ अगस्त २०८२ २०:५६:५७	२३ सितंबर २०८२ ०३:५९:०८
बुध	शनि	२३ सितंबर २०८२ ०३:५९:०८	१९ नवंबर २०८२ १२:२०:२७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

शुक्र / १९ नवंबर २०८२ - २० नवंबर २१०२

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शुक्र	शुक्र	१९ नवंबर २०८२ १२:२०:२७	१० जून २०८३ १०:१४:२७
शुक्र	सूर्य	१० जून २०८३ १०:१४:२७	१० अगस्त २०८३ ०७:१२:३९
शुक्र	चंद्र	१० अगस्त २०८३ ०७:१२:३९	१९ नवंबर २०८३ १८:०९:३९
शुक्र	मंगल	१९ नवंबर २०८३ १८:०९:३९	२९ जनवरी २०८४ १८:३७:३३
शुक्र	राहु	२९ जनवरी २०८४ १८:३७:३३	३० जुलाई २०८४ ०९:३२:०९
शुक्र	बृहस्पति	३० जुलाई २०८४ ०९:३२:०९	०८ जनवरी २०८५ १७:२७:२१
शुक्र	शनि	०८ जनवरी २०८५ १७:२७:२१	२० जुलाई २०८५ ११:५१:३९
शुक्र	बुध	२० जुलाई २०८५ ११:५१:३९	०८ जनवरी २०८६ २३:१६:३३
शुक्र	केतु	०८ जनवरी २०८६ २३:१६:३३	२० मार्च २०८६ २३:४४:२७
सूर्य	सूर्य	२० मार्च २०८६ २३:४४:२७	०८ अप्रैल २०८६ ०६:०१:५५
सूर्य	चंद्र	०८ अप्रैल २०८६ ०६:०१:५५	०८ मई २०८६ १६:३१:०१
सूर्य	मंगल	०८ मई २०८६ १६:३१:०१	२९ मई २०८६ २३:५१:२३
सूर्य	राहु	२९ मई २०८६ २३:५१:२३	२३ जुलाई २०८६ १८:४३:४६
सूर्य	बृहस्पति	२३ जुलाई २०८६ १८:४३:४६	१० सितंबर २०८६ ११:३०:२०
सूर्य	शनि	१० सितंबर २०८६ ११:३०:२०	०७ नवंबर २०८६ ०७:२५:३७
सूर्य	बुध	०७ नवंबर २०८६ ०७:२५:३७	२९ दिसंबर २०८६ ०१:१५:०५
सूर्य	केतु	२९ दिसंबर २०८६ ०१:१५:०५	१९ जनवरी २०८७ ०८:३५:२७
सूर्य	शुक्र	१९ जनवरी २०८७ ०८:३५:२७	२१ मार्च २०८७ ०५:३३:३९
चंद्र	चंद्र	२१ मार्च २०८७ ०५:३३:३९	१० मई २०८७ २३:०२:०९
चंद्र	मंगल	१० मई २०८७ २३:०२:०९	१५ जून २०८७ ११:१६:०६
चंद्र	राहु	१५ जून २०८७ ११:१६:०६	१४ सितंबर २०८७ १८:४३:२४
चंद्र	बृहस्पति	१४ सितंबर २०८७ १८:४३:२४	०४ दिसंबर २०८७ २२:४१:००

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
चंद्र	शनि	०४ दिसंबर २०८७ २२:४१:००	१० मार्च २०८८ ०७:५३:०९
चंद्र	बुध	१० मार्च २०८८ ०७:५३:०९	०४ जून २०८८ १३:३५:३६
चंद्र	केतु	०४ जून २०८८ १३:३५:३६	१० जुलाई २०८८ ०१:४९:३३
चंद्र	शुक्र	१० जुलाई २०८८ ०१:४९:३३	१९ अक्टूबर २०८८ १२:४६:३३
चंद्र	सूर्य	१९ अक्टूबर २०८८ १२:४६:३३	१८ नवंबर २०८८ २३:१५:३९
मंगल	मंगल	१८ नवंबर २०८८ २३:१५:३९	१३ दिसंबर २०८८ १९:४९:२५
मंगल	राहु	१३ दिसंबर २०८८ १९:४९:२५	१५ फ़रवरी २०८९ १७:५०:३२
मंगल	बृहस्पति	१५ फ़रवरी २०८९ १७:५०:३२	१३ अप्रैल २०८९ १३:२४:५१
मंगल	शनि	१३ अप्रैल २०८९ १३:२४:५१	२० जून २०८९ ००:३९:२१
मंगल	बुध	२० जून २०८९ ००:३९:२१	१९ अगस्त २०८९ ०९:२७:०४
मंगल	केतु	१९ अगस्त २०८९ ०९:२७:०४	१३ सितंबर २०८९ ०६:००:५०
मंगल	शुक्र	१३ सितंबर २०८९ ०६:००:५०	२३ नवंबर २०८९ ०६:२८:४४
मंगल	सूर्य	२३ नवंबर २०८९ ०६:२८:४४	१४ दिसंबर २०८९ १३:४९:०६
मंगल	चंद्र	१४ दिसंबर २०८९ १३:४९:०६	१९ जनवरी २०९० ०२:०३:०३
राहु	राहु	१९ जनवरी २०९० ०२:०३:०३	०२ जुलाई २०९० १०:४०:१२
राहु	बृहस्पति	०२ जुलाई २०९० १०:४०:१२	२५ नवंबर २०९० १२:५९:५३
राहु	शनि	२५ नवंबर २०९० १२:५९:५३	१८ मई २०९१ ००:४५:४५
राहु	बुध	१८ मई २०९१ ००:४५:४५	२० अक्टूबर २०९१ ०६:१४:०९
राहु	केतु	२० अक्टूबर २०९१ ०६:१४:०९	२३ दिसंबर २०९१ ०४:१५:१६
राहु	शुक्र	२३ दिसंबर २०९१ ०४:१५:१६	२२ जून २०९२ १९:०९:५२
राहु	सूर्य	२२ जून २०९२ १९:०९:५२	१६ अगस्त २०९२ १४:०२:१५
राहु	चंद्र	१६ अगस्त २०९२ १४:०२:१५	१५ नवंबर २०९२ २१:२९:३३
राहु	मंगल	१५ नवंबर २०९२ २१:२९:३३	१८ जनवरी २०९३ १९:३०:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बृहस्पति	बृहस्पति	१८ जनवरी २०९३ १९:३०:३९	२८ मई २०९३ १६:१४:४९
बृहस्पति	शनि	२८ मई २०९३ १६:१४:४९	२९ अक्टूबर २०९३ २१:२२:१५
बृहस्पति	बुध	२९ अक्टूबर २०९३ २१:२२:१५	१६ मार्च २०९४ २०:५४:११
बृहस्पति	केतु	१६ मार्च २०९४ २०:५४:११	१२ मई २०९४ १६:२८:३०
बृहस्पति	शुक्र	१२ मई २०९४ १६:२८:३०	२२ अक्टूबर २०९४ ००:२३:४२
बृहस्पति	सूर्य	२२ अक्टूबर २०९४ ००:२३:४२	०९ दिसंबर २०९४ १७:१०:१५
बृहस्पति	चंद्र	०९ दिसंबर २०९४ १७:१०:१५	२८ फ़रवरी २०९५ २१:०७:५१
बृहस्पति	मंगल	२८ फ़रवरी २०९५ २१:०७:५१	२६ अप्रैल २०९५ १६:४२:११
बृहस्पति	राहु	२६ अप्रैल २०९५ १६:४२:११	१९ सितंबर २०९५ १९:०१:५१
शनि	शनि	१९ सितंबर २०९५ १९:०१:५१	२० मार्च २०९६ २२:०६:५६
शनि	बुध	२० मार्च २०९६ २२:०६:५६	३१ अगस्त २०९६ १८:३३:३६
शनि	केतु	३१ अगस्त २०९६ १८:३३:३६	०७ नवंबर २०९६ ०५:४८:०६
शनि	शुक्र	०७ नवंबर २०९६ ०५:४८:०६	१९ मई २०९७ ००:१२:२४
शनि	सूर्य	१९ मई २०९७ ००:१२:२४	१५ जुलाई २०९७ २०:०७:४१
शनि	चंद्र	१५ जुलाई २०९७ २०:०७:४१	२० अक्टूबर २०९७ ०५:१९:५०
शनि	मंगल	२० अक्टूबर २०९७ ०५:१९:५०	२६ दिसंबर २०९७ १६:३४:२१
शनि	राहु	२६ दिसंबर २०९७ १६:३४:२१	१८ जून २०९८ ०४:२०:१३
शनि	बृहस्पति	१८ जून २०९८ ०४:२०:१३	१९ नवंबर २०९८ ०९:२७:३९
बुध	बुध	१९ नवंबर २०९८ ०९:२७:३९	१४ अप्रैल २०९९ २३:५७:४९
बुध	केतु	१४ अप्रैल २०९९ २३:५७:४९	१४ जून २०९९ ०८:४५:३२
बुध	शुक्र	१४ जून २०९९ ०८:४५:३२	०३ दिसंबर २०९९ २०:१०:२६
बुध	सूर्य	०३ दिसंबर २०९९ २०:१०:२६	२४ जनवरी २१०० १३:५९:५४
बुध	चंद्र	२४ जनवरी २१०० १३:५९:५४	२० अप्रैल २१०० १९:४२:२१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बुध	मंगल	२० अप्रैल २१०० १९:४२:२१	२० जून २१०० ०४:३०:०४
बुध	राहु	२० जून २१०० ०४:३०:०४	२२ नवंबर २१०० ०९:५८:२९
बुध	बृहस्पति	२२ नवंबर २१०० ०९:५८:२९	०९ अप्रैल २१०१ ०९:३०:२४
बुध	शनि	०९ अप्रैल २१०१ ०९:३०:२४	२० सितंबर २१०१ ०५:५७:०३
केतु	केतु	२० सितंबर २१०१ ०५:५७:०३	१५ अक्टूबर २१०१ ०२:३०:४९
केतु	शुक्र	१५ अक्टूबर २१०१ ०२:३०:४९	२५ दिसंबर २१०१ ०२:५८:४३
केतु	सूर्य	२५ दिसंबर २१०१ ०२:५८:४३	१५ जनवरी २१०२ १०:१९:०५
केतु	चंद्र	१५ जनवरी २१०२ १०:१९:०५	१९ फ़रवरी २१०२ २२:३३:०२
केतु	मंगल	१९ फ़रवरी २१०२ २२:३३:०२	१६ मार्च २१०२ १९:०६:४८
केतु	राहु	१६ मार्च २१०२ १९:०६:४८	१९ मई २१०२ १७:०७:५५
केतु	बृहस्पति	१९ मई २१०२ १७:०७:५५	१५ जुलाई २१०२ १२:४२:१४
केतु	शनि	१५ जुलाई २१०२ १२:४२:१४	२० सितंबर २१०२ २३:५६:४४
केतु	बुध	२० सितंबर २१०२ २३:५६:४४	२० नवंबर २१०२ ०८:४४:२७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

सूर्य / २० नवंबर २१०२ - १९ नवंबर २१०८

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
सूर्य	सूर्य	२० नवंबर २१०२ ०८:४४:२७	२५ नवंबर २१०२ २०:१३:४२
सूर्य	चंद्र	२५ नवंबर २१०२ २०:१३:४२	०४ दिसंबर २१०२ २३:२२:२५
सूर्य	मंगल	०४ दिसंबर २१०२ २३:२२:२५	११ दिसंबर २१०२ ०८:४६:३२
सूर्य	राहु	११ दिसंबर २१०२ ०८:४६:३२	२७ दिसंबर २१०२ १९:१४:१५
सूर्य	बृहस्पति	२७ दिसंबर २१०२ १९:१४:१५	११ जनवरी २१०३ ०९:५२:१३
सूर्य	शनि	११ जनवरी २१०३ ०९:५२:१३	२८ जनवरी २१०३ १८:१४:४८
सूर्य	बुध	२८ जनवरी २१०३ १८:१४:४८	१३ फ़रवरी २१०३ ०६:४७:३९
सूर्य	केतु	१३ फ़रवरी २१०३ ०६:४७:३९	१९ फ़रवरी २१०३ १६:११:४५
सूर्य	शुक्र	१९ फ़रवरी २१०३ १६:११:४५	०९ मार्च २१०३ २२:२९:१३
चंद्र	चंद्र	०९ मार्च २१०३ २२:२९:१३	२५ मार्च २१०३ ०३:४३:४६
चंद्र	मंगल	२५ मार्च २१०३ ०३:४३:४६	०४ अप्रैल २१०३ १९:२३:५७
चंद्र	राहु	०४ अप्रैल २१०३ १९:२३:५७	०२ मई २१०३ ०४:५०:०८
चंद्र	बृहस्पति	०२ मई २१०३ ०४:५०:०८	२६ मई २१०३ १३:१३:२५
चंद्र	शनि	२६ मई २१०३ १३:१३:२५	२४ जून २१०३ ११:११:०४
चंद्र	बुध	२४ जून २१०३ ११:११:०४	२० जुलाई २१०३ ०८:०५:४८
चंद्र	केतु	२० जुलाई २१०३ ०८:०५:४८	३० जुलाई २१०३ २३:४५:५९
चंद्र	शुक्र	३० जुलाई २१०३ २३:४५:५९	३० अगस्त २१०३ १०:१५:०५
चंद्र	सूर्य	३० अगस्त २१०३ १०:१५:०५	०८ सितंबर २१०३ १३:२३:४९
मंगल	मंगल	०८ सितंबर २१०३ १३:२३:४९	१६ सितंबर २१०३ ००:२१:५७
मंगल	राहु	१६ सितंबर २१०३ ००:२१:५७	०५ अक्टूबर २१०३ ०४:३४:१७
मंगल	बृहस्पति	०५ अक्टूबर २१०३ ०४:३४:१७	२२ अक्टूबर २१०३ ०५:३८:३४
मंगल	शनि	२२ अक्टूबर २१०३ ०५:३८:३४	११ नवंबर २१०३ ११:२४:५६

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
मंगल	बुध	११ नवंबर २१०३ ११:२४:५६	२९ नवंबर २१०३ १४:०३:१४
मंगल	केतु	२९ नवंबर २१०३ १४:०३:१४	०७ दिसंबर २१०३ ०१:०१:२२
मंगल	शुक्र	०७ दिसंबर २१०३ ०१:०१:२२	२८ दिसंबर २१०३ ०८:२१:४४
मंगल	सूर्य	२८ दिसंबर २१०३ ०८:२१:४४	०३ जनवरी २१०४ १७:४५:५१
मंगल	चंद्र	०३ जनवरी २१०४ १७:४५:५१	१४ जनवरी २१०४ ०९:२६:०२
राहु	राहु	१४ जनवरी २१०४ ०९:२६:०२	०३ मार्च २१०४ १६:४९:११
राहु	बृहस्पति	०३ मार्च २१०४ १६:४९:११	१६ अप्रैल २१०४ १२:४३:०५
राहु	शनि	१६ अप्रैल २१०४ १२:४३:०५	०७ जून २१०४ १३:५०:५१
राहु	बुध	०७ जून २१०४ १३:५०:५१	२४ जुलाई २१०४ ०३:२९:२२
राहु	केतु	२४ जुलाई २१०४ ०३:२९:२२	१२ अगस्त २१०४ ०७:४१:४२
राहु	शुक्र	१२ अगस्त २१०४ ०७:४१:४२	०६ अक्टूबर २१०४ ०२:३४:०५
राहु	सूर्य	०६ अक्टूबर २१०४ ०२:३४:०५	२२ अक्टूबर २१०४ १३:०१:४८
राहु	चंद्र	२२ अक्टूबर २१०४ १३:०१:४८	१८ नवंबर २१०४ २२:२७:५९
राहु	मंगल	१८ नवंबर २१०४ २२:२७:५९	०८ दिसंबर २१०४ ०२:४०:१९
बृहस्पति	बृहस्पति	०८ दिसंबर २१०४ ०२:४०:१९	१६ जनवरी २१०५ ०१:४१:३४
बृहस्पति	शनि	१६ जनवरी २१०५ ०१:४१:३४	०३ मार्च २१०५ ०८:०१:४८
बृहस्पति	बुध	०३ मार्च २१०५ ०८:०१:४८	१३ अप्रैल २१०५ १७:२९:२२
बृहस्पति	केतु	१३ अप्रैल २१०५ १७:२९:२२	३० अप्रैल २१०५ १८:३३:४०
बृहस्पति	शुक्र	३० अप्रैल २१०५ १८:३३:४०	१८ जून २१०५ ११:२०:१४
बृहस्पति	सूर्य	१८ जून २१०५ ११:२०:१४	०३ जुलाई २१०५ ०१:५८:१२
बृहस्पति	चंद्र	०३ जुलाई २१०५ ०१:५८:१२	२७ जुलाई २१०५ १०:२१:२९
बृहस्पति	मंगल	२७ जुलाई २१०५ १०:२१:२९	१३ अगस्त २१०५ ११:२५:४६
बृहस्पति	राहु	१३ अगस्त २१०५ ११:२५:४६	२६ सितंबर २१०५ ०७:१९:४१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
शनि	शनि	२६ सितंबर २१०५ ०७:१९:४१	२० नवंबर २१०५ ०५:५१:१२
शनि	बुध	२० नवंबर २१०५ ०५:५१:१२	०८ जनवरी २१०६ ०९:३५:१२
शनि	केतु	०८ जनवरी २१०६ ०९:३५:१२	२८ जनवरी २१०६ १५:२१:३३
शनि	शुक्र	२८ जनवरी २१०६ १५:२१:३३	२७ मार्च २१०६ ११:१६:५०
शनि	सूर्य	२७ मार्च २१०६ ११:१६:५०	१३ अप्रैल २१०६ १९:३९:२६
शनि	चंद्र	१३ अप्रैल २१०६ १९:३९:२६	१२ मई २१०६ १७:३७:०४
शनि	मंगल	१२ मई २१०६ १७:३७:०४	०१ जून २१०६ २३:२३:२५
शनि	राहु	०१ जून २१०६ २३:२३:२५	२४ जुलाई २१०६ ००:३१:११
शनि	बृहस्पति	२४ जुलाई २१०६ ००:३१:११	०८ सितंबर २१०६ ०६:५१:२५
बुध	बुध	०८ सितंबर २१०६ ०६:५१:२५	२२ अक्टूबर २१०६ ०६:२४:२८
बुध	केतु	२२ अक्टूबर २१०६ ०६:२४:२८	०९ नवंबर २१०६ ०९:०२:४७
बुध	शुक्र	०९ नवंबर २१०६ ०९:०२:४७	३१ दिसंबर २१०६ ०२:५२:१५
बुध	सूर्य	३१ दिसंबर २१०६ ०२:५२:१५	१५ जनवरी २१०७ १५:२५:०५
बुध	चंद्र	१५ जनवरी २१०७ १५:२५:०५	१० फ़रवरी २१०७ १२:१९:५०
बुध	मंगल	१० फ़रवरी २१०७ १२:१९:५०	२८ फ़रवरी २१०७ १४:५८:०८
बुध	राहु	२८ फ़रवरी २१०७ १४:५८:०८	१६ अप्रैल २१०७ ०४:३६:४०
बुध	बृहस्पति	१६ अप्रैल २१०७ ०४:३६:४०	२७ मई २१०७ १४:०४:१४
बुध	शनि	२७ मई २१०७ १४:०४:१४	१५ जुलाई २१०७ १७:४८:१४
केतु	केतु	१५ जुलाई २१०७ १७:४८:१४	२३ जुलाई २१०७ ०४:४६:२२
केतु	शुक्र	२३ जुलाई २१०७ ०४:४६:२२	१३ अगस्त २१०७ १२:०६:४४
केतु	सूर्य	१३ अगस्त २१०७ १२:०६:४४	१९ अगस्त २१०७ २१:३०:५१
केतु	चंद्र	१९ अगस्त २१०७ २१:३०:५१	३० अगस्त २१०७ १३:११:०२
केतु	मंगल	३० अगस्त २१०७ १३:११:०२	०७ सितंबर २१०७ ००:०९:१०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
केतु	राहु	०७ सितंबर २१०७ ००:०९:१०	२६ सितंबर २१०७ ०४:२१:३०
केतु	बृहस्पति	२६ सितंबर २१०७ ०४:२१:३०	१३ अक्टूबर २१०७ ०५:२५:४७
केतु	शनि	१३ अक्टूबर २१०७ ०५:२५:४७	०२ नवंबर २१०७ ११:१२:०८
केतु	बुध	०२ नवंबर २१०७ ११:१२:०८	२० नवंबर २१०७ १३:५०:२७
शुक्र	शुक्र	२० नवंबर २१०७ १३:५०:२७	२० जनवरी २१०८ १०:४८:३९
शुक्र	सूर्य	२० जनवरी २१०८ १०:४८:३९	०७ फ़रवरी २१०८ १७:०६:०७
शुक्र	चंद्र	०७ फ़रवरी २१०८ १७:०६:०७	०९ मार्च २१०८ ०३:३५:१३
शुक्र	मंगल	०९ मार्च २१०८ ०३:३५:१३	३० मार्च २१०८ १०:५५:३५
शुक्र	राहु	३० मार्च २१०८ १०:५५:३५	२४ मई २१०८ ०५:४७:५८
शुक्र	बृहस्पति	२४ मई २१०८ ०५:४७:५८	११ जुलाई २१०८ २२:३४:३२
शुक्र	शनि	११ जुलाई २१०८ २२:३४:३२	०७ सितंबर २१०८ १८:२९:४९
शुक्र	बुध	०७ सितंबर २१०८ १८:२९:४९	२९ अक्टूबर २१०८ १२:१९:१७
शुक्र	केतु	२९ अक्टूबर २१०८ १२:१९:१७	१९ नवंबर २१०८ १९:३९:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

चंद्र / १९ नवंबर २१०८ - १२ मई २११५

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
चंद्र	चंद्र	१९ नवंबर २१०८ १९:३९:३९	१५ दिसंबर २१०८ ०४:२३:५४
चंद्र	मंगल	१५ दिसंबर २१०८ ०४:२३:५४	०१ जनवरी २१०९ २२:३०:५३
चंद्र	राहु	०१ जनवरी २१०९ २२:३०:५३	१६ फ़रवरी २१०९ १४:१४:३२
चंद्र	बृहस्पति	१६ फ़रवरी २१०९ १४:१४:३२	२९ मार्च २१०९ ०४:१३:२०
चंद्र	शनि	२९ मार्च २१०९ ०४:१३:२०	१६ मई २१०९ ०८:४९:२४
चंद्र	बुध	१६ मई २१०९ ०८:४९:२४	२८ जून २१०९ ११:४०:३८
चंद्र	केतु	२८ जून २१०९ ११:४०:३८	१६ जुलाई २१०९ ०५:४७:३६
चंद्र	शुक्र	१६ जुलाई २१०९ ०५:४७:३६	०४ सितंबर २१०९ २३:१६:०६
चंद्र	सूर्य	०४ सितंबर २१०९ २३:१६:०६	२० सितंबर २१०९ ०४:३०:३९
मंगल	मंगल	२० सितंबर २१०९ ०४:३०:३९	०२ अक्टूबर २१०९ १४:४७:३२
मंगल	राहु	०२ अक्टूबर २१०९ १४:४७:३२	०३ नवंबर २१०९ १३:४८:०६
मंगल	बृहस्पति	०३ नवंबर २१०९ १३:४८:०६	०१ दिसंबर २१०९ २३:३५:१५
मंगल	शनि	०१ दिसंबर २१०९ २३:३५:१५	०४ जनवरी २११० १७:१२:३०
मंगल	बुध	०४ जनवरी २११० १७:१२:३०	०३ फ़रवरी २११० २१:३६:२२
मंगल	केतु	०३ फ़रवरी २११० २१:३६:२२	१६ फ़रवरी २११० ०७:५३:१५
मंगल	शुक्र	१६ फ़रवरी २११० ०७:५३:१५	२३ मार्च २११० २०:०७:१२
मंगल	सूर्य	२३ मार्च २११० २०:०७:१२	०३ अप्रैल २११० ११:४७:२३
मंगल	चंद्र	०३ अप्रैल २११० ११:४७:२३	२१ अप्रैल २११० ०५:५४:२१
राहु	राहु	२१ अप्रैल २११० ०५:५४:२१	१२ जुलाई २११० १०:१२:५६
राहु	बृहस्पति	१२ जुलाई २११० १०:१२:५६	२३ सितंबर २११० ११:२२:४६
राहु	शनि	२३ सितंबर २११० ११:२२:४६	१९ दिसंबर २११० ०५:१५:४२
राहु	बुध	१९ दिसंबर २११० ०५:१५:४२	०६ मार्च २१११ १९:५९:५४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
राहु	केतु	०६ मार्च २१११ १९:५९:५४	०७ अप्रैल २१११ १९:००:२८
राहु	शुक्र	०७ अप्रैल २१११ १९:००:२८	०८ जुलाई २१११ ०२:२७:४६
राहु	सूर्य	०८ जुलाई २१११ ०२:२७:४६	०४ अगस्त २१११ ११:५३:५७
राहु	चंद्र	०४ अगस्त २१११ ११:५३:५७	१९ सितंबर २१११ ०३:३७:३६
राहु	मंगल	१९ सितंबर २१११ ०३:३७:३६	२१ अक्टूबर २१११ ०२:३८:०९
बृहस्पति	बृहस्पति	२१ अक्टूबर २१११ ०२:३८:०९	२५ दिसंबर २१११ ०१:००:१४
बृहस्पति	शनि	२५ दिसंबर २१११ ०१:००:१४	११ मार्च २११२ ०३:३३:५७
बृहस्पति	बुध	११ मार्च २११२ ०३:३३:५७	१९ मई २११२ ०३:१९:५५
बृहस्पति	केतु	१९ मई २११२ ०३:१९:५५	१६ जून २११२ १३:०७:०५
बृहस्पति	शुक्र	१६ जून २११२ १३:०७:०५	०५ सितंबर २११२ १७:०४:४१
बृहस्पति	सूर्य	०५ सितंबर २११२ १७:०४:४१	३० सितंबर २११२ ०१:२७:५७
बृहस्पति	चंद्र	३० सितंबर २११२ ०१:२७:५७	०९ नवंबर २११२ १५:२६:४५
बृहस्पति	मंगल	०९ नवंबर २११२ १५:२६:४५	०८ दिसंबर २११२ ०१:१३:५५
बृहस्पति	राहु	०८ दिसंबर २११२ ०१:१३:५५	१९ फ़रवरी २११३ ०२:२३:४५
शनि	शनि	१९ फ़रवरी २११३ ०२:२३:४५	२१ मई २११३ १५:५६:१८
शनि	बुध	२१ मई २११३ १५:५६:१८	११ अगस्त २११३ १४:०९:३८
शनि	केतु	११ अगस्त २११३ १४:०९:३८	१४ सितंबर २११३ ०७:४६:५३
शनि	शुक्र	१४ सितंबर २११३ ०७:४६:५३	१९ दिसंबर २११३ १६:५९:०२
शनि	सूर्य	१९ दिसंबर २११३ १६:५९:०२	१७ जनवरी २११४ १४:५६:४०
शनि	चंद्र	१७ जनवरी २११४ १४:५६:४०	०६ मार्च २११४ १९:३२:४५
शनि	मंगल	०६ मार्च २११४ १९:३२:४५	०९ अप्रैल २११४ १३:१०:००
शनि	राहु	०९ अप्रैल २११४ १३:१०:००	०५ जुलाई २११४ ०७:०२:५६
शनि	बृहस्पति	०५ जुलाई २११४ ०७:०२:५६	२० सितंबर २११४ ०९:३६:३९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

उप-अवधि	उप-उप-अवधि	प्रारंभ (स्थानीय)	अंत (स्थानीय)
बुध	बुध	२० सितंबर २११४ ०९:३६:३९	०२ दिसंबर २११४ १६:५१:४४
बुध	केतु	०२ दिसंबर २११४ १६:५१:४४	०१ जनवरी २११५ २१:१५:३६
बुध	शुक्र	०१ जनवरी २११५ २१:१५:३६	२९ मार्च २११५ ०२:५८:०३
बुध	सूर्य	२९ मार्च २११५ ०२:५८:०३	२३ अप्रैल २११५ २३:५२:४७
बुध	चंद्र	२३ अप्रैल २११५ २३:५२:४७	१२ मई २११५ ०९:३९:००

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

तिथि-युक्त गोचर पंचांग

०३ नवंबर २०२६ से ०३ नवंबर २०२७ (अंतिम समय शामिल नहीं)। समय: भारतीय मानक समय । ये खगोलीय परिवर्तन हैं, जीवन की घटनाओं की गारंटी नहीं।

गणना	मान
सूर्य	देशांतर: १९६.११५०; राशि: तुला; राशि में अंश: १६.११५०; प्रतिदिन गति, अंश में: १.००१०; गति: मार्गी; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
चंद्र	देशांतर: ११७.८५२१; राशि: कर्क; राशि में अंश: २७.८५२१; प्रतिदिन गति, अंश में: १३.६७४२; गति: मार्गी; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
मंगल	देशांतर: ११५.२७४८; राशि: कर्क; राशि में अंश: २५.२७४८; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.४९७८; गति: मार्गी; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
बुध	देशांतर: २००.३१७१; राशि: तुला; राशि में अंश: २०.३१७१; प्रतिदिन गति, अंश में: -१.२६१९; गति: वक्री; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
बृहस्पति	देशांतर: १२०.३०११; राशि: सिंह; राशि में अंश: ०.३०११; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.११७३; गति: मार्गी; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
शुक्र	देशांतर: १८१.१८२०; राशि: तुला; राशि में अंश: १.१८२०; प्रतिदिन गति, अंश में: -०.४४१५; गति: वक्री; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
शनि	देशांतर: ३४४.९४३१; राशि: मीन; राशि में अंश: १४.९४३१; प्रतिदिन गति, अंश में: -०.०६१०; गति: वक्री; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
राहु	देशांतर: ३०२.७००८; राशि: कुंभ; राशि में अंश: २.७००८; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.००३५; गति: मार्गी; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
केतु	देशांतर: १२२.७००८; राशि: सिंह; राशि में अंश: २.७००८; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.००३५; गति: मार्गी; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०३ नवंबर २०२६ ०३:४६:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
०३ नवंबर २०२६ ०८:२९:३८	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०३ नवंबर २०२६ ०८:२९:३८	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०५ नवंबर २०२६ ०९:३४:४०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०६ नवंबर २०२६ ०१:०७:११	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: तुला; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०७ नवंबर २०२६ १७:१५:१५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
१० नवंबर २०२६ ०२:४८:२२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
१२ नवंबर २०२६ १४:१९:११	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
१२ नवंबर २०२६ २०:१६:३३	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
१३ नवंबर २०२६ २१:२४:२३	बुध	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ नवंबर २०२६ ०५:५९:४६	शुक्र	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१५ नवंबर २०२६ ०३:११:२३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१६ नवंबर २०२६ १९:४२:१६	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
१७ नवंबर २०२६ १५:३०:३४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२० नवंबर २०२६ ००:५०:०४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
२२ नवंबर २०२६ ०५:५५:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२२ नवंबर २०२६ १७:१८:०८	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२४ नवंबर २०२६ ०७:२४:४५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२५ नवंबर २०२६ १७:५२:२९	केतु	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: सिंह; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२५ नवंबर २०२६ १७:५२:२९	राहु	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: कुंभ; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२६ नवंबर २०२६ ०७:११:०९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२८ नवंबर २०२६ ०७:२२:३९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
३० नवंबर २०२६ ०९:०७:५०	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
३० नवंबर २०२६ ०९:०७:५०	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
३० नवंबर २०२६ ०९:४२:२७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
०१ दिसंबर २०२६ ११:४६:५२	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०१ दिसंबर २०२६ ११:४६:५२	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०२ दिसंबर २०२६ १४:५९:२२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०२ दिसंबर २०२६ १७:२६:५३	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०४ दिसंबर २०२६ २३:०२:५२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०७ दिसंबर २०२६ ०९:१३:५८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०९ दिसंबर २०२६ २१:००:४२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
११ दिसंबर २०२६ ०६:००:०३	शनि	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१२ दिसंबर २०२६ ०९:५१:३९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१३ दिसंबर २०२६ ०६:००:५५	बृहस्पति	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१४ दिसंबर २०२६ १८:३५:२५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ दिसंबर २०२६ १८:३५:२५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ दिसंबर २०२६ २२:३५:५४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१६ दिसंबर २०२६ १०:२४:०६	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
१७ दिसंबर २०२६ ०९:१३:१०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१७ दिसंबर २०२६ ११:०३:३९	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१७ दिसंबर २०२६ ११:०३:३९	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१९ दिसंबर २०२६ १५:५८:०९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२१ दिसंबर २०२६ १८:३६:१०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२२ दिसंबर २०२६ ०७:३९:०५	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
२३ दिसंबर २०२६ १८:२६:००	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२५ दिसंबर २०२६ १७:३३:००	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२७ दिसंबर २०२६ १३:२७:४५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२७ दिसंबर २०२६ १३:२७:४५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२७ दिसंबर २०२६ १८:०४:४८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२९ दिसंबर २०२६ २१:३७:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
३१ दिसंबर २०२६ ००:३७:५५	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
३१ दिसंबर २०२६ ००:३७:५५	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०१ जनवरी २०२७ ०४:४७:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०१ जनवरी २०२७ २३:२१:५६	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०३ जनवरी २०२७ १५:००:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०६ जनवरी २०२७ ०३:०७:१९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
०८ जनवरी २०२७ १५:५९:१०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१० जनवरी २०२७ ००:३६:४८	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१० जनवरी २०२७ १८:२४:२८	मंगल	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१० जनवरी २०२७ २१:२९:४८	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१० जनवरी २०२७ २१:२९:४८	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
११ जनवरी २०२७ ०४:३५:०६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१३ जनवरी २०२७ १५:४०:१४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१४ जनवरी २०२७ २१:०९:२९	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१५ जनवरी २०२७ २३:५१:१३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
१६ जनवरी २०२७ ०१:५४:४१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१६ जनवरी २०२७ ०१:५४:४१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१८ जनवरी २०२७ ०४:२१:५१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२० जनवरी २०२७ ०५:३८:३५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२२ जनवरी २०२७ ०५:०९:५९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२३ जनवरी २०२७ २३:००:१६	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२३ जनवरी २०२७ २३:००:१६	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२४ जनवरी २०२७ ०४:५३:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
२५ जनवरी २०२७ ०१:३९:२६	बृहस्पति	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: सिंह; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२६ जनवरी २०२७ ०६:४५:०७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२८ जनवरी २०२७ ०३:३३:२६	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२८ जनवरी २०२७ १२:०८:४३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२९ जनवरी २०२७ १६:३५:०१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२९ जनवरी २०२७ १६:३५:०१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२९ जनवरी २०२७ १८:४१:०२	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
३० जनवरी २०२७ २१:२२:०६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०२ फ़रवरी २०२७ ०९:२१:४१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
०४ फ़रवरी २०२७ २२:१८:२३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
०७ फ़रवरी २०२७ ०३:३०:११	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ फ़रवरी २०२७ ०३:३०:११	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ फ़रवरी २०२७ १०:३६:४१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
०९ फ़रवरी २०२७ १८:०८:२६	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०९ फ़रवरी २०२७ १८:०८:२६	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०९ फ़रवरी २०२७ २१:१७:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
०९ फ़रवरी २०२७ २३:०६:०१	बुध	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१२ फ़रवरी २०२७ ०५:४२:११	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
१३ फ़रवरी २०२७ १०:०८:०८	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१४ फ़रवरी २०२७ ११:२७:५७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
१४ फ़रवरी २०२७ १३:१६:३९	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ फ़रवरी २०२७ १३:१६:३९	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१६ फ़रवरी २०२७ १४:३४:५९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
१८ फ़रवरी २०२७ १५:४२:४३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२० फ़रवरी २०२७ १०:०६:१६	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२० फ़रवरी २०२७ १०:०६:१६	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२० फ़रवरी २०२७ १६:०७:५४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२२ फ़रवरी २०२७ १७:३०:१७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२४ फ़रवरी २०२७ ०४:४१:२७	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: कुंभ; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२४ फ़रवरी २०२७ १५:१५:३०	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२४ फ़रवरी २०२७ २१:३०:२७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२७ फ़रवरी २०२७ ०५:१४:१८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
२८ फ़रवरी २०२७ १०:५६:२३	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२८ फ़रवरी २०२७ १०:५६:२३	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०१ मार्च २०२७ १६:२७:१६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
०३ मार्च २०२७ १८:०२:३९	बुध	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०४ मार्च २०२७ ०५:२०:५०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
०६ मार्च २०२७ १०:०८:५६	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०६ मार्च २०२७ १०:०८:५६	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०६ मार्च २०२७ १७:३४:४७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
०९ मार्च २०२७ ०३:४०:१८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१० मार्च २०२७ ००:१६:४५	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: सिंह; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
११ मार्च २०२७ ११:२०:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
१२ मार्च २०२७ ०५:०५:५९	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१३ मार्च २०२७ १६:५५:०५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
१५ मार्च २०२७ ०६:५९:०८	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
१५ मार्च २०२७ २०:५१:३९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
१५ मार्च २०२७ २१:४९:१२	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१५ मार्च २०२७ २१:४९:१२	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१७ मार्च २०२७ २३:३२:५६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
१९ मार्च २०२७ १८:३४:४३	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१९ मार्च २०२७ १८:३४:४३	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२० मार्च २०२७ ०१:३१:४२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२१ मार्च २०२७ १८:५१:०३	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२२ मार्च २०२७ ०३:४४:५४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२४ मार्च २०२७ ०७:३३:१८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२६ मार्च २०२७ १४:१८:०५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
२९ मार्च २०२७ ००:३१:५८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
३० मार्च २०२७ ०६:३८:०५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
३० मार्च २०२७ ०६:३८:०५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
३१ मार्च २०२७ १३:०७:४६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
०१ अप्रैल २०२७ १९:४१:४१	मंगल	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०२ अप्रैल २०२७ १५:४५:३७	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०२ अप्रैल २०२७ १५:४५:३७	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०३ अप्रैल २०२७ ०१:३३:०४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
०५ अप्रैल २०२७ ११:३२:०८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
०५ अप्रैल २०२७ १६:१५:५४	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
०७ अप्रैल २०२७ १८:२५:४२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
०९ अप्रैल २०२७ २२:५६:४२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
१२ अप्रैल २०२७ ०२:१४:२५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
१३ अप्रैल २०२७ ०८:१२:५३	बृहस्पति	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ अप्रैल २०२७ ०४:२६:२५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ अप्रैल २०२७ ०४:२६:२५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१४ अप्रैल २०२७ ०५:१२:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
१४ अप्रैल २०२७ १५:२७:२४	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
१५ अप्रैल २०२७ १५:१९:४८	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१५ अप्रैल २०२७ २१:५९:०२	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१५ अप्रैल २०२७ २१:५९:०२	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१६ अप्रैल २०२७ ०८:१८:२४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
१८ अप्रैल २०२७ ११:५२:०१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२० अप्रैल २०२७ १६:३१:३५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२२ अप्रैल २०२७ ०८:१२:०३	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२२ अप्रैल २०२७ २३:१७:१२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
२५ अप्रैल २०२७ ०८:५७:३८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
२६ अप्रैल २०२७ ११:४३:२१	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२७ अप्रैल २०२७ २१:११:२२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२९ अप्रैल २०२७ ०२:०९:४६	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२९ अप्रैल २०२७ ०२:०९:४६	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२९ अप्रैल २०२७ १८:४६:५९	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२९ अप्रैल २०२७ १८:४६:५९	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
३० अप्रैल २०२७ ०९:५४:०२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
०२ मई २०२७ २०:२३:२९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०५ मई २०२७ ०३:१४:५९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
०६ मई २०२७ १२:३५:५७	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
०७ मई २०२७ ०६:५५:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
०९ मई २०२७ ०८:५६:२७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
१० मई २०२७ ०८:४८:०७	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
११ मई २०२७ १०:५०:३७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
१२ मई २०२७ २२:४५:१७	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१२ मई २०२७ २२:४५:१७	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
१३ मई २०२७ १०:००:४९	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१३ मई २०२७ १०:००:४९	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१३ मई २०२७ १३:४१:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
१५ मई २०२७ १२:१८:४५	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
१५ मई २०२७ १७:५२:३१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
१७ मई २०२७ २३:३३:२९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२० मई २०२७ ०७:०३:११	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
२२ मई २०२७ १६:५०:२७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
२३ मई २०२७ १८:३१:३५	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२५ मई २०२७ ०४:५३:१३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२६ मई २०२७ २०:५३:५५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२६ मई २०२७ २०:५३:५५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२७ मई २०२७ १७:४९:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२८ मई २०२७ १९:३८:५५	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२८ मई २०२७ १९:३८:५५	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
३० मई २०२७ ०५:०९:०६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
०१ जून २०२७ १२:४९:५९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
०३ जून २०२७ ०५:१८:३६	शनि	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
०३ जून २०२७ १६:३७:५२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
०४ जून २०२७ ००:४०:२१	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
०५ जून २०२७ १७:५०:३९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
०७ जून २०२७ १८:२०:२९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
०९ जून २०२७ ००:५७:१६	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०९ जून २०२७ ००:५७:१६	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०९ जून २०२७ १९:४८:१६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
१० जून २०२७ २३:४४:४६	बुध	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ जून २०२७ १६:१९:१५	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ जून २०२७ १६:१९:१५	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ जून २०२७ २३:१७:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
१४ जून २०२७ ०५:१०:४६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
१५ जून २०२७ १८:५४:५७	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
१६ जून २०२७ १३:२१:४१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
१८ जून २०२७ २३:४०:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
२१ जून २०२७ ११:४९:१४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२२ जून २०२७ २३:५८:१०	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२२ जून २०२७ २३:५८:१०	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२४ जून २०२७ ००:५०:५७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२६ जून २०२७ ०५:१३:४४	बृहस्पति	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
२६ जून २०२७ १२:५२:२५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
२७ जून २०२७ १०:३३:५१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२७ जून २०२७ १०:३३:५१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२८ जून २०२७ १४:३८:५९	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२८ जून २०२७ २१:४८:३४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
०१ जुलाई २०२७ ०२:४२:३७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
०३ जुलाई २०२७ ०४:१३:४२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
०५ जुलाई २०२७ ०१:१०:५२	बुध	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०५ जुलाई २०२७ ०४:०१:५९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
०५ जुलाई २०२७ ०४:३२:५३	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०६ जुलाई २०२७ ०७:४९:३१	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०६ जुलाई २०२७ ०७:४९:३१	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ जुलाई २०२७ ०४:०३:३६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
०९ जुलाई २०२७ ०५:५९:३५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
११ जुलाई २०२७ ००:००:०५	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ जुलाई २०२७ ००:००:०५	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ जुलाई २०२७ १०:५३:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
१३ जुलाई २०२७ १८:५७:५१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
१६ जुलाई २०२७ ०५:३९:५१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
१७ जुलाई २०२७ ०५:४७:५६	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
१८ जुलाई २०२७ १८:०३:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
२० जुलाई २०२७ ०५:०८:३४	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२० जुलाई २०२७ ०५:०८:३४	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
२१ जुलाई २०२७ ०७:०४:२०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
२३ जुलाई २०२७ ०१:४६:०९	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२३ जुलाई २०२७ १९:१९:०९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
२६ जुलाई २०२७ ०५:१४:०५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२६ जुलाई २०२७ २२:३३:२९	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२६ जुलाई २०२७ २२:३३:२९	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२८ जुलाई २०२७ ११:३९:२०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
३० जुलाई २०२७ १४:२९:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
३० जुलाई २०२७ १८:३०:५६	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
०१ अगस्त २०२७ १४:४८:१३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
०२ अगस्त २०२७ १९:०१:२५	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०२ अगस्त २०२७ १९:०१:२५	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०३ अगस्त २०२७ १४:१६:४६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
०४ अगस्त २०२७ ०७:१४:४९	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०४ अगस्त २०२७ ०७:१४:४९	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०५ अगस्त २०२७ १४:४९:४३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०७ अगस्त २०२७ १८:०७:३६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०९ अगस्त २०२७ १०:११:३४	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०९ अगस्त २०२७ १०:११:३४	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०९ अगस्त २०२७ २२:५४:२६	शनि	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१० अगस्त २०२७ ०१:०७:२१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
१२ अगस्त २०२७ ११:३४:१३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
१४ अगस्त २०२७ ११:५२:४९	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
१५ अगस्त २०२७ ००:०७:०९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१६ अगस्त २०२७ ०९:३४:०४	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
१६ अगस्त २०२७ ११:१३:४२	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१६ अगस्त २०२७ ११:१३:४२	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१७ अगस्त २०२७ १३:०४:४१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१७ अगस्त २०२७ १४:१२:४६	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२० अगस्त २०२७ ०१:०५:२३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
२२ अगस्त २०२७ ११:११:१६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२४ अगस्त २०२७ ०९:५०:१३	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२४ अगस्त २०२७ १८:३८:५२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२५ अगस्त २०२७ ०८:०४:४६	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२५ अगस्त २०२७ ०८:०४:४६	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२६ अगस्त २०२७ २३:०६:४९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२९ अगस्त २०२७ ००:५३:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
३० अगस्त २०२७ ०४:२८:१७	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
३० अगस्त २०२७ ०४:२८:१७	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
३१ अगस्त २०२७ ०१:०२:५८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
३१ अगस्त २०२७ ०२:००:२५	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०२ सितंबर २०२७ ०१:१३:१५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०४ सितंबर २०२७ ०३:१६:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०६ सितंबर २०२७ ०८:४७:३१	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०७ सितंबर २०२७ २३:५३:०२	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ सितंबर २०२७ २३:५३:०२	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०८ सितंबर २०२७ १८:१७:०४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४
०९ सितंबर २०२७ १४:४०:१०	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
११ सितंबर २०२७ ०६:३७:१२	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
१२ सितंबर २०२७ १६:५३:३१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१२ सितंबर २०२७ १६:५३:३१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
१३ सितंबर २०२७ १९:३४:०३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१६ सितंबर २०२७ ०७:१३:४४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१७ सितंबर २०२७ १४:०९:३५	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
१८ सितंबर २०२७ १६:४७:५३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
२१ सितंबर २०२७ ००:१२:३४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२१ सितंबर २०२७ १८:१९:५३	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
२३ सितंबर २०२७ ०५:३२:३६	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२३ सितंबर २०२७ १६:०२:१९	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२३ सितंबर २०२७ १६:०२:१९	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२५ सितंबर २०२७ ०८:५२:२४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२६ सितंबर २०२७ ११:३१:२१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२६ सितंबर २०२७ ११:३१:२१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२७ सितंबर २०२७ १०:३३:३७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२९ सितंबर २०२७ ११:३४:००	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
०१ अक्टूबर २०२७ १३:२६:३७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०३ अक्टूबर २०२७ १७:५६:४५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०३ अक्टूबर २०२७ १८:२३:४०	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
०६ अक्टूबर २०२७ ०२:१५:१९	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
०७ अक्टूबर २०२७ १७:१३:०९	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ अक्टूबर २०२७ १७:१३:०९	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
०७ अक्टूबर २०२७ २०:०६:२८	बुध	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०८ अक्टूबर २०२७ ०१:२७:३२	मंगल	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०८ अक्टूबर २०२७ १३:५८:५८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: धनु; राशि तक: मकर; लग्न से भाव: ९; चंद्र से भाव: ५
०९ अक्टूबर २०२७ २०:२५:४१	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
०९ अक्टूबर २०२७ २०:२५:४१	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
११ अक्टूबर २०२७ ०२:५५:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मकर; राशि तक: कुंभ; लग्न से भाव: १०; चंद्र से भाव: ६
१३ अक्टूबर २०२७ १४:३१:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कुंभ; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
१५ अक्टूबर २०२७ २३:२९:३०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मीन; राशि तक: मेष; लग्न से भाव: १२; चंद्र से भाव: ८
१८ अक्टूबर २०२७ ०२:०७:५९	सूर्य	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
१८ अक्टूबर २०२७ ०६:०१:४४	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मेष; राशि तक: वृषभ; लग्न से भाव: १; चंद्र से भाव: ९
२० अक्टूबर २०२७ ०७:२४:०१	शनि	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: मेष; राशि तक: मीन; लग्न से भाव: ११; चंद्र से भाव: ७
२० अक्टूबर २०२७ १०:५४:३३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृषभ; राशि तक: मिथुन; लग्न से भाव: २; चंद्र से भाव: १०
२१ अक्टूबर २०२७ ०८:१३:१३	बुध	राशि प्रवेश	वक्री: हाँ; से राशि: तुला; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२२ अक्टूबर २०२७ १४:४२:५५	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: मिथुन; राशि तक: कर्क; लग्न से भाव: ३; चंद्र से भाव: ११
२२ अक्टूबर २०२७ २३:२१:४९	केतु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२२ अक्टूबर २०२७ २३:२१:४९	राहु	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२३ अक्टूबर २०२७ १३:३५:४४	केतु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२३ अक्टूबर २०२७ १३:३५:४४	राहु	स्थिर	गति के बाद: वक्री
२४ अक्टूबर २०२७ १७:४१:४८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कर्क; राशि तक: सिंह; लग्न से भाव: ४; चंद्र से भाव: १२
२६ अक्टूबर २०२७ २०:१०:२७	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: सिंह; राशि तक: कन्या; लग्न से भाव: ५; चंद्र से भाव: १
२७ अक्टूबर २०२७ २१:५६:३६	शुक्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

स्थानीय तारीख / समय	ग्रह	परिवर्तन	विवरण
२८ अक्टूबर २०२७ १९:४०:४५	बुध	स्थिर	गति के बाद: मार्गी
२८ अक्टूबर २०२७ २२:५९:२३	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: कन्या; राशि तक: तुला; लग्न से भाव: ६; चंद्र से भाव: २
३१ अक्टूबर २०२७ ०३:३०:५८	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: तुला; राशि तक: वृश्चिक; लग्न से भाव: ७; चंद्र से भाव: ३
०२ नवंबर २०२७ ११:०६:४०	चंद्र	राशि प्रवेश	वक्री: नहीं; से राशि: वृश्चिक; राशि तक: धनु; लग्न से भाव: ८; चंद्र से भाव: ४

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

शनि चरण / प्रदान की गई खोज अवधि

गणना	मान
शनि खोज प्रारंभ	२ नवंबर १९९६ १७:२४:०६
शनि खोज समाप्ति	२ नवंबर २०५६ ०६:३५:५९
शनि चरण / १	चरण: अष्टम ढैया; चंद्र से भाव: ८; प्रारंभ: १७ अप्रैल १९९८ १२:५९:३९; अंत: ७ जून २००० ००:५१:३२; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / २	चरण: साढ़ेसाती आरोही चरण; चंद्र से भाव: १२; प्रारंभ: १ नवंबर २००६ ०६:५९:१८; अंत: १० जनवरी २००७ १८:१७:१२; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ३	चरण: साढ़ेसाती आरोही चरण; चंद्र से भाव: १२; प्रारंभ: १६ जुलाई २००७ ०४:३८:१८; अंत: ९ सितंबर २००९ २३:५३:३६; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ४	चरण: साढ़ेसाती मध्य चरण; चंद्र से भाव: १; प्रारंभ: ९ सितंबर २००९ २३:५३:३६; अंत: १५ नवंबर २०११ १०:०४:०७; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ५	चरण: साढ़ेसाती अवरोही चरण; चंद्र से भाव: २; प्रारंभ: १५ नवंबर २०११ १०:०४:०७; अंत: १६ मई २०१२ ०६:४८:३२; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ६	चरण: साढ़ेसाती मध्य चरण; चंद्र से भाव: १; प्रारंभ: १६ मई २०१२ ०६:४८:३२; अंत: ४ अगस्त २०१२ ०८:३३:३३; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ७	चरण: साढ़ेसाती अवरोही चरण; चंद्र से भाव: २; प्रारंभ: ४ अगस्त २०१२ ०८:३३:३३; अंत: २ नवंबर २०१४ २०:४७:००; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ८	चरण: चतुर्थ ढैया; चंद्र से भाव: ४; प्रारंभ: २६ जनवरी २०१७ १९:२१:४६; अंत: २१ जून २०१७ ०४:५०:४५; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ९	चरण: चतुर्थ ढैया; चंद्र से भाव: ४; प्रारंभ: २६ अक्टूबर २०१७ १५:१७:४३; अंत: २४ जनवरी २०२० ०९:४८:४१; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १०	चरण: अष्टम ढैया; चंद्र से भाव: ८; प्रारंभ: ३ जून २०२७ ०५:१८:३६; अंत: २० अक्टूबर २०२७ ०७:२४:०१; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / ११	चरण: अष्टम ढैया; चंद्र से भाव: ८; प्रारंभ: २३ फ़रवरी २०२८ १९:१४:०९; अंत: ८ अगस्त २०२९ १२:१२:५८; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १२	चरण: अष्टम ढैया; चंद्र से भाव: ८; प्रारंभ: ५ अक्टूबर २०२९ १७:१२:०३; अंत: १७ अप्रैल २०३० ०८:५९:५०; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १३	चरण: साढ़ेसाती आरोही चरण; चंद्र से भाव: १२; प्रारंभ: २७ अगस्त २०३६ २०:२८:३६; अंत: २२ अक्टूबर २०३८ १६:४६:३०; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं

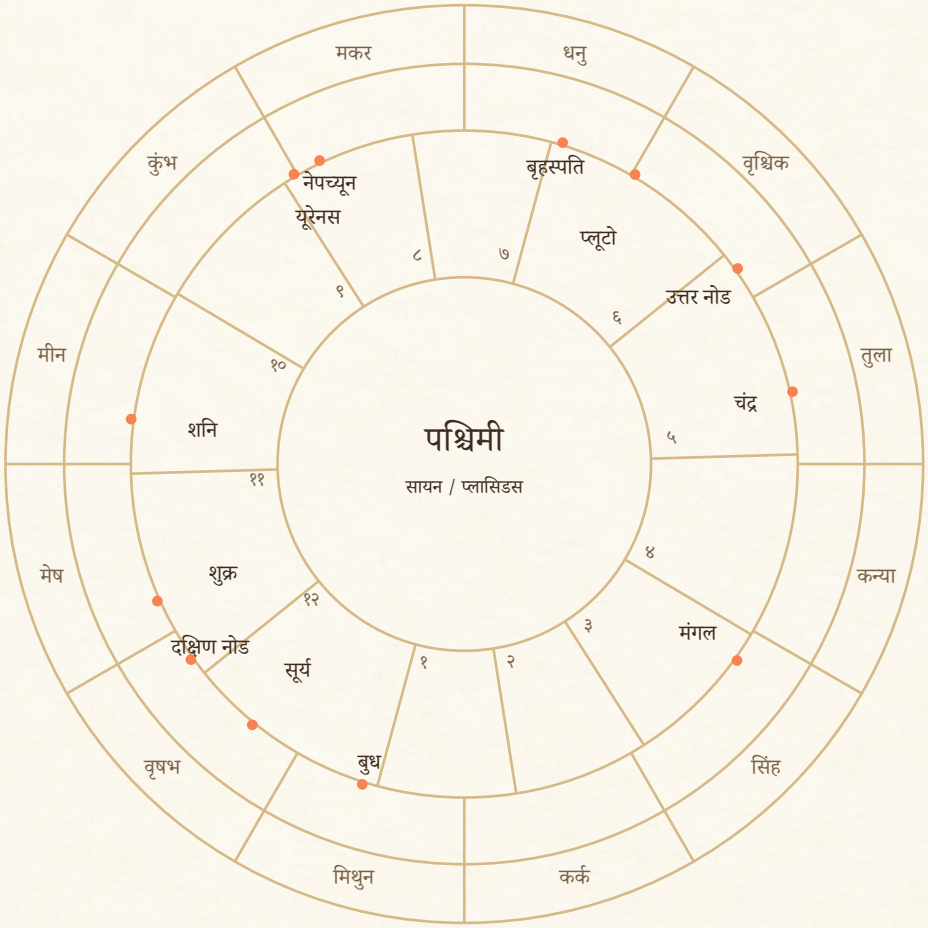
RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
शनि चरण / १४	चरण: साढ़ेसाती मध्य चरण; चंद्र से भाव: १; प्रारंभ: २२ अक्टूबर २०३८ १६:४६:३०; अंत: ५ अप्रैल २०३९ २१:१९:०१; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १५	चरण: साढ़ेसाती आरोही चरण; चंद्र से भाव: १२; प्रारंभ: ५ अप्रैल २०३९ २१:१९:०१; अंत: १३ जुलाई २०३९ ०१:४५:४१; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १६	चरण: साढ़ेसाती मध्य चरण; चंद्र से भाव: १; प्रारंभ: १३ जुलाई २०३९ ०१:४५:४१; अंत: २८ जनवरी २०४१ ०१:१४:३२; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १७	चरण: साढ़ेसाती अवरोही चरण; चंद्र से भाव: २; प्रारंभ: २८ जनवरी २०४१ ०१:१४:३२; अंत: ६ फ़रवरी २०४१ १६:५०:१७; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १८	चरण: साढ़ेसाती मध्य चरण; चंद्र से भाव: १; प्रारंभ: ६ फ़रवरी २०४१ १६:५०:१७; अंत: २६ सितंबर २०४१ ०६:१३:५२; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / १९	चरण: साढ़ेसाती अवरोही चरण; चंद्र से भाव: २; प्रारंभ: २६ सितंबर २०४१ ०६:१३:५२; अंत: ११ दिसंबर २०४३ २३:१५:१९; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / २०	चरण: साढ़ेसाती अवरोही चरण; चंद्र से भाव: २; प्रारंभ: २३ जून २०४४ ०८:०४:०४; अंत: ३० अगस्त २०४४ ०६:३९:५३; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / २१	चरण: चतुर्थ ढैया; चंद्र से भाव: ४; प्रारंभ: ८ दिसंबर २०४६ ००:०६:०१; अंत: ६ मार्च २०४९ १६:२३:३३; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं
शनि चरण / २२	चरण: चतुर्थ ढैया; चंद्र से भाव: ४; प्रारंभ: १० जुलाई २०४९ ०१:३७:०२; अंत: ४ दिसंबर २०४९ ०७:३७:४३; प्रारंभ खोज सीमा है: नहीं; खोज सीमा का अंत: नहीं; रिपोर्ट की तिथि पर सक्रिय: नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

पश्चिमी और अंकशास्त्र संदर्भ



गणना	मान
लग्न	देशांतर: ७४.८८२८; राशि: मिथुन; राशि में अंश: १४.८८२८
मध्य आकाश	देशांतर: ३२९.२८६६; राशि: कुंभ; राशि में अंश: २९.२८६६

गणना	मान
पश्चिमी / प्रणाली	प्लासिडस
पश्चिमी / कुंडली स्वामी	ग्रह: बुध; राशि: मिथुन; भाव: १२; देशांतर: ७२.३२९८
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / देशांतर	५०.८९३१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / राशि	वृषभ
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / राशि में अंश	२०.८९३१
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / भाव	१२
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / गति	मार्गी
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / प्रतिदिन गति, अंश में	०.९६५५
पश्चिमी / स्थितियाँ / सूर्य / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / देशांतर	१९२.४२६१
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / राशि	तुला
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / राशि में अंश	१२.४२६१
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / भाव	५
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / गति	मार्गी
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / प्रतिदिन गति, अंश में	१४.२२७०
पश्चिमी / स्थितियाँ / चंद्र / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / देशांतर	७२.३२९८
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / राशि	मिथुन
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / राशि में अंश	१२.३२९८
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / भाव	१२
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / गति	मार्गी
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / प्रतिदिन गति, अंश में	०.९७११
पश्चिमी / स्थितियाँ / बुध / गरिमा	स्वामित्व: हाँ; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / देशांतर	२४.०६३७
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / राशि	मेष
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / राशि में अंश	२४.०६३७

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / भाव	११
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / गति	मार्गी
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / प्रतिदिन गति, अंश में	१.२१०८
पश्चिमी / स्थितियाँ / शुक्र / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: हाँ; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / देशांतर	१४४.२३३३
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / राशि	सिंह
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / राशि में अंश	२४.२३३३
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / भाव	३
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / गति	मार्गी
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / प्रतिदिन गति, अंश में	०.३९४८
पश्चिमी / स्थितियाँ / मंगल / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / देशांतर	२५२.९८४९
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / राशि	धनु
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / राशि में अंश	१२.९८४९
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / भाव	६
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / गति	वक्री
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / प्रतिदिन गति, अंश में	-०.१०८८
पश्चिमी / स्थितियाँ / बृहस्पति / गरिमा	स्वामित्व: हाँ; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / देशांतर	३५२.३३२८
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / राशि	मीन
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / राशि में अंश	२२.३३२८
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / भाव	१०
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / गति	मार्गी

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / प्रतिदिन गति, अंश में	०.०८२५
पश्चिमी / स्थितियाँ / शनि / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / देशांतर	३००.४५५४
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / राशि	कुंभ
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / राशि में अंश	०.४५५४
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / भाव	८
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / गति	वक्री
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / प्रतिदिन गति, अंश में	-०.००५६
पश्चिमी / स्थितियाँ / यूरेनस / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / देशांतर	२९५.४९६५
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / राशि	मकर
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / राशि में अंश	२५.४९६५
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / भाव	८
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / गति	वक्री
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / प्रतिदिन गति, अंश में	-०.००७५
पश्चिमी / स्थितियाँ / नेपच्यून / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / देशांतर	२३९.४६५८
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / राशि	वृश्चिक
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / राशि में अंश	२९.४६५८
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / भाव	६
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / गति	वक्री
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / प्रतिदिन गति, अंश में	-०.०२७३
पश्चिमी / स्थितियाँ / प्लूटो / गरिमा	स्वामित्व: नहीं; उच्चता: नहीं; शत्रु राशि: नहीं; नीच: नहीं

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / स्थितियाँ / उत्तर नोड	देशांतर: २१५.५७५९; राशि: वृश्चिक; राशि में अंश: ५.५७५९; भाव: ५; गति: मार्गी; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.०१५९
पश्चिमी / स्थितियाँ / दक्षिण नोड	देशांतर: ३५.५७५९; राशि: वृषभ; राशि में अंश: ५.५७५९; भाव: ११; गति: मार्गी; प्रतिदिन गति, अंश में: ०.०१५९
पश्चिमी / भाव / १	भाव-मध्य देशांतर: ७४.८८२८; राशि: मिथुन; राशि में अंश: १४.८८२८
पश्चिमी / भाव / २	भाव-मध्य देशांतर: ९८.९६६०; राशि: कर्क; राशि में अंश: ८.९६६०
पश्चिमी / भाव / ३	भाव-मध्य देशांतर: १२२.५९६३; राशि: सिंह; राशि में अंश: २.५९६३
पश्चिमी / भाव / ४	भाव-मध्य देशांतर: १४९.२८६६; राशि: सिंह; राशि में अंश: २९.२८६६
पश्चिमी / भाव / ५	भाव-मध्य देशांतर: १८१.६५४९; राशि: तुला; राशि में अंश: १.६५४९
पश्चिमी / भाव / ६	भाव-मध्य देशांतर: २१८.७९५०; राशि: वृश्चिक; राशि में अंश: ८.७९५०
पश्चिमी / भाव / ७	भाव-मध्य देशांतर: २५४.८८२८; राशि: धनु; राशि में अंश: १४.८८२८
पश्चिमी / भाव / ८	भाव-मध्य देशांतर: २७८.९६६०; राशि: मकर; राशि में अंश: ८.९६६०
पश्चिमी / भाव / ९	भाव-मध्य देशांतर: ३०२.५९६३; राशि: कुंभ; राशि में अंश: २.५९६३
पश्चिमी / भाव / १०	भाव-मध्य देशांतर: ३२९.२८६६; राशि: कुंभ; राशि में अंश: २९.२८६६
पश्चिमी / भाव / ११	भाव-मध्य देशांतर: १.६५४९; राशि: मेष; राशि में अंश: १.६५४९
पश्चिमी / भाव / १२	भाव-मध्य देशांतर: ३८.७९५०; राशि: वृषभ; राशि में अंश: ८.७९५०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / के बीच	बृहस्पति, बुध
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / दृष्टि	प्रतियुति
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / सटीक कोण	१८०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / वास्तविक कोण	१७९.३४४९
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / ओर्ब	०.६५५१
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / के बीच	बृहस्पति, चंद्र
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / दृष्टि	षडाष्टक
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / सटीक कोण	६०

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / वास्तविक कोण	६०.५५८९
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / ओर्ब	०.५५८९
पश्चिमी / दृष्टियाँ / २ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / के बीच	मंगल, प्लूटो
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / दृष्टि	चतुर्थांश
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / सटीक कोण	९०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / वास्तविक कोण	९५.२३२५
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / ओर्ब	५.२३२५
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ३ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / के बीच	मंगल, सूर्य
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / दृष्टि	चतुर्थांश
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / सटीक कोण	९०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / वास्तविक कोण	९३.३४०२
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / ओर्ब	३.३४०२
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ४ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / के बीच	मंगल, शुक्र
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / दृष्टि	त्रिकोण
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / सटीक कोण	१२०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / वास्तविक कोण	१२०.१६९६
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / ओर्ब	०.१६९६
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ५ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / के बीच	बुध, चंद्र
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / दृष्टि	त्रिकोण

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / सटीक कोण	१२०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / वास्तविक कोण	१२०.०९६३
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / ओर्ब	०.०९६३
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ६ / चरण	वियुति
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / के बीच	नेपच्यून, प्लूटो
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / दृष्टि	षडाष्टक
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / सटीक कोण	६०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / वास्तविक कोण	५६.०३०८
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / ओर्ब	३.९६९२
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ७ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / के बीच	नेपच्यून, शनि
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / दृष्टि	षडाष्टक
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / सटीक कोण	६०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / वास्तविक कोण	५६.८३६२
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / ओर्ब	३.१६३८
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ८ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / के बीच	नेपच्यून, सूर्य
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / दृष्टि	त्रिकोण
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / सटीक कोण	१२०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / वास्तविक कोण	११५.३९६६
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / ओर्ब	४.६०३४
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ९ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / के बीच	नेपच्यून, यूरेनस

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / दृष्टि	युति
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / सटीक कोण	०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / वास्तविक कोण	४.९५८८
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / ओर्ब	४.९५८८
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १० / चरण	वियुति
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / के बीच	नेपच्यून, शुक्र
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / दृष्टि	चतुर्थांश
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / सटीक कोण	९०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / वास्तविक कोण	८८.५६७२
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / ओर्ब	१.४३२८
पश्चिमी / दृष्टियाँ / ११ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / के बीच	प्लूटो, यूरेनस
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / दृष्टि	षडाष्टक
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / सटीक कोण	६०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / वास्तविक कोण	६०.९८९६
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / ओर्ब	०.९८९६
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १२ / चरण	वियुति
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / के बीच	शनि, सूर्य
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / दृष्टि	षडाष्टक
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / सटीक कोण	६०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / वास्तविक कोण	५८.५६०३
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / ओर्ब	१.४३९७
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १३ / चरण	निकट आ रहा

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना	मान
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / के बीच	यूरेनस, शुक्र
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / दृष्टि	चतुर्थांश
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / सटीक कोण	९०
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / वास्तविक कोण	८३.६०८३
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / ओर्ब	६.३९१७
पश्चिमी / दृष्टियाँ / १४ / चरण	निकट आ रहा
पश्चिमी / कुंडली संतुलन / गिने गए पिंड	सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो
पश्चिमी / कुंडली संतुलन / तत्त्व	अग्नि: ३; पृथ्वी: २; वायु: ३; जल: २; कुल: १०
पश्चिमी / कुंडली संतुलन / गुणधर्म	चर: ३; स्थिर: ४; द्विस्वभाव: ३; कुल: १०
पश्चिमी / कुंडली संतुलन / कोणीय ग्रह	शनि

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

अंक ज्योतिष का दृष्टिकोण

गणना	मान
जीवन पथ	५
जन्म दिवस	३
व्यक्तिगत वर्ष २०२६	९
नामांक / अभिव्यक्ति	३
नामांक / अभिव्यक्ति योग	३९
नामांक / आत्म-आकांक्षा	८
नामांक / आत्म-आकांक्षा योग	८
नामांक / व्यक्तित्व	४
नामांक / व्यक्तित्व योग	३१
नामांक / मास्टर अंक	कोई नहीं
नामांक / अक्षर संख्या	१०
नामांक / अक्षर हैं	हाँ
नामांक / Y उपचार	व्यंजन
व्यक्तिगत वर्ष २०२७	१

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर

गणना संदर्भ

पठन टिप्पणियाँ और श्रेय

गणना परंपराएँ

राशि, चंद्रमा और विभागीय कुंडलियों में दिए गए सायन लहिरी गणना-परिणामों का उपयोग किया गया है। पश्चिमी ग्रह-स्थितियाँ ट्रॉपिकल हैं। षड्बल और भावबल में घोषित रमन-संरेखित पद्धति का उपयोग किया गया है। विंशोत्तरी में ३६५.२४२५-दिन के वर्ष का उपयोग किया गया है; अवधि-सीमाएँ और गोचर समय जन्म-स्थान के समयक्षेत्र में प्रदर्शित हैं। प्रकाशित विभिन्न पद्धतियों से अलग-अलग अंक या सीमा-तिथियाँ प्राप्त हो सकती हैं।

पारंपरिक वर्गीकरण

अवखड़ा लेबल, योग और दोष पारंपरिक वर्गीकरण हैं; ये व्यक्तिगत गरिमा, जाति, स्वास्थ्य या संबंधों की उपयुक्तता के बारे में निर्णय नहीं हैं। बल के अंक गणना की एक परंपरा का वर्णन करते हैं; वे सफलता की संभावनाएँ नहीं हैं।

अपनी दैनिक यात्रा जारी रखें

RitRekha में व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि, दैनिक गतिशीलता और चिंतन का अन्वेषण करें। ऐप की Google Play सूची खोलने के लिए नीचे दिया गया QR कोड स्कैन करें।

RitRekha का अन्वेषण करें
Google Play पर